धरती उगले सोना

कृषि आधारित पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष : 16 | अप्रैल–मई–जून, 2026 (संयुक्त अंक) | खरीफ फसल विशेष | पृष्ठ – 24 | मूल्य : 50/-

ग्राफिक्स : फैज़ान अंसारी | प्रधान संपादक : देवांशु चौधरी

चलो नाशिक — INDIA FOODCONE EXPO — 07-08-09-10 Aug 2026

चलो इंदौर — Foodtech ASIA — 21-22-23-24 Aug 2026

चलो कोयम्बटूर — AGRI INTEX 2026 — 9-10-11-12-13 July 2026

चलो गोरखपुर — कृषिका EXPO — 09-10-11-12 Oct 2026

चलो जलगाँव — AGROWORLD EXPO 2026 — NOV — JALGAON

चलो नागपुर — AGRO VISION — November 27-30, 2026 — Nagpur

चलो अमरावती — NATIONAL LEVEL AGRICULTURE EXHIBITION 2 — 25th to 28th December, 2026

चलो इंदौर — भारत — 8-9-10-11 Jan 2027

चलो भोपाल — Farm-Tech — 14-15-16 Feb 2027

मेरी लेखनी की आवाज...

प्रिय कृषक / व्यापारी बंधुओं ,

धरती उगले सोना का खरीफ फसल विशेषांक भाग–2, उद्यानिकी, जैविक कृषि यंत्र, राजनीति पर विशेष अंक लेकर आपकी सेवा में उपस्थित है। आशा है सदैव की भांती हमारी टीम की मेहनत आपको अवश्य पसंद आयेगी। सभी देशवासियों को हनुमान जयंती, बैसाखी, हिन्दु नववर्ष एवं बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ।

अब बात किसानों की। गेहूं की फसल बहुत ही बम्पर हुई, लेकिन गत वर्ष की भांति कटाई के समय व बाद इन्द्र देवता फिर से रूठ गये और देश के कई भागों में फसल क्षति देखने को मिली। मटर, चना और आलू ठीक रहे। सदैव की भांति सरकारी अमला नुकसान का आंकलन करने की बजाए किसानों की चिंता करने की बजाए व्यापारियों के कारखाने व दुकानों पर ज्यादा फोकस करते है, जहां से उन्हें छमाही की फिक्स किश्त मिलती है और किसी के यहां कोई गलती दिखी उस प्रतिष्ठान की तो खैर नहीं। म.प्र. में गेहूं उपार्जन में सरकार ने एक महीने का विलम्ब कर दिया, इससे सारा व्यापार व खरीफ की तैयारी पर गहरा असर पड़ा है, संस्थानों की उगाई के करण हालत खस्ता है। हम तो इशारा कर समझा ही सकते है।

अब बात राजनीति की । बंगाल, असम, पुडुचेरी की जीत पर बी.जे.पी की हार्दिक बधाई, राहुल गांधी ने फिर एक बार वोट चोरी के आरोप लगाए व चुनाव आयोग पर ठीकरा फोडा। एक समस्या जो सबसे चुनौती भरी है वो है सरकारी खर्च पर फिजूल खर्ची, स्वयं मोदी की एक शहर की यात्रा पर करोड़ों रूपये स्वाहा कर दिये जाते है. मैं कई बार इस ओर इशारा कर चुका हूँ। हाल ही में मोदी ने मंत्रीयों से गाड़ीयों का अमला, फिजुल खर्चे घटाने की ताकीद की है क्योंकी नेताओं और अधिकारियों ने तो आति कर रखी है. इनका अमला सरकारी गेस्ट हाउस में और स्वयं पांच सितारा होटलों में, स्टेज सजावट, पांडाल, तस्वीरो के कट–आउट और फूलों की सजावट व बरसात, गाडियों का काफिला और ना जाने क्या–क्या ? हम तो इशारा कर समझा सकते है।

अंत में देशवासियों को सचेत करना चाहूंगा कि देश में कोविड जैसी महामारी की वापसी देखने को मिल रही है, हमें अपने खान–पान व दिनचर्या का आंकलन कर जीवन को नियमित करना होगा, मास्क लगायें एवं आवश्यक दवाई भी लें, क्योंकि देश कोविड की त्रासदी झेल चुका है। प्रशासन को भी लगाम कसने की जरूरत है। हमारा काम तो इशारा कर समझाना मात्र है।

चलते-चलते इन पंक्तियों के साथ...

समस्याओं के समाधान खोजने वाला
व्यक्ति ही सफलताओं की सत्ता प्राप्त करता है।

आपका अपना
देवांशु चौधरी
प्रधान संपादक एवं प्रकाशक

Manufactured By :
HOMEX PRODUCTS
AN ISO 9001:2015 Certified Company
Email : homex@live.com | Consumer Care : 9627080600

999
Brand Sortex Cleaned Gram Dall
लखन इण्डस्ट्रीज
उच्च क्वालिटी चना दाल के निर्माता एवं विक्रेता
प्लांट नं. 2-ए-1, धार रोड़ स्कीम नं. 71, चंदन नगर
चोराहा, इन्दौर फोन: 0731-2382008/9
मो.: 94250-53899, 94250-64199

TRACTOR BRAND
IIL

सैफरॉन
करे फसल की
POWER ON
insecticides (INDIA) LIMITED | हर क़दम, हम क़दम

Foodtech ASIA
Food Processing • Packaging • Bakery & Dairy Exhibition
INDIA'S PREMIER FOOD PROCESSING, PACKAGING & INGREDIENTS EXPO
YOUR INNOVATION. OUR PLATFORM.
EXHIBIT. CONNECT. GROW.
BOOK YOUR STALL NOW!
MEDIA PARTNER
21-22-23-24 AUGUST 2026 | Mahalaxmi Ground, Indore (MP)
For Stall Booking Contact : Dev Raj Chaudhary - 98260 55852, 7224943188
Shweta Thakur 9827131121 | Saloni 9111486377 | Ajay Raghuwanshi 8982316077 | Sonali Rathore 9516767380 | Naresh Mundre 7389636510

62 वर्षों से | स्थापना 1963
500 से अधिक प्रकार की
ऑटोमैटिक मशीनें
ग्राइंडर • मिक्सर • इम्पेक्ट पल्वराइजर
M.S. and S.S.
3000 से अधिक शहरों एवं विदेशों में कार्यरत हैं
• ऑल ग्राइंडिंग (गीली/सूखी) • आटा चक्की (पत्थर/बिना पत्थर)
• ग्रेडर छालना (बड़े/छोटे) • कोल ब्रिकेट्स • वाइब्रेटिंग सिफ्टर (छालना) • पेलेट
• राईस मिल • पोल्ट्री फीड प्लांट्स • ऐलीवेटर • वर्म • डिस्टोनर • डिकार्टिकेटर
• माया • आमरस • रोस्टर • पापड़ • बूंदी-लड्डू मेकिंग • पेकिंग • लकड़ी गैस भट्टी
• नमकीन • सुपारी • सर्फ-साबुन • मैग्नेटिक डिस्टोनर मशीनें
पेपर कटिंग भेजने पर 5% स्पेशल डिस्काउंट
इम्पेक्ट पल्वराइजर | मिक्सर | पल्वराइजर
निर्माता एवं विक्रेता : सभी मशीनों के केटलॉग एवं रेटलिस्ट निःशुल्क मंगवाएं
पंजाब इंजीनियरिंग इन्दौर
ऑफिस/फेक्ट्री: 251/1, इंदिरा नगर वाली गली, लाबरिया भेरू, धार रोड, इन्दौर (म.प्र.)-452 002
ऑफिस: 26, खालसा स्टेडियम, धार रोड, इन्दौर, E-mail : punjabel@gmail.com
98260 53289 | 94253 20160 | 93292 05352

Exhibition on Agriculture, Horticulture, Poultry and Dairy Livestock Industry
VIBRANT कृषिका EXPO
09-10-11-12 OCTOBER 2026
Gorakhpur, Uttar Pradesh
MEDIA PARTNER
For Stall Booking Contact : Dev Raj Chaudhary - 98260 55852, 7224943188
Shweta Thakur 9827131121 | Saloni 9111486377 | Ajay Raghuwanshi 8982316077 | Sonali Rathore 9516767380 | Naresh Mundre 7389636510

सोयाबीन की नवीन किसमें !

सोयाबीन की नवीनतम किस्म जे. एस. 21–72: विगत कई वर्षों से किसान इस बात से परेशान है कि जे.एस 305. जे. एस 2000 के बाद एडवांस जनरेशन की विपरीत मौसमी परिस्थितियों में भी अधिक उत्पादन देने वाली मध्यम अवधि की पानी के लिये सहनशील, मोटा (बोल्ड), उच्च गुणवत्ता वाला, चमकदार सुन्दर दाना, मजबूत जड़–तंत्र, उत्तम अंकुरण क्षमता फनी चटकने की समस्या न हो कम बीज दर वाली कीट एवं व्याधि हेतु बहुरोधी सहनशील किस्म उन्हें कब प्राप्त होगी। किसानों का इंतजार अब सत्थ हो चुका है, क्योंकि वर्षों के गहन अनुसंधान एवं कड़े रिसर्च के बाद जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर (JNKVV) म.प्र. द्वारा किसानों की उक्त अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सोयाबीन की नवीनतम किस्म जे.एस 21–72 हाल ही में जारी की है जिल्का नोटिपि केशन क्रमांक एस.ओ. 1056 (E) दि. 6.32023 है। देश के मध्यक्षेत्र म.प्र. बुदेलखण्ड राजस्थान, गुजरात व महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र हेतु अनुसित की गई है जो कि काम से अधिक वर्षा वाले मध्यम से अधिक भारी गिट्टी (हिली स्वाईल) हेतु उपयुक्त किस्म है। इस किस्म की अवधि फध्यम लगभग 94–95 दिवस है जो कि वर्षों एवं भूमि मिट्टी की स्थितियों के अनुरूप थोड़ी परिवर्तित हो सकती है इसकी औसत उत्पादन क्षमता लगभग 25 क्विं/ हेक्टे है किंतु किसानों से प्राप्त आकड़ों एवं व्यवहारिक स्थिति में इस किस्म ने अधिकतम 30/35 क्विंटल हेक्टेअर तक उत्पादन देकर किसानों को अचरज में डाल दिया है।

इस किस्म का पौधा मध्यम ऊँचाई वाला शाखाओं वाला, फैलावदार होता है एवं इसका तना हरा होता है। इस किस्म का दाना पीला, चमकदार अत्यंत सुंदर, हायलम ब्राउन पत्तियों हरी एवं पत्तियों चोड़ी नुकीली (ओवेट शेप), फूलों का रंग सफेड तथा फलियों लेएदार। चुपाई (डिबलिग) एवं चोड़ी बीजाई हेतु एक आदर्श किरम लाईन से लाईन की दूरी 45 से. मी. पौधे से पौधे की दूरी 7–8 से.मी. एखने पर भी आदर्श परिणाम सामान्य स्थिति में 16 से 10 इंच दूरी रखने एवं बीज दर हेक्टेअर लगभग 80 किलो रखने पर आदर्श परिणाम। तना मजबूत होने से (लाजिग) आड़ा पड़ने की समस्या नहीं, पौधे की ऊँचाई एवं फैलाव अच्छा होने से हवेस्टर से काटने हेतु उपयुक्त। फलियों में चटकने की समस्या न होने से कृषक को कटाई के समय नुकसान नहीं होता है। बायोटिक स्ट्रेस मौसमी तनाब हेतु बहुरोधी किस्म वेलो मोजेक वायरस (ल्डट), चारकोल रॉट, पत्तियों पर बेक्टेरियल पाश्पुल एवं येली स्पोट के प्रति सहनशील किस्म होने से किसानों को बिमारियों से होने वाले नुकसान से एक सुरक्षा कवच एवं आत्मविश्वास प्रदान करती है। फसलों के उत्पादन में भारी खर्च एवं बढ़ती लागत को देखते हुए यह आज एक बहुत बड़ी आवश्यकता बन गई है। अत किसान भाई भी इस तरह की नवीन प्रतिरोधी, प्रमाणित सोयाबीन कि किस्मों का चयन करें ताकि बीमारी से होने वाले नुकसान के कारण बाद में पछताना न पड़े।

सोयाबीन की जे.एस. 2172 किस्म अपने आदर्श गुणों के परिपेक्ष्य में अतिशीघ्र पुरानी परम्परागत किस्मों को विस्थापित कर एक आदर्श एवं उच्च स्थान बनाकर किसानों एवं बड़े क्षेत्र में आच्छादित होकर किसानों की पहली पसंद बनकर सफलतापूर्वक अपना नाम बनाने में सफल होगी।

सोयाबीन की नवीन किस्मः एन.आर.सी.–150–सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र (N.R.C.S.) इन्दौर द्वारा वर्षों के गहन अनुसंधानों के पश्चात सोयाबीन की यह अर्ली किस्म अवधि लगभग 92 दिवस देश ने मध्यक्षेत्र म.प्र. राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र के विदर्भ एवं मराठवाड़ा व उ.प्र. के बुंदेलखण्ड में बोनी हेतु अनुशसित कर वर्ष 2023 में इसे जारी किया गया है।

इस किस्म का दाना बोल्ड, पीला, चमकदार, हायलम–काला 100 दानों का वजन लगभग 11.50 ग्राम पौधा ऊंचाई वाला फैलावदार हार्वेस्टर से काटने हेतु उपयुक्त, फलियाँ फूटती (शेटरिंग) नहीं, फलियाँ रोएदार चिकनी नहीं, तीन दाने की फलियाँ, पत्तियाँ चोड़ी गोलाकार, फूलों का रंग सफेद फूल आने की अवधि 30/–35 दिन कीट/रोग प्रतिकारक क्षमता अच्छी।

इस किस्म की बीज दर लगभग 40 किलो/एकड़ व लाईन से लाईन की दूरी 14 इंच रखने पर आदर्श परिणाम। व्यवहारिक रूप से 30/35 क्विंटल हेक्टेयर तक अधिकतम उत्पादन देने की क्षमता वसुन्धरा सीड्स गेहूं, चना, सोयाबीन, मूंग उड़द, अरहर आदि फसलों के उन्नत बीत अनुसंधान केन्द्र (रिसर्च स्टेशन) व कृषि विश्वविद्यालय से संपर्क कर प्राप्त किए तथा क्षेत्र के किसानों से संपर्क कर प्राप्त बीज से क्षेत्र के श्रेष्ठ किसानों के यहां अनुशंसा एवं आदर्श कृषि कार्यमाला एवं खेती के आधुनिक तरीकों/तकनीकों से उनकी पैदावार लेकर उनके आंकड़े एकत्रित किए तथा निष्कर्षों के अनुसार क्षेत्र के किसानों के लिए श्रेष्ठ किस्मों का चुनाव कर उन्हें किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

कुछ नया सोचना, कुछ नया लाना, कुछ नया करवाना, नवीनता ही हमारी विशेषता

सोयाबीन की नवीनतम
प्रमाणित एवं उन्नत प्रजातियाँ

- सोयाबीन जे.एस. 95-60
- सोयाबीन जे.एस. 20-34
- सोयाबीन जे.एस. 93-05
- सोयाबीन जे.एस. 21-72
- सोयाबीन आर.वी.एस. 2001-4
- सोयाबीन जवाहर जे.एस. 20-69
- सोयाबीन जे.एस. 20-98
- सोयाबीन आर.वी.एस. 18 (प्रज्ञा)
- सोयाबीन आर.वी.एस. 24
- सोयाबीन आर.वी.एस. 1135

• उडद, मूंग, मक्का, सुरजना आदि बीज उपलब्ध

एक नाम एक संकल्प
वसुन्धरा सीड्स
सहयोगी संस्थान
वसुन्धरा बायो-आर्गेनिक्स

52, राजस्व कॉलोनी, टंकी पथ, उज्जैन 456010 (म.प्र.) फोन : 0734-2530547
फैक्स : 0734-2530547 मोबाईल : 93016-06161, 94253-32517
ई–मेल: vasundharabio@yahoo.co.in

कृषि, उद्यानिकी, पुष्प, सब्जी, औषधी एवं सुगंधी उत्पादन संबंधी सम्पूर्ण मटेरियल एवं परामर्श सेवाएँ
स्टॉकिस्ट पाईन्ट :
ग्रीन प्लेनेट बायो प्रोडक्ट्स | ग्लोबल ग्रीन एग्रीनोवा | यारमिला फर्टिलाइजर

प्रगतिशील किसानों को भरोसा है जिसपर

दिव्यरत्न बीज

J.S. Seeds & Agritech

Vitthal Mandir Road, Near Digamber Jain Mandir, Khandwa-450001 (M.P.)
Mob.: 9425085104, 8770300027 | Email : jsseeds@gmail.com

सोयाबीन की उन्नत खेती

सोयाबीन की खेती में भारत देश विश्व के पाचवे स्थान में आता है, 2023 के डाटा के अनुसार भारत ने 11. 88 मिलियन मीट्रिक टन का उत्पादन किया था। सोयाबीन को गोल्डन बीन्स के नाम से भी जाना जाता है और यह फसल लैग्यूम परिवार की होने के कारण इसका योगदान दाल और तेल के निर्माण करने में प्रमुख योगदान होता है। भारत में सोयाबीन की खेती मुख्य रूप से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश और नागालैंड में की जाती है।

उन्नत किस्में। भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान ने चार सोयाबीन किस्मों का विकास किया है जैसे एनआरसी 2 (अहिल्या 1), एनआरसी –12 (अहिल्या 2), एनआरसी –7 (अहिल्या 3) और एनआरसी –37 (अहिल्या 4) है। इसके अलावा संस्थान ने कई किस्मों जैसे–जेएस 93–05, जेएस 95–60, जेएस 335, जेएस 80–21, एनआरसी 2, एनआरसी 37, पंजाब 1, कलितुर को उच्च बीज लॉजिविटी के साथ विकसित किया गया है। इसके अलावा एम. ए.सी.एस.भारतीय वैज्ञानिकों ने सोयाबीन की एक नई किस्म जो अधिक उपज देने वाली और कीट प्रतिरोधी किस्म एमएसीएस 1407 विकसित की है।

बुवाई के लिए बीज व उसकी मात्राः सोयाबीन की बुवाई के लिए हमेशा प्रमाणिक बीज ही उपयोग में लेना चाहिए। यदि स्वयं के खेत में पिछली बार बचाए गए बीज प्रयोग में ले रहे है तो उसे पहले उपचारित कर लेना चाहिए। सोयाबीन की बुवाई के लिए बीज की मात्रा का निर्धारण दानों के आकार के अनुसार बीज की मात्रा का निर्धारण करें। पौध संख्या 4–4.5 लाखध्हेक्टेयर रखें। वहीं छोटे दाने वाली प्रजातियों के लिए बीज की मात्रा 60–70 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। बड़े दाने वाली प्रजातियों के लिए बीज की मात्रा 80–90 कि.ग्रा. प्रति हेक्टयर की दर से निर्धारित करें।

डॉ. राजेश कुमार सैनी
मो.: 9024701474

बुवाई का तरीकाधविधिः सोयाबीन की बुवाई पंक्तियों में करनी चाहिए जिससे फसलों का निराई करने में आसानी होती है। किसानों को सीड ड्रिल से बुवाई करना चाहिए जिससे बीज एवं उर्वरक का छिडकाव साथ में किया जा सके। सोयाबीन की बुआई फरो इरिगेटेड रेज्ड बैड पद्धति या ब्राड बैड पद्धति (बी.बी. एफ) से करनी चाहिए। सोयाबीन की बुवाई 45 सेमी से 65 सेमी की दूरी पर सीड ड्रिल की सहायता से या हल के पीछे खूंट से करनी चाहिए। कतारों में सोयाबीन की बुवाई करते समय कम फैलने वाली प्रजातियों जैसे जे.एस. 93–05, जे.एस. 95–60 इत्यादि के लिए बुवाई के समय कतार से कतार की दूरी 40 से.मी. रखें। वहीं अधिक फैलनेवाली किस्में जैसे जे.एस. 335, एन.आर.सी. 7, जे.एस. 97–52 के लिए 45 से.मी. की दूरी रखनी चाहिए। वहीं पौधे से पौधे की दूरी 4 सेमी से 5 सेमी. तक होनी चाहिए। इसकी बुवाई 3–4 से.मी. गड्ढे से ज्यादा नही होनी चाहिए। सोयाबीन की फसल में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही किया जाना चाहिए। रासायनिक उर्वरकों के साथ नाडेप खाद, गोबर खाद, कार्बनिक संसाधनों का अधिकतम (10–20 टनध्हेक्टेयर) या वर्मी कम्पोस्ट 5 टनध्हेक्टेयर उपयोग करें। सोयाबीन की फसल खरीफ की फसल होने से इसमें सिंचाई की कम ही आवश्यकता पड़ती है। लेकिन यदि फली भरने के समय कोई लंबा सूखा पड़ता है, तो एक सिंचाई की आवश्यकता होती है।

सोयाबीन की कटाईः सोयाबीन की फसल को पकने में 50 से 145 दिनों का समय लगता है जो उसकी किस्म पर निर्भर करता है। सोयाबीन की फसल जब परिपक्व हो जाती है तब उसकी पत्तियां पीली हो जाती हैं, और सोयाबीन की फली बहुत जल्दी सूख जाती है। कटाई के समय, बीजों में नमी की मात्रा लगभग 15 प्रतिशत होनी चाहिए।

सोयाबीन की प्राप्त उपज

सोयाबीन की उन्नत किस्मों का इस्तेमाल कर 18–35 क्विंटल तक की औसत पैदावार प्राप्त कर सकते हैं। वहीं एम.ए.सी.एस.

भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा विकसित सोयाबीन की नई किस्म एमएसीएस 1407 से प्रति हेक्टेयर में 39 क्विंटल की पैदावार पा सकते हैं। इसमें तेल की मात्र 19 प्रतिशत बताई गई है।

मक्का की आधुनिक खेती

मक्का एक प्रमुख खाद्य फसल है। यह भारत में मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में उगाई जाती है, और इसे बलुई दोमट मिट्टी में सबसे अच्छी तरह उगाया जा सकता है। मक्का मुख्य रुप से खरीफ फसल है, पर उचित सिंचाई की सुविधा होने पर इसे रबी और जायद में भी उगाया जा सकता है. मक्का कार्बोहाइड्रेट का अच्छा स्त्रोत है और इसका उपयोग चपाती, भुट्टे, कॉर्नफ्लेक्स, पॉपकोर्न, और बायोफ्यूल में होता है। कैसे करें मक्के की आधुनिक खेती। **उपयुक्त जलवायु** -मक्के की उन्नत खेती विभिन्न जलवायु में की जा सकती है, इसके लिए उष्ण एवं आर्द्र जलवायु सर्वोत्तम होता है। सिंचाई के लिए बेहतर प्रबंध होने पर इसकी खेती रबी में भी कर सकते हैं। बुवाई का समय - मक्के की बुवाई रबी और खरीफ दोनों के मौसम में होती है अगर आप खरीफ में इसकी खेती करना चाहते हैतो जून से जुलाई का महीना सबसे अच्छा माना जाता है और अगर आप रभी में मक्के की खेती करते हैं तो अक्टूबर से नवम्बर के बीच बुवाई कर सकते हैं। इसके अलावा जायद में यानि फरवरी से मार्च के महीने, मे भी मक्के की बुवाई की जा सकती है। **बीज की मात्राः** छोटे दाने वाली किस्में - प्रति एकड़ 6.4 से 7.2 किलोग्राम बीज, संकर किस्में - प्रति एकड़ 8 से 8.8 किलोग्राम बीज, संकुल किस्मे - प्रति एकड़ 7.2 से 8 किलोग्राम बीज। **बुवाई के लिए दूरीः** कतारों के बीच दूरी 60 सेंटीमीटर, अंगेती किस्मों के लिए पौधो के बीच 20 सेंटीमीटर, देर से पकने वाली किस्मों के लिए - पौधो के बीज 25 सेंटीमीटर, बुवाई की गहराई 3 से 4 सेंटीमीटर। **बीज उपचार** - बुवाई से पहले प्रति किलोग्राम मक्के के बीज को 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम से उपचारित करें। प्रति किलोग्रामबीज को 2.5 ग्राम थीरम से भी उपचारित कर सकते हैं। जैविक विधि से मक्के की बीज को उपयचारित करने के लिए बीजामृत का प्रयोग करें। **उन्नत किस्में** : आजाद उत्तम - यह किस्म रबी मौसम के लिये उपयुक्त है। इसके पौधे 7 फीट तक ऊँचे होते हैं। भुट्टे बौधो के मध्य भाग से निकलते है। बुवाई के 75-80 दिनों बाद फसल कटाई के लिए तैयार हो जाती है। प्रति एकड़ 16 क्विंटल तक उपज प्राप्त होती है। देहात जंबो 55-9181 - इसकी खेती बिहार, महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम के साथ नेपाल में भी सफलापूर्वक की जा सकती है। यह अधिक पैदावार देने वाली हाइब्रिड किस्म है। यह किस्म रबी मौसम में खेती के लिए उपयुक्त है. प्रतिं कड़ खेत के लिए 8.9 किलोग्राम बीज की आवश्यकताओं होती है। पी 3401 ड्पायनियर - यह एक हाइब्रिड किस्म है। इस किस्म के दाने नारंगी रंग के होते है जो इसे खास बनाता है। पौधो की जड़े मजबूत होती है, जिससे वे तेज हवा में भी स्थिर रहते हैं और गिरने का खतरा कम होता है। प्रति एकड़ जमीन के लगभग 30 से 35 क्विंटल तक की फसल प्राप्त होती है। एन के 6240 (सिंजेटा - यह एक संकर किस्म है। इस किस्म के खेती रभई और खरीफ दोनों मौसमों में की जा सकती है। प्रति एकड़-जमीन मे खेती के लिए 3 शए ज्ञ किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। एन के 7720 (सिंजेटा) यह किस्म रबी और खरीफ दोनो मौसमों के लिए उपयुक्त है। इस किस्म में रोग कम लगते हैं। पौधो की लंबाई कम होने के कारण पौधो के गिरने की समस्या भी कम होती है। अफ्रीकन जाइयंट - अफ्रीकन जायंट अफ्रीकी लम्बे का एक चयन है। अफ्रीकन जायंट स्थिर उच्च बायोमास उपज देने वाला मक्का है, किसी भी समय हरे चारे के लिए उपयुक्त है। मजबूत विकास और उत्कृष्ट अनुकूलशीलता और इसके सेवन से पशु स्वस्थ और डोयरी फार्म में अच्छा लाभ मिलता है। बीज 18-20 किग्रा/एकड़ बीज दर है। **खेत की तैयारी** - खेत तैयार करते समय सबसे पहले मिट्टी पलटने वाली हल या डिस्क हैरो से 1-2 बार गहरी जुताई करे। इसके बाद देशी हल या कल्टीवेटर से 2 बार हल्की जुताई करे। बेहतर फसल प्राप्त करने के लिए प्रति एकड़ खेत में 3-4 टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद मिलाएं, क्योंकि कच्ची गोबर के उपयोग से दीमक के पनपने की संभावना बढ़ जाती है। प्रति एकड़ खेत में 48 किलोग्राम नाइट्रोजन, 24 किलोग्राम फास्फोरस और 16 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता होती है। जुताई के समय नाइट्रोजन का छिड़काव खड़ी फसल मेंकरें। जुताई के बाद मिट्टी को भुरभुरी और समतल बनाने के लिए पाटा आवश्यक लगाएं। बीज की बुवाई के लिए 60 सेंटीमीटर की दूरी पर क्यारियां तैयार करें। खरपतवार प्रबंधन - मक्के की फसल में खरपतवार की अधिकता से उत्पादन में 30-40 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। मक्के के मुख्य रुप से चौड़ी पत्ती और सकती पत्ती वाले खरपतवार पाए जाते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में सावा, दूर, नरकूल, मोथा, वाइपर घास, चौलाई जंगली जूट, मकोई, कुंदा घास, हजारादाना आदि खरपतवार होते हैं। इस खरतपवारों को नियंत्रित करने के लिए इन विधियों को अपनाएँ। निराई गुड़ाई - खेत में कम से कम 2 से 3 बार निराई गुड़ाई करें। 4-5 सेंटीमीटर से अधिक गहराई में निराई गुड़ाई न करें ताकि मक्के से जड़ो को नुकसान न पहुंचे। खरतपवार नाशक दवाओं का प्रयोग - हल्की मिट्टी में प्रति एकड़ 500 ग्राम एट्राजीन का छिड़काव करें। भारी मिट्टी में प्रति एकड़ 800 ग्राम एट्राजीन को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। दवाओं के प्रयोग के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। बुवाई में 48 घंटो के अंदर 400 लीटर पानी में 2 से 2.5 लीटर एलाक्लोर 50 प्रतिशत ई.सी मिलाकर छिड़काव करें। बुवाई के 30 से 60 दिनों बाद लॉडिस (टेम्बोट्रेयॉन 42% एस.सी.) का छिड़काव करें।

धान की बेहन (नर्सरी) तैयार करने की विधि

✲ ब्रजेश्वर प्रसाद त्रिपाठी ✲ रंजीत सिंह राजपूत

जब खेत में उचित मात्रा में नमी रहती है, तब साधारण हल से चार या ट्रैक्टर, रोटेवेटर से दो बार जुताई करना चाहिए। खेत में पानी निकलने के लिए चारो तरफ नालियां बनाकर इसका 1 10 मी. की छोटी क्यारियों में बांट दीजिए। रोपाई के लिए एक हैक्टर में 100 छोटी क्यारियों की आवश्यकला होती है। हल से नाली बनाकर लाइन में बुवाई कीजिए तथा महीन मिट्टी की परत से ढंक दीजिए।

बीज तथा बीज दर का चयन - नमक का घोल 1.06 विशिष्ट द्रव्यमान का 1 लीटर पानी में 60 ग्राम साधारण नमक मिलाकर तैयार कीजिए। बीज को घोल में डालकर और तैरने वाले अवशेषों (बीजों) को निकाल दीजिए। चयनित बीज को साफपानी से धो दीजिए। बेहन क्यारी में बुवाई के लिए सामान्य बीज दर 35-40 किग्रा/हे. सीधी बुवाई के लिए बीज दर 80 किग्रा/हे. तथा छिटकावा पद्धति से बुवाई के 100 किग्रा0 / हेक्टर।

बीज का उपचार - शुक बुवाई-बीज को एगोसन जी एन या सेरासन (शुष्क) या बाविस्टीन से 2 ग्राम / किग्रा बीज दर से उपचार कीजिए।

आर्द्र बुवाई - उपरोक्त रसायनों में से किसी एकक से बीज को भिगोते समय उपचार कीजिए तथा 24 घंटे भिगोने के बाद पानी से निकाल दीजिए और बीज को अंकुरण के लिए बोरी या छाया से ढंक दीजिए।

बुवाई का समय - सीधी बुवाई - अप्रैल से मई अनुकुल समय है तथा गहरे जल क्षेत्रों में मिट्टी की नमी के आधार पर जून के प्रथम सप्ताह।

रोपाई - जलाक्रांत तथा वर्षाश्रित निचली जमीनों में 15-30 जून।

जमीन की तैयारी-रौपार्ठ-खेत को अच्छी तरह से कीचड़ बनाइए। संपूर्ण खेत में एक समान पानी बनाए रखने के लिए पाटा चलाकर जमीन को समतल कीजिए।

सीधी बुवाई - जब पर्याप्त नमी रहती है, तब अच्छी जुताई के लिए खेत को तीन या चार बार जोत दीजिए।

रोपाई - सामान्य रोपाई 25-30 दिन के बेहन

विलंब रोपाई - 50-60 दिन के बेहन।

सीधी बुवाई - हल के पीछे य सीडड्रिल से बुवाई करनी चाहिए।

अंतराल- अनुमान से रोपाई 30-35 पूंजे /वर्ग मी. 3-4 बेहन/पूजा।

कतारसे रोपाई -20सेमी कतार से कतार, हल के पीछे लगाकर बुवाई।

उर्वरक की मात्रा - मिट्टी में उपलब्ध प्रारंभिक उर्वरक स्तर के आधार पर निर्भर करता है। सीधी बुवाई तथा सामान्य रोपाई- 40:20:20 कि ग्रा नत्रजन, फास्फोरस पोटाश/हेक्टर। विलंब रोपाई : 60:30:30 किग्रा. नत्रजनः फास्फोरस पोटाश / हेक्टर। फार्मयार्ड/कंपोस्ट/कुक्कुट आधार खाद : 5 टन/ हेक्टेयर।

उर्वरक का प्रयोग - सीधी बुवाई - नत्रजन फास्फोरस पोटाश/हेक्टर 20:20:20 संपूर्ण मात्रा को बीज के साथ ही हल द्वारा बनाई गई नाली में प्रारंभिक खुराक के रूप में प्रयोग कीजिए। शेष 20 किग्रा. घास निकालने के तीन से चार सप्ताह के बाद पानी के भीतर मिट्टी ड्रेसिंग के रूप में प्रयोग कीजिए कृषि खेत में केवल 5 सेमी जल स्तर रखकर नत्रजन काप्रयोग कीजिए।

सामान्य रोपाई - संपूर्ण नत्रजन तथा फासफोरस का प्रारंभिक खुराक के रूप में प्रयोग कीजिए।

देर से रोपाई - आधी नत्रजन संपूर्णफास्फोरस ओर आधी पोटाश को रोपाई के समय तथा बाकी एक चौथाई नत्रजन रोपाई के तीन सप्ताह बाद एवं आधा पोटाश ऊपर से बाली निकलते समय प्रयोग कीजिए।

खरपतवार प्रबंध - सीधी बुवाई की फसल में अंगुलीनुमा निराई यंत्र का प्रयोग करके कतारों के बीच शीघ्र निराई-गुड़ाई कीजिए तथा देशी हल का प्रयोग कीजिए। कतारों के बीच में घास को हाथ से निकाल दीजिए।ब्यूटाक्लोर का बुवाई के 1-2 दिन के बाद (500 लीटर पानी में 1.5 से 2 लीटर) 0.75 से 1 किग्रा/हेक्टर दर पर छिड़काव कीजिए।

खाली स्थान को भरना - रोपाई के 7 दिनों के भीतर खाली स्थानों को भर देना चाहिए। यदि बेहन उपलब्ध नहीं है, तो मौजूदा पूंजों से बेहन लेकर खाली स्थानों को भर दीजिए। सीधी बुवाई की फसल मेंदूसरे खड़े से बेहन लेकर खाली स्थानों को भर दीजिए।

'महाकाल की नगरी उज्जैन में कृषि आदान विक्रेता संघ की एक दिन में दि वार्षिक साधारण सभा संपन्न''

'ऑनलाइन व्यापार के खतरों पर व्यापारियों को किया सचेत''

''उज्जैनन, 8 जून 2026'' महाकाल महाराज की नगरी उज्जैन के सॉलिटीयर होटल में विगत दिनों को प्रदेश के इतिहास में पहली बार एक ही दिन में ''कृषि आदान विक्रेता संघ की दो बैठक संपन्न हुई' पहले मध्य प्रदेश के 40 जिलों के व्यापारियों ने दिन में विभिन्न समस्याओं पर मंथन किया और रात्रि में उज्जैन जिले के लगभग 350 से ज्यादा व्यापारियों ने जिले की बैठक कर समस्याओं पर विचार विमर्श किया।

दोनों कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर और बाबा महाकाल की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

प्रदेश सचिव श्री संजय रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि दिन में प्रांतीय बैठक में मध्य प्रदेश के 40 जिलों के जिला अध्यक्षों और प्रमुख पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

वहीं शाम को प्रदेश अध्यक्ष श्री मानसिंह राजपूत एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्री कृष्ण दुबे की मुख्य अतिथि में उज्जैन जिले के व्यापारियों का सम्मेलन संपन्न हुआ

'संगठन में नई नियुक्तियाँ और सम्मान''

बैठक में संगठन को मजबूती देने के लिए प्रदेश स्तर पर प्रत्येक संभाग में संभागीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ,सचिव, संगठन मंत्री एवं प्रचार मंत्री की एक टीम का गठन किया गया एवं उनके प्रमाण पत्र का वितरण भी किया गया ।

श्रीमान सिंह राजपूत ने बताया कि इस टीम में जिन पदाधिकारी की नियुक्ति की गई है उनके द्वारा पिछले 10 वर्षों से संगठन में पूरी लगन और ईमानदारी से कार्य कर रहे सक्रिय पदाधिकारियों को ही उनकी योग्यता के अनुसार, बिना किसी सिफारिश के संगठन में संभागीय अध्यक्ष, संभागीय उपाध्यक्ष, संभागीय सचिव, संगठन मंत्री एवं प्रचार मंत्री की नई जिम्मेदारियाँ सौंपकर उनके प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

''ऑनलाइन व्यापार 'अवैध', व्यापारी रहें सचेतः संघ के अध्यक्ष मानसिंह राजपूत'' ने करा

झ ''यदि आप अपने प्रतिष्ठान से ऑनलाइन कंपनियों के साथ व्यापार कर रहे हैं, तो उसे तुरंत बंद कर दें। ये कंपनियाँ अवैध व्यापार की श्रेणी में आती हैं। न तो इन्हें कंपनी द्वारा पीसी (Principal Certificate) दिया जाता है और न ही ये माल सप्लाई करने वाले विक्रेता को पीसी देती हैं। नियमानुसार यह पूरी तरह अवैध है।

''व्यापारिक समस्याओं और सीड एक्ट पर प्रकाश''

प्रदेश सचिव श्री संजय रघुवंशी ने अपने संबोधन में आगामी ''सीड एक्ट (Seed Act)'' और ''पेस्टिसाइड बिल (Pesticide Bill)'' के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने फर्टिलाइजर (उर्वरक) के व्यापार में आ रही ''ई–टोकन की समस्या'' पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए इस पर ध्यान आकर्षित किया। टैगिंग, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा व बीज में Credit Note पर भी चर्चा हुई।

उज्जैन जिला अध्यक्ष ने व्यापार को सुचारू रूप से चलाने के लिए संगठन में अधिक से अधिक सदस्य जोड़कर इसे मजबूत बनाने का आह्वान किया। वहीं, उज्जैन जिले के उपाध्यक्ष श्री जवाहर जी जैन ने भी इस विषय पर अपने विचार साझा किए।

''सदस्यता अभियान जारी रखने की मांग''

बैठक में प्रदेशभर से आए वरिष्ठ व्यापारियों और जिला अध्यक्षों ने प्रदेश संगठन के कार्यों की सराहना की और भविष्य में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। पदाधिकारियों ने प्रदेश संगठन से निवेदन किया कि ''सदस्यता लिंक को वर्तमान में चालू रखा जाए'', ताकि जिन जिलों में सदस्यता अभियान अभी अधूरा है, वहाँ इसे गति देकर संगठन को और अधिक शक्तिशाली बनाया जा सके।

''प्रमुख उपस्थित पदाधिकारियों के उद्बोधनः''

बैठक में मुख्य रूप से श्री विनोद जी जैन (खरगोन) ने कहा कि आने वाला समय बहुत नाजुक है कोई sample फेल हो तो दुकानदार को ग्वाह बनाकर कंपनी पर केस करें ना की दुकान सील। रमेश गर्ग (रतलाम), शैलेंद्र बघेल (रीवा), प्रकाश जैन (बैतूल), आनंद कपूर (जबलपुर), अनुराग जैन (सागर), मोहन आर्य (आगर), राकेश जैन (मंदसौर), आशीष संगठन में शक्ति होती है, हम देश की मिट्टी के लिये कार्य करते हैं व किसान के लिये सेतु (पूरक) है। भंसाली (खंडवा), नरेश पहाड़िया (धार), शफकत भाई (अलीराजपुर), राजीव पीतलिया एवं दीपक चौरसिया (विदिशा), सुनील राठी (सीहोर), बालकृष्ण पाटिल (हरदा), प्रणीत समैया (सिलवानी), प्रवीण रघुवंशी (नर्मदापुरम), और उदय पटेल (बकतरा) बनवारी लाल कुशवाह (मुरैना), राजेश कुशवाह (शहडोल), श्री नरेश पहडिया (धार), श्री राघवेन्द्र सिंह, असहित अनेक जिला अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी सम्बोधित किया । सोना उगले मिट्टी के प्रधान संपादक ने श्री देवराज चौधरी ने उपस्थित हो संगठन के पदाधिकारियों को बधाई प्रेषित की एवं उनकी समस्याओं को अपने प्रकाशन में उठाने का आस्वाशन दिया ।

आईक्रो सदस्यों द्वारा पुलिस थानों व प्रशासनिक कार्यालयों में महत्वपूर्ण जानकारी वाले कैलेंडर लगायें

इंदौर। ऑल इंडिया क्राईम रिर्फोम्स ऑग्रेनाइजेशन (राजि) संगठन मध्यप्रदेश इंदौर महानगर आईक्रो टीम द्वारा मध्यप्रदेश के प्रमुख गिरीश जौर के नेतृत्व में इंदौर पुलिस प्रशासन के कार्यालयों में आईक्रो के कैलेंडर लगायें। जिसमें मानव अधिकारों के संरक्षण व पुलिस थानों में समन्यय बना रहे। सभी महत्वपूर्ण जोनल अधिकारीयों व थानों की जानकारी व फोन नम्बर के साथ यह बहुउपयोगी है जो आम जनता के लिए भी उपयोगी साबित होगा। इसके बारे में मध्यप्रदेश गिरीश जोरे ने कहा आईक्रो के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल टंडन दिल्ली के दिशा–निर्देश अनुसार पूरी टीम मध्यप्रदेश काम कर रही है।

प्याज की खेती कैसे करें और अधिक मुनाफा कमाये : संपूर्ण जानकारी

प्याज की खेती के लिए समशीतोष्ण और वर्षा रहित जलवायु की बहुत ही अनुकूल और सर्वोत्तम होती है. च्लंर प ीमजप से अच्छी उपज लेने के लिए फसल को खरपतवार से मुक्त रखना चाहिए, साथ प्याज के कंद की उचित बढ़वार के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए. भोजन को स्वादिष्ट बनाने के लिए प्याज की जरूरत पड़ती ही है. प्याज एक ऐसी सब्जी है जिसका उपयोग हर गाँव, हर घर और बड़े से बड़े होटेल तथा रेस्टोरेंट में खाने के लिए उपयोग किया जाता है. सब्जीयों में कितने ही अच्छे मसाले डाल दें लेकिन प्याज के बगैर भोजन का स्वाद फीका पड़ जाता है. बहुत से लोग प्याज से दाल फ्राई, करते हैं तो बहुत लोग बैंगन का भरता में प्याज डालते हैं. कभी–कभी ऐसा होता है कि हमारे घर में सभी खाना खत्म हो जाता है. तो ऐसे में तत्काल भोजन के लिये प्याज को छोटे–छोटे भागों में काटकर उसमें नमक और सरसों का तेल मिलाकर रोटी से खाते हैं, इसके अलावा भी बहुत तरह से प्याज का उपयोग खाने के लिए किया जाता है. एक तरह से देखा जाय तो इसे कच्चे और पकाकर दोनों तरह से खाने के रूप में उपयोग होता है।

प्याज का सबसे अच्छा बीज : पूसा व्हाइट राउंड, नासिक लाल प्याज का बीज छ– 53, पूसा रेड, रतनारा पूछा, एग्री फाउंड रोज, पूसा व्हाइट फ्लैट, कल्याणपुर रैड राउंड, अर्का कीर्तिमान, थ–1 भ्लइतपक ममके वदपवद, पंचगंगा प्याज का बीज, ब्राउन स्पेनिश, एन– 257–1 ये सब प्याज की सबसे अच्छी किस्म हैं. लेकिन हाइब्रिड प्याज की खेती से अच्छी उपज के लिए अपने क्षेत्र में निर्धारित किश्मों का ही चयन करना चाहिए.

प्याज की खेती के लिए नर्सरी कैसे तैयार करें : यदि किसान भाई रबी के लिए प्याज की खेती करना चाहते हैं. तो प्याज की रोपाई जनवरी–फरवरी में किया जाता है. और दिसंबर–जनवरी में ठंड काफी बढ़ जाती है. जिसकी वजह से नर्सरी में बीजों का जमाव बहोत दिनों में होता है और अधिक ठंठ के कारण नर्सरी में पौधे भी काफी धीरे–धीरे बढ़ते हैं. इसलिए प्याज की नर्सरी नवंबर महीने में डाल देनी चाहिए।

प्याज की नर्सरी कैसे डालें : अगर खरीफ के मौसम में बरसात में बरसाती प्याज की खेती करना चाहते हैं. तो बरसाती प्याज की नर्सरी जून महीने में 30 जून से पहले डाल देनी चाहिए खरीफ के मौसम में नर्सरी में डाला गया प्याज 35 से 40 दिन में रोपाई के लिए तैयार हो जाता है. इस बात का ध्यान रखना चाहिए की बीज रोपाई से लगभग 10 दिन पहले नर्सरी में पानी देना बंद कर देना चाहिए जिससे पौधे मजबूत हो जाते हैं. और इसमें रोग कम लगते हैं।

प्याज की नर्सरी में कौन सा खाद डालें : प्याज की आधुनिक खेती करने तथा अच्छी पैदावार के लिए नर्सरी से ही प्याज की देखभाल शुरू कर देनी चाहिए, और यदि प्याज की नर्सरी में खाद डालने की बात करें तो नर्सरी डालने से पहले ही 1 से 1.5 मीटर लम्बी और लगभग 3 मीटर चौड़ी छोटी–छोटी क्यारी बना लेनी चाहिए. उसके बाद प्रति क्यारी 100 से 150 ग्राम क.।.च और 10 किलो अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद डालकर गुड़ाई कर देनी चाहिए और फिर उसके बाद इन क्यारियों में प्याज की नर्सरी डालनी चाहिए।

प्याज की खेती के लिए जलवायु और मिट्टी : प्याज की फसल के लिए अगर जलवायु की बात करें तो इसकी खेती के लिए तो थोड़े गर्म मौसम की आवश्यकता होती है. इसलिए रवि प्याज की खेती की रोपाई जनवरी–फरवरी में कई जाती है. तो अप्रैल महीने में प्याज पककर तैयार होती है और उस समय वातावरण में तापमान 25 से 35 डिग्री सेंटीग्रेड होती है. और खरीफ प्याज की खेती जुलाई में की जाती है सितम्बर–अक्तूबर में पककर तैयार हो जाती है. प्याज की खेती करने के लिए सभी प्रकार की मिट्टी अच्छी मानी जाती है।

प्याज के पौधे की रोपाई की दूरी : प्याज की अच्छी पैदावार के लिए पौधे की दूरी का खास ध्यान देना चाहिए, अधिक नजदीक पौधे की रोपाई न करें क्योंकि घना रोपाई करने से प्याज की फसल में रोग अधिक लगते हैं. इसलिए पौधे से पौधे की दूरी से 10 से 12 सेंटीमीटर रखनी चाहिए. तथा लाइन से लाइन की दूरी 7 से 8 सेंटीमीटर पर रखनी चाहिए.

प्याज में कितने दिन में पानी देना चाहिए? में सिंचाई ड्रिप तथा नाली दोनों तरीकों से किया जाता है, लेकिन ड्रिप सिंचाई विधि अभी बहुत कम किसान यूज करतें हैं. गांव में रहने वाले लगभग सभी किसान आज भी नालियों की सहायता से सभी फसलों की सिंचाई करते हैं, अगर किसान भाई नालियों से प्याज की सिंचाई करते हैं तो सबसे पहले उनको प्याज की छोटी–छोटी क्यारियां बना लेनी चाहिए. और पहली सिंचाई प्याज की रोपाई करने के 1 दिन बाद या 3 दिन के पहले कर देनी चाहिए. उसके बाद 8 से 10 दिनों के अंतराल पर पानी की कमी होने पर हल्की सिंचाई करते रहना चाहिए।

प्याज की आखिरी सिंचाई कब करें? : जब प्याज में पूरी तरह से कंद बनकर तैयार हो जाएं इनकी पत्तियाँ ऊपर से हल्की पीली पड़ने तब प्याज में सिंचाई बन्द कर देनी चाहिए. इससे प्याज अच्छी तरह से पकते हैं तथा ठोस और अधिक समय के लिए टिकाऊ होते हैं.

प्याज की खेती में कौन सा खाद डालें : प्याज की रोपाई करने से पहले खेत की आखिरी जुताई के समय ही गोबर की सड़ी हुई खाद या मुर्गियों की खाद, डीएपी, यूरिया, डालकर पाटा चलाकर खेत को समतल बना लेना चाहिए उसके बाद रोपाई करने के 25 दिन बाद एक बार फिर डीएपी और यूरिया देकर हलकी सिंचाई कर देनी चाहिए।

लहसुन की खेती से होगी अच्छी कमाई, ज्यादा पैदावार के लिए इस तरीके से करें किसानी

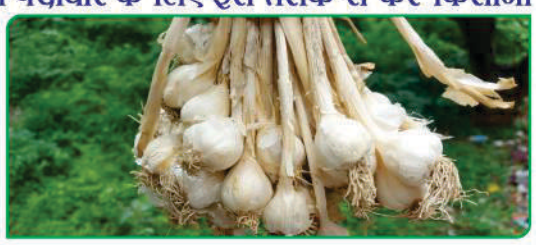

भारतीय किचन में लहसुन का अलग–अलग रूप में प्रतिदिन इस्तेमाल किया जाता है. इसी कारण इसकी मांग हमेशा बनी रहती है और खेती करने वाले किसान अच्छी आमदनी करते हैं। अपने देश में लहसुन का इस्तेमाल खास तौर पर मसाले के रूप में किया जाता है. वहीं आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होने के कारण लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए भी इसका सेवन करते हैं. भारतीय किचन में लहसुन का अलग–अलग रूप में प्रतिदिन इस्तेमाल किया जाता है. इसी कारण इसकी मांग हमेशा बनी रहती है और खेती करने वाले किसान अच्छी आमदनी करते हैं.दरअसल, लहसुन एक कंद वाली मसाला फसल है. इसमें एल्सिन नामक तत्व पाया जाता है. इसी वजह से लहसुन से एक खास तरह की गंध आती है और इसका स्वाद तीखा होता है. लहसुन की एक गांठ में कई कलियां पाई जाती हैं. इन्हें साफ कर के कच्चा या पकाकर खाया जाता है. लहसुन का इस्तेमाल मसाले के साथ ही औषधी के रूप में भी किया जाता है. गले और पेट के रोग से निजात पाने के लिए लोग इसका सेवन करते हैं। इन रोगों में होता है इस्तेमाल इसका उपयोग आचार, सब्जी, चटनी और मसाले के रूप में किया जाता है. हाई ब्लड प्रेशर, पेट रोग, पाचन संबंधी समस्या, फेफड़ा संबंधी समस्या, कैंसर, गठिया की बीमारी, नपुंसकता और खून की बीमारी के लिए भी लहसुन का इस्तेमाल किया जाता है. यह एंटी बैक्टिरिया तथा एंटी कैंसर गुणों के कारण बीमारियों में प्रयोग में लाया जाता है. आज के समय में लहसुन सिर्फ मसालों तक ही सीमित नहीं रह गया है. अब प्रोसेसिंग कर पाउडर, पेस्ट और चिप्स सहित तमाम प्रोडक्ट तैयार किए जा रहे हैं, जिससे किसानों को अधिक लाभ हो रहा है।

गर्मी के मौसम में अपने किचन गार्डन में लगाएं ये सब्जियां

अगर आपके घर में छोटा सा किचन गार्डन है तो यह न सिर्फ आपके घर की खूबसूरती को बढ़ाता है बल्कि यह आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। जहां पर आप ताजी और हरी सब्जियों को खाने से दूर रहते है वहीं घर पर इस तरह की सब्जियों को उगाने से वातावरण भी हरा भरा बना रहता है.

अगर आपके घर में छोटा सा किचन गार्डन है तो यह न सिर्फ आपके घर की खूबसूरती को बढ़ाता है बल्कि यह आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। जहां पर आप ताजी और हरी सब्जियों को खाने से दूर रहते है वहीं घर पर इस तरह की सब्जियों को उगाने से वातावरण भी हरा भरा बना रहता है. गर्मियों का सीजन तो हरी सब्जियों वाला ही होता है क्योंकि इस मौसम में हरी सब्जियां अधिक मात्रा में पैदा होती है. इसीलिए कोशिश करें कि आप अपने घर में ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियों को उगाएं. इसीलिए आज हम आपको बता रहे है कि गर्मियों के मौसम में आप किन तरह की सब्जियों को आसानी से उगा सकते है –

1. टमाटर (Tomato) : वैसे तो लाल रंग का टमाटर आपको कहीं पर भी आसानी से मिल जाएगा लेकिन अगर आप चाहते है तो आप घर में आसानी से टमाटर को उगा सकते है. इसकी सबसे खास बात है ये है कि आप टमाटर को घर में किसी भी गमले में उगा सकते है या फिर किसी भी बर्तन में मिट्टी भर इसकी बुवाई कर सकते है. आपको इसकी खेती के लिए विशेष गार्डन की जरूरत नहीं होगी.

2. खीरा (Cucumber) : गर्मियों में लोग खीरे को सबसे ज्यादा खाना पसंद करते है. आप इसको घर में भी उगा सकते है. इससे बॉडी में आपके पानी की कमी नहीं होती है। साथ ही गर्मियों में लू लगने का कोई खतरा भी नहीं होता है. खीरा पूरी तरह बेल की तरह होती है जिसके सहारे आपके घर की डेकोरेशन हो सकती है.

3. फलियां (Beans) : हरी सब्जियों की बात करें तो यह न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होती है बल्कि इनको घर में उगाना भी बेहद ही आसान होता है. इन फलियों को आप छोटी सी जगह पर आसानी से कहीं पर भी उगा सकते है.

4. बैंगन (Brinjal) : बैंगन एक ऐसी फसल होती है जिसमें कीड़े सबसे ज्यादा लगते है. हालांकि यह आसानी से कहीं पर भी उग सकते है। इसे बोने का सही समय जून या जुलाई का समय होता है. इसको बोते समय आप कीटनाशक का छिड़काव जरूर करें।

5. मिर्च (Chili) : तीखी मिर्च जो कि आपके खाने के स्वाद को बढ़ाती है उसको गर्मी की पर्याप्त मात्रा चाहिए होती है. जितनी अच्छी मात्रा में मिर्च को धूप सही तरीके से मिलेगी उसकी फसल भी उतनी बेहतर ही होगी. मिर्च को ऐसी जगह पर लगाएं जहां पर सूर्य की पर्याप्त मात्रा आती हो.

6. मशरूम (Mushroom) : कुछ मशरूम ऐसे होते है जिनको आप गर्मी के मौसम में आसानी से लगा सकते है. इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते है। इसके अलावा आप गर्मियों के मौसम में करेला, भिंडी, घीया, तोरी, टिंडा, लोबिया, ककड़ी आदि कई हरी सब्जियों को आसानी से किचन गार्डन में ही उगा सकते है. बस इस बात का ध्यान दें कि गर्मियों के मौसम में धूप से पौधों की ज्यादा केयर करनी पड़ती है.

नीम एक फायदे अनेक किसान का अनुभव

लेखकः कृष्ण मुरारी सिंह 'किसान', ग्राम वरमा पो. कैथावां, तह. सिरारी जिला–शेखपुरा (बिहार)–811107

नीम का फूल बसंत में फूलता है। हवा से संयोग कर पर्यावरण को पवित्र करता हैं। इसके सारे जड़ डाल, तना, अंग, प्रत्यंग फल, फूल खेती में खाद्य कीटनाशक आदि रूप में परंपरागत रूप से व्यवहार होते आ रहें है। मानव मे होने वाले रोगों में कार्य करते है। श्रावण मास में कृष्ण पक्ष पंचमी जो इस वर्ष फिर से आयेगा को पडेगा 'नागपंचमी' त्यौहार में लोग नीम के पत्ते खाते हैं। मान्यता है कि इससे खून शुद्ध होता है। टहनी को घर में खोंस देने से वास्तु देवता खुश होते है। अंदर के वातारण की शुद्धि होती है। अतः यह वृद्ध पर्व त्यौहार से भी जुड़ा होता है। नीम के कई प्रजातियों के फल को लोग खाते है। नीम का नीरा भी होता है। बीज से तेल निकाला जाता है। बचा हुआ भाग खली होता है। यह सर्वोत्तम जैविक खाद है। रसायन मुक्त खेती के लिए रामबाण है। हमारे ऋषि उसका प्रयोग करते थे। वैज्ञानिक भी नीम के गुण–धर्म को पहचानने में सफल हुए है। यह वृक्ष आम का आम और गुठली का दाम प्रदान करने वाला है।

वैज्ञानिक मत यह है कि अब तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार नीम का उपयोग बाकी सभी कीटनाशकों के मुकाबले संरक्षित खेती हेतु सुरक्षित पाया गया है। यह भारत वर्ष के लिए अत्यंत उपयोगी है। यह किसी भी प्रकार की स्थलाकृति (Geomorphology) पर बिना किसी खास देखभाल के सरलता से उगाया जा सकता है। यह एक बहुवर्षीय पेड़ है तथा एक बार उगने के बाद इसकी देखभाल की कोई आवश्यकता नहीं होती हैं। मैंने कई पेड़ लगाये । और अन्य किसानों से भी लगवाये है। यह पेड़ सौ वर्ष से भी अधिक वर्ष तक फल देता है। भारत सरकार के द्वारा नीम कोटेट यूरिया का प्रचलन लाभदायक रहा है। इसके उपयोग में करता आ रहा हूं। नीम के बने कीटनाशक पर्यावरण के मित्र कहे जाते है। ये पीड़क कीटों के जीवी और परभक्षियों के लिए सुरक्षित हे। इनका केचुओं पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है। ये औस्ट्रोकॅड की मात्रा का स्थिर रखने में सहायता प्रदान करता है और इस प्रकार भूमि की उर्वरकता कायम रहतीर है। संशोषित कीटनाशकों के मुकाबले नीम से बने कीटनाशकों का प्रयोग कर रहा हूं। इनमें बहुत से यौगिक होते है जिनका प्रभाव भिन्न–भिन्न होता है। फलस्वरूप इनके उपयोग से पीड़क कीटों में प्रतिरोधी क्षमता पैदा होने की संभावना काफी कम रहती है। नीम किसानों के लिए एक अतिरिक्त आय का एक सम्मानित साधन है। कीटों की रोकथाम के लिए नीम के बीज के कीटनाशक घोल तैयार करने की विधि :– नीम के फलों का गूदा उतार कर बीजों को धूप में अच्छी तरह सुखा लें। सूख जाने से प्राप्त बीजों की दो मुठ्ठी भर गिरि (200–300 ग्राम) लेकर उसका दरदरा चूर्ण बना ले। उस चूर्ण को बाल्टी में डालकर 10 लीटर पानी डालें तथा जोर–जोर से हिलायें। अब एक मिश्रण को 6–15 घंटे तक इसी प्रकार रहने दे। (सुबह प्रयोग करने के लिए यह घोल शाम को तैयार कर) अब इसे 20 मिनट तक हिलाये तथा कणरहित घोल प्राप्त करने के लिए इसे मारकीन या अन्य किसी सुती कपड़े से छान ले। इस प्रकार प्राप्त दूधिया घोल प्रयोग के लिए तैयार है। इस घोल का किसी भी अन्य कीटनाशक की तरह छिड़काव करें फसल की किस्म और आकार के अनुसार 500–1000 लीटर घोल एक हैक्टेयर के लिए काफी होता है। पांच–छः दिनों के बाद एक छिड़काव और करें। परिणाम की प्रतिक्षा करें क्योंकि इसके प्रयोग से कीट उसी समय मरते नहीं है बल्कि यह उन्हें फसल खाने, अंडे देने तथा उनकी बढ़वार को रोकने में मदद करता है। यह मेरा एक अनुभव है। रसायन मुक्त, पर्यावरण हितैषी खेती का पहला कदम है। मेरा जीवन और कार्य कृषि से जुड़ा रहा। हल (ट्रैक्टर) चलाना और कलम चलाने की संगति आज भी बरकरार है।

KRIBHCO
Cooperative and beyond...
उत्पाद एक नजर में...
- नीम लेपित यूरिया
- कृभको डी.ए.पी.
- कृभको एन.पी.के.
- कृभको एन.पी.एस.
- कृभको एम.ए.पी.
- कृभको जिंक सल्फेट
- कृभको प्राकृतिक पोटाश
- कृभको कम्पोस्ट
- सिवारिका (समुद्री शैवाल)
- कृभको तरल जैव उर्वरक
- राइजोनियम जैव उर्वरक
- एजोटोबैक्टर जैव उर्वरक
- एजोस्पाइरिलम जैव उर्वरक
- एसीटोबैक्टर जैव उर्वरक
- फॉस्फेट घुलनशीलता वाले जैव उर्वरक (पीएसबी)
- एन पी के तरल जैव उर्वरक
- कृभको बीज

बम्पर फसल का वादा,
उन्नति का इरादा...
कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड
राज्य विपणन कार्यालय, भोपाल, म.प्र.
ब्लॉक–2, भूतल, पर्यावास भवन अरेरा हिल्स, जेल रोड, भोपाल–462011 (म.प्र.)
पी.पी. एक्स : 0755–2572164 | ईमेल : smobhopal158@gmail.com

जैविक खादें:- (खतरनाक रासायनिक खादों का उत्तम विकल्प)

फसल की बेहतर बढ़वार व पोषण के लिए जीवधारियों या उनके अवशेषों के उपयोग को जैविक पोषक तत्व या जैविक खाद कहा जाता है। जैविक खादें वातावरण में उपलब्ध नाइट्रोजन को संरक्षित करने अथवा धातु पोषक तत्वों जैसे- फॉस्फोरस को पौधों को उपलब्ध कराने में सहायक होती है। जैविक खादें पौधों की प्रभावकारी वृद्धि के लिए पोषक तत्व वाहक का काम भी करती हैं। जैविक खादों के लाभ जैविक खादें जैविक पदार्थों से बनायी जाती है। ये खादें पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में मदद करती हैं व मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती है। जैविक खादें पौधों के लिए पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाती है। जैविक खादों से मिट्टी की नमी को लम्बे समय तक संरक्षित रखा जा सकता है साथ ही भूमि के कटाव को भी कम किया जा सकता है। कम्पोस्ट क्या है? खेतों में बेकार पड़ी जैविक चीजों को सड़ाकर कम्पोस्ट बनायी जाती है। बेकार पड़े जैविक पदार्थों को कम्पोस्ट के रूप में परिणित कर पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की कमी को किसी हद का पूरा किया जा सकता है। कम्पोस्ट परोक्ष रूप से पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में सहायता करते है। कम्पोस्ट पोषक तत्वों का बहुत अच्छा स्रोत है। कम्पोस्ट पौधों के लिए आवश्यक हैं व इससे पर्यावरण को नुकसान भी नहीं होता। कम्पोस्ट खेत की मिट्टी को भुरभुरा बनाता है। इससे मिट्टी में पौधों के लिए उचित पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में मिलते है। अपने आस-पास उपलब्ध बेकार पड़ी जैविक सामग्रियों द्वारा कम्पोस्ट बनाने के कुछ सरल तरीके जिन्हें आम किसान प्रयोग में ला सकते हैं आगे दिये गये हैं।

कम्पोस्ट बनाने की विधियां :- कम्पोस्ट की गड्ढा विधि कम्पोस्ट गड्ढा बनाने के लिए ऐसे स्थान का चयन करें जो गौशाला के निकट हो, थोड़ा ऊंचाई पर हो तथा जल स्रोत के नजदीक हो। कम्पोस्ट बनाने के लिए सूखी पत्तियां, टहनियां, फसल के अवशेष (पुआल इत्यादि) घास-फूस एकत्रित करें। इसके बाद कम से कम 2 से 3 फीट गहरा, 3 से 5 फीट चौड़ा व 6 से 10 फीट लम्बा गड्ढा तैयार करें। इसके पहली परत में खूखे डंठल, झाड़ियां या बेकार पड़ी लकड़ियां बिछाएं। दूसरी परत सूखी पत्तियों व सूखी घास की बिछाएं। तीसरी परत हरी घास की बिछाएं। ध्यान रहे कि परतें 6 इंच से मोटी न हो वरना कम्पोस्ट देर से बनेगा। प्रत्येक परत के ऊपर कम से कम 4 किलो गोबर के घोल का छिड़काव करें। इसके बाद सूखे व हरे कचरे की परतें जमीन से 2 से 3 फीट ऊपर तक बिछाएं। गड्ढा पूरी तरह भरने के बाद इसे गोबर व मिट्टी से लीपकर बंद कर दें। यह खाद तीन माह में तैयार हो जाती है। इसमें पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं गड्ढे के कचरे को 21 दिन बाद पलटकर दोबारा लीपने पर खाद जल्दी तैयार हो जाती है।

॥ जय गौ माता ॥ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ जय बलराम ॥
गिरधारीलाल पाटीदार (चौधरी) 9752624583, 7898693314
माधव कृषि फार्म, घिनोदा
पारम्परिक एवं गौ आधारित कृषि
वर्मी कम्पोस्ड खाद उपलब्ध है।
उत्पाद विक्रय केन्द्र (जहर मुक्त)
जावरा रोड़ घिनोदा, तह. खाचरौद, जिला-उज्जैन (म.प्र.)

गंगा एवं जय जवान
NPK मिक्स फर्टिलाईजर
12:32:06 • 20:20:10
08:32:08 • 15:15:7½
रत्नम
जिंक सल्फेट 21%
मोनो जिंक 33%
सिंगल सुपर फॉस्फेट
(पावडर एवं दानेदार)
देवपुत्र
उत्कृष्ट प्रमाणित बीज
सिटी कम्पोस्ट
ऑर्गेनिक मेन्यूअर
वर्मी कम्पोस्ट
प्रॉम खाद
दिव्यज्योति एग्रीटेक प्रा.लि.
चातक एग्रो (इं) प्रायवेट लिमिटेड
बालाजी फॉस्फेट्स लिमिटेड
JYOTI WEIGHING SYSTEMS PVT. LTD.
Our Products: • Pit Type Weighbridge • Weighbridge Automation Software • MS-WIM(Weigh In Motion) • Pit Less Weighbridge • Mobile Weighbridge • Weight Indicator
305, उत्सव एवेन्यु, 12/5, उषागंज (जावरा कम्पाउण्ड) इंदौर (म.प्र.) फोनः 0731-4064501, 4087471
मो. 98272-47057, 98270-90267, 94251-01385
VIGILANCE
सभी सहकारी समितियों एवं विपणन संघ केन्द्रों पर उपलब्ध

खाद है शानदार भरपूर फसल हर बार
विक्रम ZIBOR
पोषण से भरपूर तत्वों का अद्भूत मेल V9
फास्फोरस फसलों की संतुलित वृद्धि में सहायक होता है एवं जड़ों को मजबूत बनाता है
गंधक फसल की गुणवत्ता में सुधार लाता है एवं पैदावार बढ़ाता है।
कैल्शियम मिट्टी की भौतिक संरचना एवं अम्लीय भूमि के पीएच में सुधार करता है
बोरोन पौधों की बढ़त अच्छी होती है और कोशिकाओं को मजबूत बनाता है
जिंक पौधों में हार्मोंस सक्रिय करता है, जो आवश्यक प्रोटीन का निर्माण करता है
आयरन क्लोरोफिल एवं प्रोटीन के निर्माण में सहायक है।
कॉपर अग्र वृद्धिकारक हार्मोन के संश्लेषण में सहायक है।
मैंगनीज क्लोरोफिल, कार्बोहाइड्रेट व नाईट्रेट के स्वांगीकरण में सहायक है।
मोलिब्डेनम पौधों में विटामिन-सी व शर्करा के संश्लेषण में सहायक है।
जिबोर जिंक+बोरोन सिंगल सुपर फास्फेट खाद
A Quality Product By : ARIHANT GROUP
ARIHANT FERTILISER & CHEMICALS INDIA LTD.
AN ISO 9001:2015, 18001:2007 CERTIFIED COMPANY
Factory: Village - Kanawati, Neemuch (M.P) 458441
Regd. Office: 119, Bansi Trade Center, 581/5, M.G. Road, Indore (M.P) 452001
For assistance, reach out to our technical team at +91 9171719100
E: care.arihant@zohomail.in | W: www.grouparihant.com CIN. U24124MP1996PLC012973
"Scan for expert advice and Gift"

खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन बेरोजगारी उन्मूलन का बेहतरीन उपाय

▪ गीता सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी (म.प्र.), ▪ चन्द्रशेखर सिंह, जिला पंचायत डिण्डौरी(म.प्र.)

"देश के आर्थिक विकास में कृषि प्रसंस्करण के महत्व और विश्व बाजार को देखते हुए इस क्षेत्र में अपार संभावनाए है। इसके माध्यम से एक ओर उत्पादों के परीरक्षण की ओर ध्यान दिया जाता है तो दूसरी ओर गांव के आर्थिक विकास के मार्ग को बल देने में इसकी उपयोगिता का कोई विकल्प नहीं है।

कृषि एक ऐसा क्षेत्र है जहां रोजगार की विपुल संभावनाएं है। विगत कुछ वर्षो से कृषि प्रसंस्करण रोजगार के सशक्त आधार के रूप में उभरा है। विविध कृषि उत्पादों की प्रचुरता, सस्ती श्रम उपलब्धता और परिस्थितिक तत्वों की विभिन्नता के कारण कृषि प्रसंस्करण स्वरोजगार का मुख्य स्त्रोत बनने की क्षमता रखता है। आज विश्व में इसकी भूमिका को अह्म समझा जाने लगा है इसके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर उत्पन्न होने के कारण गांवों से शहरों की ओर पलायन कर रहे युवाओं को रोका जा सकता है। यह एक ऐसा व्यवसाय है जो बेरोजगारों के लिये खुशहाली के द्वारा खोल सकता है।

कृषि प्रसंस्करण क्या है: कृषि प्रसंस्करण का अर्थ कृषि उत्पाद के स्वरूप को उपभोग की दृष्टि से योग्य बनाना, उसके मूल्य में संवर्धन करना तथा कृषि उत्पाद को लम्बे समय तक सुरक्षित करना है। उपभोक्ता को उसकी आवश्यकता के अनुसार खाद्य सामग्री चाहिए न कि मूल उत्पाद। फसल की कटाई के बाद उसकी सफाई, छटाई, क्षेणीकरण , लम्बे समय तक उसे सुरक्षित रखने का प्रयत्न, विभिन्न उत्पाद तथा उनके मूल्य में संवर्धन करना, पैकिंग आदि प्रसंस्करण की मुख्य प्रक्रिया है।

प्रसंस्करण के लिये जा कच्चा माल खरीदा जाता है, वह सिर्फ स्थानीय बाजार की आवश्यकता पूर्ति के लिये नहीं बल्कि एक व्यापक बाजार की आवश्यकता पूर्ति के लिये पर्याप्त मात्रा में खरीदा जाता है। इससे खरीदारों की प्रतिस्पर्धा बढती है और किसानों को उनके उत्पाद का अधिक मूल्य मिलता है, प्रसंस्करण प्रक्रिया से श्रमिकों को काम मिलता है और उद्यमी को लाभ मिलता है। बदलते सामाजिक–आर्थिक परिदृश्य, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, गृहणियों की सुविधा आदि ने भी प्रसंस्करण को काफी बढावा दिया है। विन्ध्य क्षेत्र की खाद्य व अखाद्य धान, दलहन, तिलहन, लघु धान्य फसलों जैसे कोदो, कुटकी, रागी, सावा तथा आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियां आदि के प्रसंस्करण द्वारा विविध प्रकार के प्रसंस्कृत उत्पाद तैयार किये जा सकते है।

आजकल कृषि प्रसंस्करण केन्द्र देश के हर हिस्से में खुलने लगे है जो न केवल स्थानीय क्षेत्रों की रोजाना की मांग पूरी करते है बल्कि कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर उनकी मूल्य वृद्धि भी करते है। इसके साथ–साथ ग्रामीण लोगों को इससे आय अर्जित करने एवं रोजगार के साधन उपलब्ध होते है व बिचौलियों को मिलने वाला लाभांश भी उनके हिस्से आता है। कृषि प्रसंस्करण केन्द्र स्थापित करने के लिये जरूरी है ग्रामीण समाज व किसान आपस में मिलकर समूह बनाये व अपने उत्पादन का कुछ प्रतिशत भाग प्रसंस्करण हेतु इस केन्द्र को दें। इसका प्रबंधन अपने हाथ में रखे व महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित करें जिससे उन्हें भी परिवार की आजीविका चलाने के अवसर मिले। कृषि प्रसंस्करण केन्द्र के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य किये जाते है :–

(1) कटाई एवं थ्रेसिंग :– कटाई के लिये उन्नत हंसिया, चाकू, फल तोड़क, रीपर, मूवर, कम्बाइन, आदि का प्रयोग करें जिससे कटाई समय पर कम मजदूरों से हो जाती है, व उपज की हानि भी कम होती है। इसी प्रकार थ्रेसिंग ऑपरेशन के लिये भी ट्रेक्टर या बिजली से चलने वाली मशीनों का प्रयोग किया जाता है जो बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाते है।

(2) सफाई एवं श्रेणीकरण :– सफाई के दौरान कृषि पैदावार को छन्नों (जालियों) से गुजारा जाता है ताकि उसमें मौजूद मिट्टी के ढेले, पत्थर, सूखी–पत्तियां या डंठल, लोहे के कण, दूसरी फसल के दाने, अनपके दाने, बीमार, दूषित दाने आदि को हटाया जा सके। सफाई करने के बाद उपज की श्रेणीकरण द्वारा मूल्य वृद्धि की जाती है जिससे उच्चतम गुणवत्ता को सही मूल्य मिल सके। इसमें काम आने वाली मशीने हाथों, पैरो, पशुओं, टैक्ट्रर, डीजल या बिजली से चलने वाली होती है।

(3) सुखाना :– प्रसंस्करण के लिये उचित नमी तक सुखाना पड़ता है। सुखाने के लिये और उर्जा का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, एक तो यह सस्ती पड़ती है तथा वर्ष के लगभग 10 महीने उपलब्ध रहती है। सौर उर्जा पर आधारित गर्म हवा के हीटर आजकल बाजार में मिलते है। इसके अलावा यांत्रिक शुष्ककों को प्रयोग किया जाता है।

(4) भण्डारण :– अनाजों का भण्डारण, मिट्टी की बनी कोठियों, गोदाम, स्टील व सीमेंट की टंकियों एवं बड़ी–बड़ी साइलेज में किया जाता है। भंडारण से पूर्व बीज में रासायनिक दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है ताकि किसी प्रकार के कीटाणु या जीवाणु ग्रस्त बीमारी न लगे। कृषि प्रसंस्करण केन्द्र के अंतर्गत ग्रामीण जन विभिन्न ऑपरेशनों की मशीने लगाकर रोजगार के साथ–साथ आय भी अर्जित कर सकते है। लघु अनाजों में उच्च पोषक क्षमता होती है और इनसे व्यापारिक उत्पाद प्रसंस्कृत करना भी कोई समस्या नहीं है। इनकी पोषण क्षमता को जानने के बाद इनके उपयोग से स्वादिष्ट अनुपूरक आहार भी बनाये जाने लगे हैं। जई,ज्वार,बाजरा इत्यादि अधिक रेशेयुक्त होने की वजह से सुपाच्य होते है। इसी प्रकार कोदो, सावां एवं काकुन इत्यादि का चावल सरल शर्कराओं में आसानी से टूटता है जिसके कारण सुपाच्य होता है।

इन अनाजों का उपयोग व्यावसयिक रूप से मुख्यतः पूरक आहार हेतु माल्ठ प्राप्ति में व्यापक रूप से किया जाता है। बाजार में विभिन्न व्यापारिक नामों से मिलते है जैसे माल्टोवा, कम्प्लान, हारलिक्स आदि जिन्हे या तो कोको द्वारा आकर्षक बनाया जाता है या दूध पाउडर से। इसके अलावा इन पूरक आहारो को खनिज, अमीनो अम्ल एवं प्रोटीन, वसा से भी टोन किया जाता है परन्तु इनमें बड़ा आग माल्ट का ही होता है। इसके अलावा अन्य उत्पाद जो इनसे प्रसंस्कृत किये जाते हैं वे है–पफ, फ्लेक, बिस्किट आदि। विन्ध्य क्षेत्र में सूक्ष्म धान्य फसले जैसे कोदों, कुटकी, रागी, सांवा, चीना तथा रामतिल, मक्का आदि फसले अधिकता में होती है। छोटे पैमाने पर मिलिंग मशीनें लगाकर इन फसलों से विभिन्न प्रसंस्कृत उत्पाद तैयार किये जा सकते है व लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

दलहनों का सुरक्षित भंडारण

दलहनों का सुरक्षित भंडारण कैसे करें?: दलहन भंडारण में कई प्रजातियों के कीटों का प्रकोप होता है. हमारे देश में ब्रुकिड (घुन) की 11 प्रजातियां पायी जाती है. इस कीट को दालों का घुन, ढोरा, चिरइया और धनुर आदि नामों से संबोधित करते है. ये घुन अरहर, मूंग, उड़द, मटर, चना, मसूर, मोठ, लोबिया, सेम इत्यादि दलहनों पर आक्रमण करते है. हमारे उत्पादन का 20 से 25 प्रतिशत भाग विभिन्न कारकों जैसे कीट, चूहे, चिड़ियां और अन्य सूक्ष्य जीवों द्वारा प्रति वर्ष नष्ट कर दिया जाता है. सबसे ज्यादा हानि दलहनों के घुन ढ़ोरा द्वारा होती है. ऐसे समय में जबकि हम अपनी दलहनों की आवश्यकता का एक बड़ा भाग विदेशों से आयात कर रहे है, जरुरत इस बात की है कि हम अपने भंडारण के तरीकों को बदलें और वैज्ञानिक तरीकों से अनाज का भंडारण करें. इस घुन का प्रकोप खेतों में फलियां पकते ही शुरु हो जाता है, जो कटाई उपरांत, अनाज का उचित उपचार न होने पर भंडारण में निरंतर बढ़ता ही जाता है. अतः आवश्यकता इस बात की है कि इस घुन के आक्रमण को खेतों में ही रोक दिया जावे.

इस घुन के प्रकोप को मख्यतः दो अवस्थाओं में विभाजित किया जा सकता है :

प्रारंभिक अवस्था : जब दलहनी फसलें खेत में पकने की अवस्था में होती है तथा फलियों में नमी 25-30 प्रतिशत होती है तब ही घुन की प्रोढ़ मादा फलियों पर अण्डा दे देती है और 3-4 दिन पश्चात अंडे से गिडार निकलकर फली को भेदता हुआ दाने में प्रवेश कर जाता है लेकिन चने की फसल पर यह कीट खेत में आक्रमण नहीं कर पाता है क्योंकि चने की फलियों पर रोयें होते है जो मादा को अंडारोपण के समय बाधा पहुंचाते है. अन्य दलहनी फसलों में यह खेतों से ही भंडारगृह में पहुंचता है.

द्वितीयक अवस्था : यह आक्रमण भंडारगृह में पूर्व से उपस्थित घुनों के द्वारा होता है, जो भंडारगृह की दीवारों, कंदराओं या अन्य छिद्रों में छिपे रहते है.

भंडारण में घुन को प्रभावित करने वाले कारक :

आपेक्षित आर्द्रता : देश के विभिन्न भागों में आपेक्षित आर्द्रता भिन्न–भिन्न होती है, जिसके कारण भंडारण में क्षति भी भिन्न–भिन्न होती है. जुलाई से लेकर सितम्बर माह का समय घुन के प्रकोप के लिए अनुकूल रहता है. अतः बीजों पर 50 प्रतिशत आर्द्रता ही घुनों के प्रकोप के लिए पर्याप्त होती है. इससे कम आर्द्रता पर घुन का प्रकोप कम हो जाता है.

नमी: भंडारण में नमी का विशेष महत्व है. यदि दलहनी अनाज में नमी की मात्रा 12-14 प्रतिशत तक है तो उसके अन्दर होने वाली जैविक एवं रासायनिक क्रियाओं के कारण तापक्रम बढ़ने लगता है तथा हीट स्पाट नमी एवं तापक्रम की अधिकता के कारण कीट (घुन) कवक एवं सूक्ष्मजीवों का प्रकोप बढ़ जाता है. अतः अनाज को बीच–बीच में कुछ समय बाद उलटते पलटते रहना चाहिए जिससे हीट स्पॉट न बनने पाये.

तापक्रम : तापक्रम का दलहनी घुन पर विशेष प्रभाव पड़ता है. घुन 15 से 350 डिग्री सेल्सियस तक उचित संख्या में वृद्धि करते है. 350 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापक्रम होने पर घुन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है. साथ ही अंकुरण क्षमता भी प्रभावित होती है. अतः दलहनों को 200 से 250 सेल्सियस तापक्रम पर ही भंडारित करना चाहिए. तापक्रम बढ़ने पर भंडारण में नमी का आवागमन शुरु हो जाता है और हीट स्पॉट बनने लगते हैं.

बचाव के तरीके :

प्रारंभिक आक्रमण से बचाव: चने की फसल को छोड़कर शेष दलहनी फसलों पर फलियों के पकते समय यदि रसायनों का छिड़काव कर दिया जाये, तो घुन के प्रारंभिक स्रोत को खत्म किया जा सकता है. इसके लिए खड़ी फसल पर फलियां पकते समय ट्राइजोफास 200 मिली. दवा प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें या वेटेबल सल्फर का छिड़काव करें. इसके अतिरिक्त नीम के बीज की मिंगी को कपड़े में बांधकर पानी में 24 घण्टों के लिए भीगों दें तत्पश्चात उसी पानी में उस मिंगी को अच्छी तरह मथ लें तथा इस घोल का 5 प्रतिशत फलियों पर छिड़काव करें.

द्वितीयक आक्रमण से बचाव के उपाय : द्वितीयक आक्रमण खेतों से भण्डारगृह तक अनाज पहुंचाते समय या भंडारण में पूर्व से उपस्थित घुनों द्वारा होता है. इसके लिये मड़ाई से पहले मड़ाई मशीन की पूर्णरुप से सफाई अवश्य कर लें. फसल ढोने वाले वाहन और बोरों इत्यदि की पहले से ही अच्छी तरह से सफाई कर लें. भंडारण में दलहनों को रखने से पूर्व निम्न सावधानियां आवश्यक है.

हर गौशाला में न्यूनतम पॉच हजार गौवंश का होगा पालनः श्री पटेल

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री लखन पटेल ने मंत्रालय में पशुपालन एवं डेयरी विभाग अंतर्गत गौसंवर्धन बोर्ड के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्वावलंबी गौशाला नीति 2025 गोकुल धाम स्थापना नीति अंतर्गत जारी निविदा में प्राप्त प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि उक्त नीति अंतर्गत परियोजनाओं के लिए न्यूनतम पाँच हजार गौवंश का पालन अनिवार्य है, जिसमें से 30 प्रतिशत गौवंश दुधारू नस्ल के होने चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक 5000 गौवंश के लिये अधिकतम 125 एकड़ शासकीय भूमि उपयोग के अधिकार के आधार पर दी जाएगी। अतिरिक्त 1000 गौवंश की वृद्धि पर 25 एकड़ अतिरिक्त भूमि दी जाएगी। इसके साथ ही व्यावसायिक गतिविधियों के लिए 5 एकड़ अतिरिक्त भूमि दी जा सकेगी। वहीं, निराश्रित गौवंशों के लिए शासन की नीति अनुसार प्रति दिवस प्रति गौवंश अनुदान राशि 40 रुपये दी जा रही है। बैठक में पशुपालन एवं डेयरी प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव, संचालक पशुपालन एवं डेयरी श्री डॉ. पी. एस. पटेल, गौसंवर्धन बोर्ड के रजिस्टार डॉ. अनुपम अग्रवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पशुपालन और डेयरी विभाग के कार्यों की समीक्षा

मध्यप्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने के प्रयास हो रहे फलीभूतः मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने के प्रयास फलीभूत होने लगे हैं। समन्वित प्रयासों से मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन बढ़ाते हुए लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है। प्रदेश में प्रतिदिन 9.67 लाख किलोग्राम औसत दुग्ध संकलन की उपलब्धि दर्ज हुई है। यह गत वर्ष से 11 प्रतिशत अधिक है। इस उपलब्धि को निरंतर बढ़ाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में पशुपालन विभाग की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में बताया गया कि गत छह माह में 11 लाख किलोग्राम से अधिक औसत प्रतिदिन दुग्ध संकलन हुआ है। दुग्ध संघों ने दुग्ध उत्पादक किसानों को गत वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत से अधिक राशि का भुगतान किया है। पशुपालन और डेयरी विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस कार्यक्रम, मवेशियों के स्वास्थ्य की बेहतर देखरेख, चारा उत्पादन और उपलब्धता, पशु पोषण, स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना, क्षीरधारा ग्राम योजना, ब्रीडर एसोशिएशन, दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान, गोरस ऐप, राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ के कार्यों और एनडीबी द्वारा दिए जा रहे सहयोग की विस्ताारपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

सांची ब्रांड को सुदृढ़ करने में मिली कामयाबी

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में विपणन और ब्रांड सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत सांची ब्रांड को लोकप्रिय बनाते हुए विभिन्न उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में भी सफलता मिली है।

मधुमेह में जागरूकता के लिए एनएचएम और सनोफी इंडिया के बीच एमओयू

भोपाल। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सनोफी इंडिया लि. के साथ एमओयू किया है। इससे मधुमेह जैसे रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, शीघ्र पहचान और उपचार शामिल है। एमओयू पर मिशन डायरेक्टर एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना और मैनेजिंग डायरेक्टर सनोफी इंडिया श्री दीपक अरोड़ा ने हस्ताक्षर किये। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री अशोक वर्णवाल एवं आयुक्त श्री धनराजू एस. भी उपस्थित थे।

मधुमक्खी पालन कैसे करें? यहां जानें

आइए सबसे पहले जानते हैं कि मधुमक्खी पालन क्या है? मधुमक्खी पालन क्या है (Madhumakhi Palan kya hai) फलों से रस निकालकर मधुमक्खी अपने छत्ते में शहद बनाती है। ठीक उसी तरह मधुमक्खियों को पालकर शहद का उत्पादन किया जाता है। शहद की बढ़ती मांग के कारण इसका उत्पादन करने के लिए मधुमक्खी पालन शुरू किया गया है। मधुमक्खियां फसलों की उपज बढ़ाने में भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आपको बता दें, लीची नीबू प्रजातीय फलों और अन्य दलहनी एवं तिलहनी फसलों में मधुमक्खियों द्वारा परागण अत्यन्त महत्वपूर्ण माना गया है। इसके अलावा, यह न सिर्फ शहद का उत्पादन करती है बल्कि बड़ी मात्रा में मोम और गोंद का भी उत्पादन करती है। **मधुमक्खी पालन के फायदे (Benefits of Beekeeping)** आय में वृद्धि– मधुमक्खी पालन से किसानों की आय में अच्छी वृद्धि होती है। उन्हें अतिरिक्त आय का अन्य स्रोत मिल जाता है।

1. फसल उत्पादन में वृद्धि– मधुमक्खियों द्वारा विभिन्न फसलों के परागण से फसल की पैदावार में वृद्धि होती है।
2. शहद उत्पादन– मधुक्खियां फलों का रस लेकर उसे शहद मे तब्दील कर देती हैं और अपने छत्तों में उसे एकत्रित करती है। इसके बाद उस शहद को मशीन की सहायता से निकाला जाता है।
3. रायल जेली का उत्पादन– रायल जेली का उत्पादन मधुमक्खी के छत्तों में से किया जाता है।

मछली पालन कैसे करें पूरी जानकारी।

भारत वर्ष में बढ़ती हुई मछली की मांग को ध्यान में रखते हुए मत्स्य उत्पादन बढ़ाना बहुत आवश्यक है। प्रदेश में पूर्व से जलाशयों/छोटे तालाबों में मछली पालन बहुत लोकप्रिय है। राज्य शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अंचलों में उपलब्ध पोखरों में नवीन तकनीकी से मछली पालन किया जा रहा है। सिंचाई के साधनों के विकास के साथ–साथ अब अधिकांश क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता समस्या नहीं रही है। जिन किसानों के पास पर्याप्त मात्रा में पानी है वह कृषि से शेष बची भूमि में पोखर निर्माण कर मछली पालन अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकते है। जब पोखर में पानी होगा तो मछली पालन के अतिरिक्त उसके और भी लाभ होंगे जैसे वहां हरियाली होगी, फलदार पौधे लगाए जा सकेंगे, पानी का निस्तार में उपयोग किया जा सकेगा, भूजल स्त्रोत बढ़ेगा, मवेशियों के लिए पानी मिलेगा तथा पर्यावरण सुधार होगा। इसके लिए आवश्यक है कि नवीन तकनीकी का उपयोग कर उत्तम प्रजाति के मत्स्य बीज का सही मात्रा में संचयन किया जावे। जिससे प्रति हैक्टर अधिकाधिक मत्यस्योत्पादन प्राप्त कर आय में उत्तरोत्तर वृद्धि की जा सके। प्रयोगों से यह सिद्ध हो चुका है कि कतला, रोहू, म्रिगल तथा कामनकार्प, प्रजाति की मछलियों का बीज संचय कर 7–8 माह में ही 500–700 ग्राम तक की मछलियों का उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। मछली की यह प्रजातियां स्वादिष्ट मानी जाती है तथा इनकी मांग भी बाजार में सदैव ही बनी रहती है एवं मत्स्य कृषक को अन्य कृषि उत्पादों की तुलना में सर्वाधिक मूल्य प्राप्त होता है। **नवीन पोखर निर्माण**– ऐसी निचली भूमि जहां वर्षा का पानी 7–8 माह तक ठहरता है या जहा भूमि ढालू हो, पोखर का निर्माण आसानी से किया जा सकता है ऐसे पोखर किसी भी आकार के हो सकते है, किन्तु आयताकार बनाए जावें तो उत्तम है। पोखर में पानी आवागमन के उचित प्रबंध होना चाहिए एवं गहराई न्यूनतम 1 मीटर से 1.5 मीटर तक होना चाहिए ताकि पानी का स्तर कम से कम 1 मीटर रखा जा सके। पोखर की तली का ढलान एक और होना चाहिए।

पारंपरिक मछली पालन से आगे बढ़कर स्टार्टअप आधारित होगा मत्स्योद्योग

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मत्स्योत्पादन को दोगुना करने के विजन को लेकर मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के सफल क्रियान्वयन की दिशा में शुक्रवार को राज्य स्तरीय हितधारक सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार की उपस्थिति में मत्स्य क्षेत्र के उद्यमियों और निवेशकों ने उत्साह दिखाया।राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि प्रदेश में पहले वर्ष 10 हजार केज लगाने का लक्ष्य था, लेकिन निवेशकों की ओर से लगभग 2 लाख केज लगाने के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके है। यह दिखाता है कि प्रदेश में मत्स्य उत्पादन को दोगुना करने की दिशा में विभाग द्वारा सकारात्मक पहल की जा रही है। मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के सचिव श्री स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश जलाशय का केंद्र है। ईज ऑफ डूग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए हर निवेशक के साथ सुविधानुसार एक कॉन्टैक्ट ऑफिसर नियुक्त किया जाएगा। यह अधिकारी निवेशक के सभी आवश्यक दस्तावेजीकरण, सब्सिडी और अन्य विभागीय कार्यो को पूर्ण कराने में मदद करेगा। साथ ही, विभाग द्वारा मार्केटिंग और प्रोसेसिंग से जुड़े एक्सपर्टस की सूची भी उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में निवेशकों और उद्यमियों के साथ राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की गई, जिसमें स्टेक हेस्ल्डर्स से प्राप्त प्रस्तावों और अन्य विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम में महुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के संचालक श्री मनोज पथरोलिया, मत्स्य महामंत्र के महाप्रबंधक श्री रवि गजभिए समेत प्रदेश भर से आर मत्स्य उद्यमी, निवेशक सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। उप संचालक योग श्री गिरीश मेश्राम ने सभी अंधनिवेशको और हितधारकों के प्रति आभार धन्यवाद ज्ञापित किया। मत्स्य महाप्रबंध संचालक श्री अनुराग चौधरी ने सभी हितधारकों का आभार व्यक्त किया।

बकरी पालन कैसे होता है। बकरी पालन की शुरुआत कैसे करें

देसी बकरी की कीमत क्या है द्य बकरी पालन कैसे होता है द्य बकरी कहा से खरीदे द्य इंातप चंसंद ।पेम ।तम द्य हवंज तिउपदह पद ।पिदकप द्य इंातप ।पजदम कपद उमपद इंबबीं कमजप ।पि द्य बकरी के बच्चे कहां से खरीदें द्य बकरी की भूख बढ़ाने के लिए क्या करना चाहिए द्य बकरी पालन चारा व्यवस्थापन महंगाई इतनी बढ़ गई है की 10 या 12 हजार की कोई छोटी–मोटी नौकरी से परिवार चलाना मुश्किल हो गया है. और यदि हम किसानों की बात करें तो, किसान भाई बहुत मेहनत करके बड़ी उम्मीद के साथ फसलों की बुआई करते हैं. की इस बार कमाई अच्छी होगी, लेकिन जैसे ही फसल के कटाई का समय आता है तो किसान भाइयों को मंदी का सामना कारना पड़ता है या प्राकृतिक आपदाओं से फसल बर्बाद हो जाती है. तो दोस्तों आज हम आपको एक ऐसे घरेलु बिजनेस के बारे में बताने जा रहे हैं. जिसे किसान भाई खेती–बाड़ी के साथ–साथ अपने घर पर ही बहुत कम पूंजी लगाकर एक्स्ट्रा इनकम जनरेट करके एक अच्छा जीवन ब्यतीत कर सकते हैं. जी हाँ दोस्तों आज हम बात करने जा रहे हैं. देसी बकरी पालन के बारे में. यह एक ऐसा साइड बिजनेस है जिससे किसान खेती–बाड़ी के साथ करके एक्स्ट्रा इनकम कमा सकते है. आज के टाइम पर किसी को भी एक ही काम के भरोसे नहीं रहना चाहिए. तो दोस्तों चलिए जानते हैं की बकरी पालन से कमाई के लिए बकरी पालन व्यवसाय कैसे शुरू करें. अगर आपको यह पोस्ट अच्छी लगे तो इसे अपने दोस्तों के साथ शेयर जरुर करें.

डेयरी फार्म गाय पालन व्यवसाय ऐसे शुरू करे पूरी जानकारी

डेयरी फार्म व्यवसाय एक परम्परागत व्यवसाय है। जिसमे पशु पालन के माध्यम से लोग अच्छे व्यवसाय की शुरुआत कर सकते हैं। जो लोग डेयरी फार्म गाय पालन व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं वे पशुपालन विभाग में सम्पर्क कर सम्पर्क कर के फिर Dairy Farming Business को शुरू कर सकते हैं। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए उम्मीदवारों को जितनी मेहनत करनी पड़ती है उतना ही उन्हें लाभ भी प्राप्त होता है। आर्टिकल के माध्यम से उम्मीदवारों को डेयरी फार्म गाय पालन व्यवसाय कैसे शुरू करे ? डेयरी फार्मिंग क्या है ? क्ंपतल थ्ंतउपदह ठनेपदमे के माध्यम से उम्मीदवारों को क्या–क्या लाभ प्राप्त होते हैं आदि की सभी जानकारियां को लेख में उपलब्ध कराया जा रहा है सभी इच्छुक उम्मीदवार पूरी प्रक्रिया समझने के लिए नीचे दिए गए लेख को ध्यानपूर्वक और पूरा अंत तक पढ़ें। यदि आप अपना खुद का बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो आपके लिए ये आईडिया हो सकते हैं काम के, इनसे कर सकते हो आप अच्छी कमाई।

डेयरी फार्म गाय पालन व्यवसाय क्या है ? – डेयरी फार्म व्यवसाय करने का एक बहुत ही अच्छा माध्यम है। जिससे लाभार्थी अपना स्वयं का व्यवसाय की शुरुआत कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें कुछ पशुओं की आवश्यकता होती है जो दूध देते हैं जैसे गाय, भैंस, बकरी आदि। इन पशुओं से प्राप्त दूध को बेच कर उद्यमी अच्छे पैसे कमा सकते हैं यह व्यवसाय पुरे साल भर चलने वाला व स्थिर व्यवसाय में से एक है।

मुर्गी पालन की आधुनिक तकनीक

मुर्गी पालन : किसानों के द्वारा स्थानीय स्तर पर मुर्गी पालन (पोल्ट्री फार्मिंग, च्वनसजतल तिउपदह)या कुक्कुट पालन (ानानज चंसंद) का व्यवसाय पिछले एक दशक में काफी तेजी से बढ़ा है। इसके पीछे का मुख्य कारण यह है कि पिछले कुछ सालों में प्रोटीन की मांग को पूरा करने के लिए मीट और मुर्गी के अंडों की डिमांड मार्केट में काफी तेजी से बढ़ी है।

क्या है मुर्गी पालन ? : सामान्यतया मुर्गी के छोटे बच्चों को स्थानीय स्तर पर ही एक फार्म हाउस बनाकर पालन किया जाता है और बड़े होने पर मांग के अनुसार उनके अंडे या फिर मीट को बेचा जाता है। हालांकि भारत में अभी भी मीट की डिमांड इतनी अधिक नहीं है, परंतु पश्चिमी सभ्यताओं के देशों में पिछली पांच सालों से भारतीय मुर्गी के मीट की डिमांड काफी ज्यादा बढ़ी है।

कब और कहां हुई थी मुर्गी पालन की शुरुआत ? : आधुनिक जिनोमिक रिपोर्ट्स की जानकारी से पता चलता है कि मुर्गी पालन दक्षिणी पूर्वी एशिया में सबसे पहले शुरू हुआ था और इसकी शुरुआत आज से लगभग 8000 साल पहले हुई थी। भारत में मुर्गी पालन की शुरुआत वर्तमान समय से लगभग 2000 साल पहले शुरू हुई मानी जाती है, परंतु आज जिस बड़े स्तर पर इसे एक व्यवसाय के रूप में स्थापित किया गया है, इसकी मुख्य शुरुआत भारत की आजादी के बाद ही मानी जाती है। हालांकि भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के अंतर्गत मुर्गी पालन को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जाती है, परंतु मुर्गी के अलावा भी मेक्सिको और कई दूसरे देशों में बतख तथा कबूतर को भी इसी तरीके से पाल कर बेचा जाता है।

कृषि ड्रोन, एग्री–स्टैक और उन्नत बीजों के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश

कृषक कल्याण वर्ष–2026 के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु मासिक कार्ययोजना बनाएं

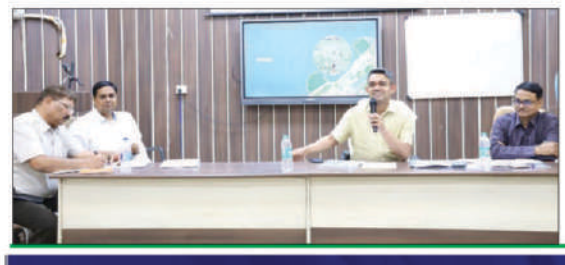

भोपाल। कृषक कल्याण वर्ष–2026 को जन–आंदोलन के रूप में सफल बनाने तथा किसानों की आय वृद्धि, कृषि उत्पादकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीएट), बरखेड़ीकलां में कृषि एवं कृषि से संबद्ध विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता विभाग, नाबार्ड, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), प्रगतिशील कृषकों तथा विभिन्न समितियों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों, नवाचारों और वैज्ञानिक पद्धतियों का समावेश समय की आवश्यकता है। प्रगतिशील किसान नई तकनीकों को अपनाकर न केवल अपनी उत्पादकता बढ़ा सकते हैं, बल्कि कृषि को लाभकारी एवं टिकाऊ व्यवसाय के रूप में विकसित कर आर्थिक आत्मनिर्भरता भी प्राप्त कर सकते हैं।

बीज शय्या तैयार के यंत्र

(क) मिट्टी पलटने वाला हल :

सोयाबीन के खेतों में प्रारंभिक जुताई के लिए अच्छी बनावट, टिकाउपन तथा अपनी अच्छी क्षमता के कारण मिट्टी पलटने वाले हल लोकप्रिय हुए हैं। इन हलों के प्रयोग मुख्य रुप से अधिक खरपतवार वाले स्थानों में किया जाता है। यह खरपतवार को पलट कर वर्षा हेने पर उनको सड़ाकर खाद के रुप में बदल देता है तथा गहरी जुताई के कारण खरपतवार नष्टा होने से दुबारा नहीं उगते है। इससे सोयाबीन की फसल को हानि से बचाया जा सकता है। यह हल हरी खाद की पलटाई तथा कम्पोस्ट खाद को मिट्टी में मिलाने का कार्य भी अच्छी तरह से करता है। यह हल अंग्रेजी के एल (L) आकार का कुण्ड बनाता है। तथा कहीं भी बिना जुती हुई जमीन नहीं छोड़ता है। फार, पंखा, भूमि सरकन तथा आधार इस हल के मुख्य भाग हैं। फार से कटी हुई मिट्टी भूरभूरी कर एक तरह पलट देता है। पंखे के द्वारा मिट्टी का भूरभूरी होना तुा अधिक झुकाव लिए हैं तो वह मिट्टी को अधिक पलेटगा परंतु कम भूरभूरी करेगा। भूमि सरकन वाला भाग कुण्ड की दीवार से लगकर चलता है।

यह काबले द्वार फार से जुड़ा रहता है तथा मिट्टी के दबाव से हल के आधाार को इधर-उधर जाने से रोकता है। उक्त तीनों भाग हल के आधार पर मजबूती से बंधे रहते है।

बैलों द्वारा चलित मिट्टी पलटने वाले हल शाबास, केयर जूनियर, केयर सीनियर, वाह-वाह पंजाब हल, विक्ट्री हल, यू.पी. नं. 1 यू.पी. नं. 2 यू.पी.3, किर्लोस्कर आदि नामों से प्रचलित है साथ मे ट्रेक्टर से चलने वाले दो कोण वाले हल अधिक प्रचलित है उसके साथ ट्रेक्टर से चलने वाले रिवर्सिबल प्लाउ भी बनाये जाते है जिनसे खेत की जुताई अच्छी प्रकार से की जा सकती है। तथा खेत असमतल नहीं होता है।

(ख) हैरो प्लाउ :

यह यंत्र प्रारंभिक जुताई का ही यंत्र कहलाता है, रबि की फसल काटने के बाद इस यंत्र को खेत में चलाते है। इसके एक ही शाप्ट (धूरी) पर कई तवे लगे रहते हैं तथा तवे का कोण (डिस्क एंगल) लगभग 30 से 35 डिग्री तक होता है। यह मुख्य रुप से ट्रेक्टर से चलने वाले होते हैं तुा एक ही बार में मिट्टी काटकर खेत में अच्छी एवं समतल जुताई करते हैं। खेत में जुताई लगभग 15 से.मी. तक हो जाती है तुा खरपतवार एवं गेहूँ आदि की जड़े मिट्टी में नीचे चली जाती है जो वर्षा होने पर सड़कर गल जाती है तथा खेत में खाद के रु प में बदल जाती है। इससे खेत लगभग एक ही बार मे तैयार हो जाता है अतः सोयाबीन की खेती के लिए हेरोप्लाउ प्रथम जुताई के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ है। इसको व्हीट लेण्ड तुा हैरो प्लाउ के नाम से जाना जाता है।

इरफान खाँ 7974413022
नौशाद खाँ 7898747754, 8319745325
न्यू इण्डिया कृषि यंत्र
ट्रॉली, कल्टीवेटर, सीडड्रील, पंजा, ठिये, स्प्रे पम्प आदि कृषि यंत्र के निर्माता एवं विक्रेता व रिपेयरिंग का कार्य भी किया जाता है
ताजपुर चौपाटी, मक्सी रोड, उज्जैन (म.प्र.)
Email : nosadmew40@gmail.com

अंजुम पटेल
9039614653
श्री वीर ट्रेक्टर्स
हमारें यहाँ सभी कम्पनी के पुराने ट्रेक्टर खरीदे व बेचे जाते है
ऑफिस – एम.आर. 5 मक्सी रोड, उज्जैन
ब्रांच ऑ. – 10, इंदौर उज्जैन रोड, फेमस होटल के पास, सांवेर इंदौर
ब्रांच ऑ. – डॉ. शिन्दे के सामने, महिदपुर

जितेन्द्र लोहार
62613 73646
99775 86544
शिवानी कृषि यंत्र एण्ड हार्डवेयर सारंगी चौपाटी
हमारे यहाँ मजदूरी से कार्य किया जाता है
स्प्रे पम्प पंजा रोटावेटर थ्रेशर टेंकर प्लाऊ
पेटलावद बदनावर मेन रोड़, सारंगी चौपाटी, तह. पेटलावद, जि. झाबुआ – 457 770 (म.प्र.)

सोनू जुनेजा 98260–39949
सनी जुनेजा 94250–76034
खालसा
ट्रेक्टर ट्राली पार्ट्स
ट्रेक्टर, सीडड्रिल एवं ट्राली पार्ट्स के होलसेस विक्रेता
पिन ठिया हाइड्रोलिक पाइप पम्प हिच हब कमानी बियरिंग
31/2, कीबे कम्पाउंड, इन्दौर (म.प्र.)

सपना एग्रो
आधुनिक कृषि यंत्रो के विक्रेता
दशमेश हार्वेस्टर, रोटावेटर, सीड्रील, प्लाउ, एक्स्ट्रा रीपर थ्रेसर, स्प्रे पम्प, मिनी फुव्वारे, चाप कटर, ग्रीडिंग मशीन, कल्टी वेटर, स्प्रे पम्प, एवं अन्य कृषि यंत्र
प्रो. अभिषेक पटेल
मो. 9589202626
8962892026
प्रो. बसन्तीलाल पटेल
मो. 9977088591
पेटलावद रोड, पिटगारा चौराहा बदनावर जिला धार (म.प्र.)

A TRUSTED NAME IN THE WORLD OF SPARE PARTS
SACHDEV
MACHINERY STORES
11/2, Maharani Road (Opp. Elora Complex Street), Indore (M.P.)
0731-2534273 09907074843
kanavpumps@gmail.com
OUR BRANDS
THAAR HARVESTING BLADES www.thaarblades.com
KANAV SMART SERIES www.kanavpumps.com

गोल्डी चावला 99269–37000
प्रिन्स चावला 98266–74000 78797–44407
ज्ञान ट्रेक्टर
कृषि यंत्र फिटिंग्स एवं पार्टस मिलने का विश्वसनीय संस्थान
ट्राली पार्ट्स, सीडड्रिल, पल्टी प्लाऊ के पार्ट्स एवं होजिंग के थोक व रिटेल विक्रेता
22, किबे कम्पाउण्ड, मधुमिलन टॉकिज के पीछे, इन्दौर-452 001

Shree-Rukmani-agro-industries
श्री रूक्मिणी एग्रो इण्डस्ट्रीज
सुरेश लोहार 9893722691
अनिल लोहार 9993988589
बी.जे.पी. कार्यालय के सामने, बस स्टेण्ड, सांवेर, जिला-इन्दौर

वर्षों पुराने आपके जाने पहचाने...
संजय गेहलोत 99778-72734
सुनील गेहलोत 91794-82333
जय अम्बिका इंजीनियरिंग
ट्राली सीडड्रिल, लहसुन सैडड्रिल लेवलर, पंजा, प्लाऊ, कल्टीवेटर स्प्रे-ठिया, डोरा (कुलपा) सुपड़ी, तोता पंजा एवं अन्य कृषि यंत्रों के निर्माता एवं विक्रेता
बदनावर-कनिजा बायपास, बड़नगर, जिला उज्जैन (म.प्र.)

KISAN SAMRIDHI
सुरेश यादव 98265-98307
किसान समृद्धि सेंटर
रोटावेटर, सीड ड्रील, प्लाऊ, ड्रीप, मल्चिंग, पाईल लाईन के अधिकृत विक्रेता
Email : kisancentar123@gmail.com
अनुदान हेतु मान्यता प्राप्त
पता : नर्मदा रोड़, पंचवटी होटल के पास, बड़वाह

प्रो. राधेश्याम सिर्वी
मोबा. 9981378352
श्री श्याम कृषि यंत्र
(सभी प्रकार के कृषि यंत्रो के निर्माता एवं विक्रेता)
थ्रेसर, ट्राली, सीड ड्रील, कल्टीवेटर, पंजा, पल्टीप्लाउ, रोटावेटर, टेंकर आदि नये पुराने का काम किया जाता है।
स्थान – पेटलावद रोड़, पिटगारा, तह. बदनावर जि. धार

वर्षों पुराने आपके जाने पहचाने
CIAE टेस्टेड
श्री सोलंकी कृषि उद्योग
सभी प्रकार के आधुनिक कृषि यंत्र के निर्माता एवं विक्रेता
सीड ड्रिल हाइड्रलिक ट्रॉली आलू बोनी मशीन तोता पंजा
प्लाऊ पंजा टेंकर कल्टीवेटर
सोलंकी का किसान, सदैव खुशहाल किसान...
शासकीय अनुदान (सब्सिडी) पर उपलब्ध
24, इण्डस्ट्रियल एरिया, राऊ-रंगवासा रोड, राऊ-453 331 जिला इन्दौर (म.प्र.)
98265-09525 99260-09090 99770 33344 9294899090
सोलंकी के कृषियंत्र म.प्र., छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र एवं अन्य प्रदेशो में लोकप्रिय...
अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में नई डीलरशिप हेतु व्यापारिक पूछताछ आमंत्रित है।
हमारी गुणवत्ता का सभी लोहा मानते हैं!

प्रोप्रा. पवन कर्मा
9977806448
7999594991
VKT
विश्वकर्मा ट्राली
निर्माता एवं विक्रेता – ट्राली, सीड्रिल, कल्टीवेटर, छोटा ट्रेक्टर का कल्टीवेटर रेजर बनाये जाते है एवं सभी प्रकार की रिपेयरिंग का कार्य भी किया जाता है।
मल्टी हाईड्रोलिक प्रेस से कार्य किया जाता है।
पता- महेश्वर रोड़, ड्रीम लेण्ड सिटी कॉलोनी, बड़वाह जिला-खरगोन

SHYAM HYDROTECH
Pratap Patel
Mob.: 099076 66499
Autho. Distributor:
Lorven
Liftwell
RADHIKA HYDRAULIC JACK
Shop No.: C/2,3, Navlakha Complex, Agrasen Chouraha, Indore 452 001
Email : Shyamhydrotech2013@gmail.com

प्रो. जयपाल राजपूत
97545 55798
रामसिंह राजपूत
88926 15354
रामाश्रय
कृषि सेवा केन्द्र
उन्नत किस्म के बीज, रासायनिक खाद
व कीटनाशक दवाईयाँ के विक्रेता
बस स्टैण्ड रोड, डॉ. श्रीमाली सा. के पास,
वर्धमान काम्प्लेक्स, बड़वाह
rajputramsing211@gmail.com
अधिकृत विक्रेता : Sakar RETRO SOMANI SEEDZ

Mo. 9685926731
श्री श्याम इंटरप्राइजेस
Opp. Mahavir Tol Kanta, Jaylampura,
Barwah - 451113 Dist. Khargone (M.P.)
Whole-Sale Traders - Agricultural Seeds

॥ श्री बालाजी नमः ॥
कपिल गुप्ता
मो. 90394990044
श्री जितेन्द्र ट्रेडिंग
पत्ता - १५KH, महेश्वर रोड, बड़वाह जिला खरगोन
ईमेल : kapil37019@gmail.com

नमामि देवी नर्मदे
अनोकचंद मण्डलोई
मो. 98265 00545
महेन्द्र मण्डलोई
मो. 9754196419
मण्डलोई एग्रो एजेन्सी
अधिकृत विक्रेता
• बायर क्रापसाईन्स लि. • घरडा केमिकल्स लि. • सुमीटोमो केमि. इ.प्रा. लि. • स्टार सीड्स प्रा. लि.
• सिनजेंटा इंडिया लिमिटेड • अस्पी हाईटेक पम्प • युनिसेम एग्रीटेक प्रा. लि • विकास सीड्स प्रा. लि. हैदराबाद
mdmandloi286@gmail.com
महेश्वर रोड़, बड़वाह जिला खरगोन (म.प्र.)

अशोक एण्ड ब्रदर्स
श्री जयप्रकाश : 9826034225, 9826502010
jaiagrawal2005@gmail.com
खाद, बीज दवाई एवं मशीनरी पार्टस् के विक्रेता
RALLIS INDIA LIMITED
A TATA Enterprise
SUMITOMO CHEMICAL INDIA LTD.
syngenta
GHARDA CHEMICALS LIMITED
महेश्वर रोड, बड़वाह (म.प्र.) 451115

अनील एंटरप्राइजेज
श्री अजय गुपता
7999938700
ajaygupta3068@gmail.com
22,2, महेश्वर रोड, बड़वाह–451115

॥ जय श्री कृष्ण ॥
योगेश यादव
99771-16358
98263-48755
श्री यादव ट्रेडर्स
कीटनाशक दवाईयों एवं कृषि बीज के विक्रेता
yogeshvickyyadav@yahoo.com | महेश्वर रोड़, ड्रीम लेंड सिटी, बड़वाह

हेमंत गौड़ - 9165471638
गुरुकृपा ट्रेडर्स
आरोग्य मेडिकल
Synwood सिनवुड
Apexfiert एपेक्सफियर्ट
Ichipan इचीपन
Dharti Agro Chemical धरती एग्रो केमिकल
बफलगांव, तहसील - बड़वाह, जिला खरगोन

श्री गणेशाय नमः
जय सिंगाजी महाराज
श्री एग्रो
Shree Agro
अमर पटेल
मो. 9926703800
राम कृषि सेवा केंद्र
रासायनिक खाद, बीज एवं कीटनाशक दवाईयों के विक्रेता
नगर पालिका कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड बड़वाह

With Best Compliments from :
TAPTI FERTILIZERS PVT. LTD.
Corporate office Add.: 13 B Maliwada Chowk
Burhanpur - 450331 (M.P.)
Manufacturers of : Organic Manure
Prashant Patil, 8319888494

प्रोप्र. सतीश काग
99260-64993
90394-40953
संजय परिहार
97530-76811
BARWAHA
कृषि कल्याण केन्द्र
खाद, कृषि बीज एवं कीटनाशक दवाईयों के विक्रेता
E-mail : krishi.kalyan.kendra@gmail.com
आदिनाथ मार्केट, बस स्टेण्ड, बड़वाह
BASF
The Chemical Company
ADAMA
syngenta
BAYER

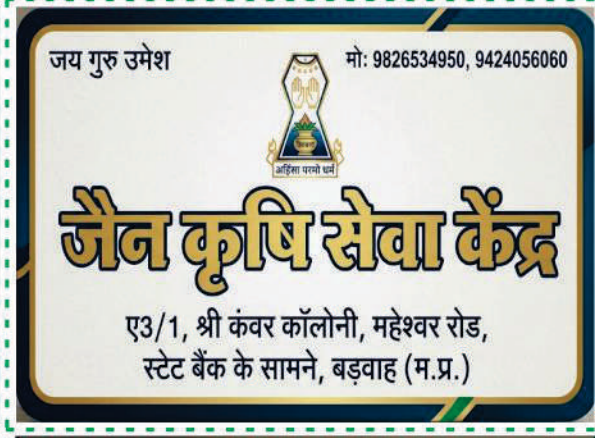
जय गुरु उमेश
मो: 9826534950, 9424056060
अहिंसा परमो धर्म
जैन कृषि सेवा केंद्र
ए3/1, श्री कंवर कॉलोनी, महेश्वर रोड,
स्टेट बैंक के सामने, बड़वाह (म.प्र.)

जैनलाल शाह
Mo. 99775 58105
सोहनलाल शाह
Mo. 98262 99321
उपाध्यक्ष - कृषि मंडी समिति
शाह एग्रो एजेंसी
डीलर :- 168, महेश्वर रोड़, बड़वाह (म.प्र.)
वायर, सिन्जन्टा, सावलेश, लक्ष्मी इंटरप्राईजेस,
मशीनरी, देवड़ा, सबमर्सिबल पंप, एन्जन पंप, पूनम पंप कमेट इन्जन

नीलेश पाटीदार
9826622080
Ankit WIRES
पाटीदार एग्रो एजेन्सी
महेश्वर रोड, बड़वाह
patidaragrobarwaha@gmail.com

जय माँ महाकाली
जय श्री महाकाल
श्री गणेशाय नमः
जय श्री महाकाल
धर्मो रक्षति रक्षित
चेतन अमर सिंह चौहान - 9111562069
शिवाय एग्रो एजेंसी
समस्त प्रकार के खाद, दवाई व बीज
के थोक एवम् खेरची विक्रेता
रेलवे गेट के पास, महेश्वर रोड, बड़वाह
akash PESTICIDES PVT. LTD.
UPL
syngenta

समर एग्रो
रतनपुर फाटा, तह. बड़वाह जिला खरगोन (म.प्र.)
समस्त प्रकार के ड्रीप खाद, कृषि बीज दवाई मल्चींग के विक्रेता
PARIJAT
BIOSTADT
CORTEVA
लोकेंद्र सिंह : 9617827499
jadhavlokendra@gmail.com
सहयोगी संस्थान : भूमि एग्रो, रमनपुर तह. बड़वाह, जि. खरगोन

अजय कृषि बीज भंडार
दिनेश पंवार
99770 78757
अजय पंवार
95754 91977
सभी प्रकार के कृषि बीज व दवाईयों के विक्रेता
नगर पालिका कॉम्पलेक्स, बस स्टैण्ड, बड़वाह जि. खरगोन (म.प्र.)

श्री गणेशाय नमः
मो. 9753061600
श्री अगो
Shree Agro
शिवेष सीड्स
विक्रेता - रासायनिक खाद, उन्नत बीज, कीटनाशक दवाई, स्प्रे पम्प
ग्राम सतजना
Email : gbirla4@gmail.com

।।श्री गणेशाय नमः।।
प्रो.रमेश बिर्ला
मो. 62634-79401, 98267-55202
हरिओम बिर्ला
मो. 82696-73529
IFFCO IFFCO-MC
इफको एम.सी.बाजार
हमारे यहाँ - उर्वरक, सुक्ष्म तत्व उर्वरक, घुलनशील उर्वरक, पौध विकाश प्रोत्साहक, जैविक उर्वरक, जैव कृषि रसायनकृषि बीज, खरपतवार नाशक, स्प्रेयर मशीन, इफको फर्टिलाईजर इफको रासायनिक दवाई का संपूर्ण श्रंखला
पता - दुकान नं. 01 आशीष कॉम्प्लेक्स, खरगोन रोड़, सनावद

Devendra Patel 96693 26792
Rajkumar Mandloi 8889121314
अवनी ट्रेडर्स
Deepak Mandloi 9826111213
Chemical Fertilizers Advanced Seeds Pesticides
रासायनिक खाद, • उन्नत बीज, • कीटनाशक दवाई, • मल्चिंग फिल्म
वॉटर सोल्युबुल, • जिप्सम, सिटी कंम्पोस्स, ड्रीप एरिगेशन, मोटर पम्प
पुनासा रोड, चांदनीपुरा, सनावद

श्री किसान बीज
उत्तम गुणवत्ता • उचित मूल्य • किसानों का विश्वास
दिलीप कुमार ऐरेन, निखिल ऐरेन
99935 03359
98262 86259
माता चौक, सनावद बस स्टेण्ड, जिला खरगोन, सनावद – 451111 (म.प्र.)
syngenta BASF BAYER dhanuka CORTEVA KRISHAN FMC aries RASI
किसानों की उन्नति, हमारा संकल्प

* Namdhari Seeds
* Ankur Seeds
* Nirmal Seeds
* Centromere Bio-Solutions
Drip System :
* Netafim Irrigation
* Finolex Pipe
Krishnapal Singh Mourya
M.Sc. (Ag.)
Maa Vasundhara
Krishi Paramarsh Kendra
* BASF * Indofil, UPL
* E.I. Dupont * Sulphar Mills
* Makhteshim Agan * Nagarjuna Fertilizer
* Chemtura Chemicals * Coromandal International
* Sumitomo Chemical
Sant Singaji Market
Khargone Road
Sanawad (M.P.) 451111
Mob. : 98266-21562
E-mail : krishiparamarshkendra@rediffmail.com

Natwar Mahajan 9826292151
Aman Mahajan 9977754577
Shyam Brothers
SB
M/s. Shyam Brothers
A - 11, Hospital Market
Jawahar Marg, Sanawad (M.P.)
:(07280) - 234376 (R) | natwar.mahajan@gmail.com

श्री चंद गादी श्री गणेशाय नमः ॐ जय गुरुदेव मो. 9926062799
SHRI RAM SEEDS
श्री राम सीड्स
खाद, बीज, कीटनाशक दवाइयों के विक्रेता
खरगोन रोड, सोलंकी मार्केट, सनावद (म.प्र.)

महेन्द्र पटेल (BSC एग्री कल्चर)
मो. 77480-11059
भगवनजी पटेल
मो. 99265-98118
सांवरिया ट्रेडर्स
उच्च क्वालिटी के बीज, खाद, कीटनाशक दवाईयाँ एवं स्प्रे पम्प
Email : pateliyaji094@gmail.com
स्थान बस स्टेण्ड, खण्डवा रोड़, सनावद

भूजवेन्द्रसिंह पंवार 78693422225
कमलेन्द्रसिंह पंवार 9826298221
श्रीराम ट्रेडर्स
खाद, बीज, कीटनाशक दवाईयाँ, स्प्रेपम्प एवं मशीनरी आदि के विक्रेता
चाँदनीपुरा, पुनासा रोड़, सनावद

श्री गणेशाय नमः
GP
श्री लक्ष्मण बिरला
मो. 98263-23923
गोदावरी पेस्टीसाइड्स
खाद, बीज, कीटनाशक दवाईयों के विक्रेता
पता : खरगोन रोड (पिंकी मशीनरी स्टोर्स बेर्स के पास) सनावद

'श्रीमते गणेशाय नमः'
मा नर्मदा हर
जय गुरुदेव
बाबा श्री ट्रेडर्स
रासायनिक दवाई, खाद, बीज के विक्रेता
बाहुबली मार्केट – मोरटक्का चौराहा, सनावद (म.प्र.)
मो: 9753553052, 9753187229

प्रो. योगेश बिरले || श्री गणेशाय नमः || मो. 9575052527
प्रांशी कृषि सेवा केन्द्र
उच्च क्वालिटी के खाद बीज व दवाई के विक्रेता
नोट - सभी दवाईयों के विशेष रेट दियें जाते है।
पत्ता - पटेल मार्केट,खरगोन रोड़,सनावद
एक बार सेवा का मौका अवश्य दे।

श्री गणेशाय नमः
हंसिका ट्रेडिंग कंपनी
खाद, बीज एवं सब्जी के बीज के थोक एवं खेरची विक्रेता
भिंडी, लौकी, गिलकी, करेला, कद्दू, टमाटर, बैंगन, मिर्ची, गोभी, पत्ता गोभी, पालक, मेथी एवं सभी सभी प्रकार की हरी सब्जी के बीज उपलब्ध हैं.
तुलेश बिरला
पता : खरगोन रोड, सब्जी मंडी के सामने, सनावद - 7697010646 | ईमेल: tuleshkumarbirla@gmail.com

राधेश्याम पटेल
9926583790
|| श्री गणेशाय नमः ||
माँ रेवा
K.S.K.
विक्रेता : रासायनिक खाद, उन्नत बीज एवं कीटनाशक दवाई एवं सीमेन्ट एवं बिल्डिंग मटेरियल
पुनासा रोड़ (चांदनी पुरा), सनावद

दिनेश बिरला 99265-71682
|| हरिओम नमः ||
गुरुदयाल पुनासिया 98262-47006
हरिओम कृषि सेवा केंद्र
खाद, बीज व कीटनाशक दवाईयों के विक्रेता
खाद, बीज व कीटनाशक दवाईयों के विक्रेता
चंदनीपुरा पुनासा रोड, सनावद एम.पी.

|| जय श्री गणेश ||
गुरुदयाल पुनासिय
मो. 98262-47006
सिंगाजी एंटरप्राइजेज
खाद, बीज व कीटनाशक दवाईयों के विक्रेता
चंदनीपुरा पुनासा रोड, सनावद एम.पी.

सदाशिव पटेल
9826098835
9926597947
कपिल सीड्स
खाद, बीज, दवाई, ड्रीप स्प्रिंकलर, P.V.C. पाइप एवं अन्य कृषि उपकरणों के विक्रेता
रेलवे फाटक के पास, सनावद, म.प्र.

प्रो. बलराम चौधरी मो. 7747940366
|| श्री गणेशाय नमः ||
प्रो. धिरज चौधरी मो. 8815537409
शिव शक्ति मशीनरी
ड्रिप, पाईप, मलचिंग, रोटोवेटर, कल्टीवेटर, एवं प्लांटर के विक्रेता
नोटः- अनुदान हेतु मान्यता प्राप्त
पता - पटेल मार्केट बैड़ियाँ

विजय छापरिया (विक्रय अधिकारी)
मोबाइल नं.
7566402935
श्री विजय छापरिया
बिक्री अधिकारी
IFFCO BAZAR
Iffco बाजार, मेन रोड़, बेड़िया
तह. सनावद जि. इंदौर 451113
Email: chhapriyavijay@gmail.com

|| जय माता दी || दिनेश चौधरी - 9754327145
मां अन्नपूर्णा इंटरप्राइजेस
खाद, बीज, कीटनाशक, दवाईयों के विक्रेता
Opp. Police Thane ke Pass, Sanawad (M.P.) - 451113, Dist. Khargone (M.P.)

शिवनारायण मालवीय श्री मो. 9770075162
RADHE ENTERPRISES
राधे एंटरप्राइजेज
चांदनीपुरा, पुनासा रोड, सनावद, जिला खरगोन (म.प्र.)
malviyashivnarayan73@gmail.com

श्री गणेशाय नमः
मो.: 99264-97237
AGRI SEARCH insecticides JU मिट्टी मुस्कुराएगी DAMMAN Penshibao Wang Pvt Ltd
अंशुल सीड्स
सभी प्रकार के उत्तम बीज, कीटनाशक के विक्रेता
बाइबली मार्केट, सनावद
ईमेल: yashwantbirla111@gmail.com

ASWAL syngenta Unisem
संजय सीड्स
कीटनाशक दवाईयाँ, खाद, बीज
एवं कृषि उपकरण के विक्रेता
उत्तम गुणवत्ता | उचित मूल्य | विश्वास हमारा | साथ किसान का विकास हमारा
559, भवानी मार्ग, सनावद-451111 जि. खरगोन (म.प्र.)
संपर्क : प्रवीण लोनकर 8889469089
Gmail : sanjayseeds1@gmail.com
उत्तम गुणवत्ता • उचित मूल्य • विश्वास हमारा

मो. 9685908333 मो. 9399958920
चौधरी कृषि उपचार केन्द्र
कीटनाशक दवाई, रासायनीक खाद उन्नत बीज के विक्रेता
पेट्रोल पम्प के सामने खरगोन रोड़, सनावद

संजय ट्रेडर्स
कीटनाशक दवाई / खाद / बीज / स्प्रे पम्प के विक्रेता
पता : चांदनीपुरा, पुनासा रोड, सनावद - 451111 जिला खरगोन (म.प्र.)
संपर्क : संजय सोलंकी 8461803729 6264667160
ई-मेल : sanjaysolanki2398@gmail.com
किसानों की सेवा में सदैव तत्पर
उत्तम गुणवत्ता | उचित मूल्य | विश्वसनीय सेवा
आपकी उन्नति, हमारी प्राथमिकता

मोहन पाटीदार 98262 15174
सुभाष पाटीदार 73547 40586
तिरुपति एग्रो एजेन्सी
पुखराज एवेन्यु, महेश्वर रोड़, बड़वाह (म. प्र.)
- डिस्ट्रीब्यूटर -
कीटनाशक दवाईयाँ, कृशि बीज एवं मशीनरी के विक्रेता
Safex RASI NUZIVEEDU SEEDS Unisem

भरत बिर्ला 99263 62027 || श्री गणेशाय नमः || मिश्रीलाल बिर्ला 98265 32383
श्री साँई कृषि सेवा केन्द्र
कीटनाशक दवाई, उन्नत बीज, स्प्रे पम्प के विक्रेता
जे.जे.एच.मार्केट (जिला सहकारी बैंक के सामने) सुलगांव रोड़, सनावद

परसराम मुछाला मो. 98263 07829
लोकेन्द्र सिनगुने मो. 99777 55715
Lokendrasingune@gmail.com
उच्चकोटि के खाद, बीज, कीटनाशक दवाईयों के विक्रेता
मे. विद्या ट्रेडर्स
मौली माता मन्दिर के सामने, बैड़िया, जि.खरगोन (म.प्र.)

दीनेश सीड्स
दीनेश बिरला
पुरानी मंडी के सामने, सनावद रोड़, बेडिया, तेह. सनावद–451116
दीनेश बिरला : 9826546383
dineshseeds.bedia@gmail.com

नजमुद्दीन एंड कंम्पनी
संपर्क : समीर अली : 7999200373
ईमेल : ali.sameermba786@gmail.com
पता : पुनासा रोड, सनावद - 451111
N & Co.

चांदमल सूरजमल
कीटनाशक दवाईयाँ, खाद, बीज
एवं कृषि उपकरण के विक्रेता
उत्तम गुणवत्ता | उचित मूल्य | विश्वास हमारा | साथ किसान का विकास हमारा
पुनासा रोड, सनावद-451111 जि. खरगोन (म.प्र.)
संपर्क : आनंद माहेश्वरी 9826299441
Gmail : anand_chokhda@gmail.com
उत्तम गुणवत्ता • उचित मूल्य • विश्वास हमारा

उत्तम उपाद, स्वस्थ फसल
श्री भगवान पटेल / कमल पटेल
कृषि उपचार केन्द्र
उन्नत खेती की ओर एक कदम
संपर्क : कमल पटेल : 9826616893
ईमेल : rukbedia945@gmail.com
पता : कृषि उपचार केंद्र, पीपलगांव चौराहा, नियर ओल्ड मंडी, बेड़िया - 451113
उत्तम गुणवत्ता | बेहतर उपज | फसल सुरक्षा | किसान की पहचान

सुरक्षित फसल • बेहतर उत्पादन • खुशहाल किसान
हर कीट पर वार, फसल तैयार
अंजली ट्रेडर्स
आपकी फसल की सुरक्षा, हमारी जिम्मेदारी
प्रभावी सुरक्षा | तेज असर | बेहतर उत्पादन | किसान का विश्वास
संपर्क : अशोक चौधरी 9826629452
ईमेल : ashokchaudhary998@gmail.com
पता : नियर माता मंदिर, ओल्ड बस स्टैंड, सनावद - 451111 जिला खरगोन (म.प्र.)
गुणवत्ता हमारी पहचान, विश्वास आपका

भारत बिड़ला मो. 99264-03205, 98263-38580
KISAN AGRO AGENCY
किसान एग्रो एजेंसी
खाद, बीज, दवाईयां व स्प्रे पम्स के विक्रेता
खरगोन रोड (I.D.B.I. बैंक के सामने) सनावद (म.प्र.)

|| श्री सिद्धिविनायक नमः ||
श्री सिद्धिविनायक एग्री बिजनेस
कृषि दवाईयाँ, खाद, बीज एवं कृषि उपकरण विक्रेता
सभी प्रकार की कीटनाशक, खरपतवारनाशक, फफूंदनाशक दवाईयाँ, उर्वरक एवं उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध है।
पता : पुनासा रोड, रेलवे क्रॉसिंग के पास, सनावद - 451111, जिला खरगोन (म.प्र.)
संपर्क : सदाशिव पटेल 9926597947
ई-मेल : shivn947@gmail.com

SML XYLON SUMITOMO TROPICAL AGRO
आदर्श कृषि सेवा केन्द्र
SML अब भारत में और दुनिया भर में नीतिपरक-भरोसेमंद कंपनी है।
Address : Adarsh KSK, Punasa Road, Sanawad
Contact : Shri Ram Krishna Gujar : 9977637870 Mayur Gurjar : 7247480868

तुषार सीड्स
कीटनाशक दवाई | खाद | बीज | स्प्रे पम्प
कृषि की उन्नति, किसान की समृद्धि
पता : opp. hero honda showroom, indore road, snawad
संपर्क : 9926867336

मे. स्वर्णिम ट्रेडिंग कं.
जनरल मर्चेन्ट एण्ड कमीशन एजेन्ट
Code : (07321) 2613130 (O) 261429
Mobile : 94250-62559
swarnimtradingcompany2017@gmail.com
स्टेशन रोड़, चन्द्रावतीगंज 453220 (जिला–इन्दौर)
Coromandel GHARDA RALLIS INDIA LIMITED

विनोद चौहान 8770600198
ईशान चौहान 9575313123
SBS
श्री बालाजी सीड्स एण्ड पेस्टीसाईड्स
कीटनाशक दवाईयों एवं कृषि बीज के विक्रेता
105, देवधर कॉम्पलेक्स, नसिया रोड, पेट्रोल पम्प के पास, इन्दौर
अधिकृत विक्रेता :
insecticides (INDIA) LIMITED
SUMITOMO CHEMICAL

अभिषेक दुबे 0731-2702545
अंकित दुबे 0731-4009545
श्री सच्चिदानंद कृषि सेवा केन्द्र
बाबू दादा बीज वालों की दुकान
बीज एवं किटनाशक दवाईयों के थोक विक्रेता
syngenta MITHAS DUPONT UPL Bayer Rajkumar's BASF ADAMA US Agriseeds Saivi seeds Taishita
श्री सच्चिदानंद कृषि सेवा केन्द्र
107, देवधर कॉम्पलेक्स, नसिया रोड, पेट्रोल पम्प के पास, इन्दौर

रविश पाठक मो. : 94151 25061
॥ श्री गणेशाय नमः ॥
शुभम पाठक मो. : 99075 06735
न्यू गायत्री कृषि सेवा केन्द्र
हमारे यहाँ खरपतवार नाशक, कीटनाशक, खाद, बीज, पाईप सबमर्सिबल पम्प व सभी प्रकार की कृषि सामग्री उपलब्ध है।
सनावदा रोड़, बेटमा, जिला–इन्दौर (म.प्र.) 07322–260755
-: अधिकृत विक्रेता :-
syngenta BASF The Chemical Company BAYER FMC SML insecticides

श्री शिव एग्रो एजेंसी
Shreeram SUMITOMO ELECTRIC Coromandel
कीटनाशक दवाईयाँ एवं खाद, बीज के विक्रेता
प्रो. रवि पटेल 9630193123, 9754255421
महाँकाल गार्डन, सांवेर चन्द्रावती गंज रोड़, शिवपुरा खेड़ा, तह. सांवेर, जिला–इन्दौर (म.प्र.)

श्री सिद्धिविनायक कृषि सेवा केन्द्र
सभी प्रकार की कीटनाशक, खरपतवार नाशक, कृषि दवाई एवं खाद के विश्वसनीय विक्रेता
विल. बरलिया चौराहा, सांवेर – चन्द्रावतीगंज रोड तह. सांवेर – 453551, जिला इंदौर (म.प्र.)
विशाल दुबे मो.: 8225978021
vishaldubey151999@gmail.com

कृष्णगोपाल लड्डा ॥ राम ॥ चिराग लड्डा 7000710935
श्री जी इन्टरप्राईजेस
उच्च कोटी के खाद बीज एवं कृषि दवाईयों के विक्रेता
रामस्नेही शॉपिंग कॉम्पलेक्स, गाँधी चौक, चन्द्रावतीगंज तह. साँवर, जि. इन्दौर फोन : 7000710935

जितेन्द्र चौधरी 9977508941
सुभाष चौधरी (पोटलोद वाले) 7697010122
गोकुल 8817969995
ZAAPCON
जैपकॉन
श्री सांवरिया ट्रेडर्स
मेनरोड, चन्द्रावतीगंज तह. सांवेर, जिला इन्दौर (म.प्र.)
SUPER FORD INDOFIL KRISHAN RACCOLTO
केबल्स | वायर्स | पाईप्स | पम्प्स | पैनल | स्टार्टर्स
INDUSTRIAL | COMMERCIAL | AGRICULTURE | RESIDENTIAL

शिवम एग्रो एजेंसी
कृषि की उन्नति, किसान की समृद्धि
पता : Opp. UCO Bank, chandravati ganj - 453551.
संपर्क : Kedar Patel / Kapil Patel : 9826051424, 9406618918

॥ ॐ ॥
शिव ओम ट्रेडर्स
PPL
किटनाशक दवाईयाँ एवं उन्नत किस्म के बीज के विक्रेता
HERANBA ichiban SML
उज्जैन रोड़, पुराना बायपास, सांवेर, जिला-इंदौर (M.P.)
जितेन्द्र पटेल 9893181807 7974852277
गौतम पटेल 7748006487
Gmail : gautampatel277203@gmail.com

किसान का भरोसा, हमारी प्रतिबद्धता
पटीदार एग्रो एजेंसी
सभी प्रकार के कृषि बीज व कीटनाशक दवाइयों के विक्रेता
पता : साईं चौराहा, मेघनगर - 457779 जिला झाबुआ (म.प्र.)
संपर्क : भूपेन्द्र पाटीदार 8085015795
ई-मेल : bhupp56@gmail.com
अच्छी फसल, बेहतर कल

श्री करनी कृषी सेवा केंद्र
श्री कुंदन सिंह - 7697267246
kundanthakur1523@gmail.com
शॉप नं. 06, जनपद पंचायत के सामने सांवेर–453551 जिला इन्दौर (म.प्र.)

महावीर एंटरप्राइजेस
विक्रेता :
रसायनिक खाद | कृषि दवाईयां | बीज | पशु आहार | एवं बर्दान
श्री कलका माता मंदिर के सामने कानवन (जिला धार) म.प्र.
संपर्क : दिनेश जैन 7898451008 हस्तिमल जैन 9425935910

॥ ॐ ॥
श्री ओम ट्रेडर्स
PPL
सभी प्रकार की उच्चकोटी की किटनाशक दवाईयां, रसायनिक खाद, उन्नत बीज एवं खाद बीज के मिलने का विश्वसनीय स्थान
HERANBA ichiban SML
बस स्टैंड कानवन, जिला धार (M.P.)
धर्मेन्द्र सिंह 9926874243
अजय सिंह राठौड़ 9179097872

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
न्यु जादव एग्रो एजेन्सी
प्रो. कु. भंवरसिंह जादव (सकलवती वाले)
मो. 9926653509
विक्रेता :
रसायनिक खाद | कृषि दवाईयां | बीज | पशु आहार | एवं बर्दान
बस स्टैण्ड, कानवन, जिला धार (म.प्र.)

॥ ॐ साईराम ॥
प्रो. : अनिल सोलंकी मो. : 99931 28002
कृषि सलाहकार
युवराज कृषि सेवा केन्द्र
सिड्स, पेस्टीसाईड, WS फर्टिलाईजर
सेन्चुरी फेक्ट्री के सामने, ए.बी. रोड, मगरखेड़ी (जिला–खरगोन)
email : anilsolanki@gmail.com
अधिकृत विक्रेता :
NAGARJUNA ADAMA IPL INDIA PESTICIDES LIMITED PARIJAT DHARMAJ CROP GUARD LIMITED SIDDHI aires nuso

Rajmal Jain
+91-9981623599
SAGARMAL FAKIRCHAND
Distributors of all kinds of Fertilizers & Seeds
621, Mahaveer Colony, Main Road, Near Chopati, Kanwan - 454665 Distt. Dhar (M.P.) E: sf.kanwan1969@gmail.com
NFL HINDALCO advantz DIVYA SEEDS COMPANY RATHI SEEDS DCM SHRIRAM

सॉवरिया किसान बाजार
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जगदीश नायमा 8839874882
सांवरिया किसान बाजार ताल
sawariyaagritech@gmail.com
www.sawariyaagritech.com
श्री साँवलिया सेठ मार्किट, मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के पास, आलोट नाका, ताल, जिला- रतलाम (म.प्र.) 457114
Sawariya Agritech Private Limited, Khachrod, (Ujjain), 7648862471

पैरों से लिखकर 12वी परीक्षा में आई प्रथम

मंडला। मंडला कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने पैरों से लिखकर 12वीं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण द्रौपदी के घर पहुँचकर गरीबी आड़े नहीं आने देने का आश्वासन दिया। मंडला जिले के ग्राम करीवा टोला (भीमडोंगरी) की दिव्यांग छात्रा द्रौपदी धुर्वे ने बताया दिया कि जहाँ हौसले बुलंद हो वहाँ शारीरिक अक्षमता भी सफलता की राह नहीं रोक सकती। द्रौपदी ने अपने पैरों से लिखकर कक्षा 12वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। द्रौपदी की इस असाधारण उपलब्धि से प्रभावित होकर कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे उसके घर पहुँचे। कलेक्टर ने द्रौपदी को आगे भी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन उच्च शिक्षा और करियर निर्माण में सहयोग करेगा। आर्थिक या अन्य किसी भी कारण से पढ़ाई प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। कलेक्टर राहुल धोटे ने बताया कि द्रौपदी के पिता को मुर्गी पालन जैसे स्वरोजगार से जुड़ने की सलाह दी गई है जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। पिता का राशन कार्ड बनेगा और आवास सुविधा भी मिलेगी। द्रौपदी का परिवार शासन की किसी भी कल्याणकारी योजना से वंचित नहीं रहेगा।

डीएसपी के प्रयासों से 5 मिनट में आए 36 हजार रु.

पन्ना। सोशल मीडिया में तीन लाख फॉलोअर्स वाले डीएसपी संतोष पटेल ने पन्ना में 12वीं में 91 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण अनामिका के लिए झोली फैला दी तो 5 मिनट में 36 हजार रुपये इकट्ठा हो गए। महुआ बीनकर 91: अंक लाई पत्रा के देवगाँव की अनामिका पटेल ने महुआ बीन–बीन कर पैसे जुटाए और 12वीं में 91: अंक हासिल किये। अनामिका के बारे में गाँव में प्रतिभाओं के लिए सम्मान समारोह में पता चला। वहाँ लक्ष्य शिक्षा फाउंडेशन के संरक्षक आईआरएस अमरपाल सिंह लोधी और डीएसपी संतोष पटेल से अनामिका ने पुरस्कार लेते हुए बताया कि एमपीपीएससी का एक्जाम देकर अफसर बनने की इच्छा है लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। तभी डीएसपी संतोष पटेल ने तौलिया लेकर झोली फैलाई तो 36 हजार रुपये का सहयोग दो साल के लिए मिल गया। लक्ष्य से किताबें भी फ्री मिलेंगी।

सीए फाइनल मई 2026

आशुतोष ने ऑल इंडिया रैंक-16 प्राप्त कर पूरे देश में बढ़ाया कोटा का मान

सीमा सन्देश संवाददाता

कोटा। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा गुरुवार को घोषित सीए फाइनल मई 2026 परीक्षा परिणाम में कोटा शहर ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। कोटा के आशुतोष मित्तल ने इस परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर AIR-16 (ऑल इंडिया रैंक 16) के साथ कोटा सिटी टॉपर बन कर न केवल कोटा सीए ब्रांच बल्कि पूरे शहर का नाम गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि कोटा के लिए अत्यंत सम्मानजनक एवं प्रेरणादायक मानी जा रही है। कोटा सीए ब्रांच के चेयरमैन सीए अतिशय जैन ने बताया कि इस परीक्षा में कोटा शहर से कुल 300 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इनमें से 108 विद्यार्थियों ने केवल ग्रुप.1 में परीक्षा दीए जबकि 94 विद्यार्थियों ने केवल ग्रुप.2 में परीक्षा दी। दोनों ग्रुप में सम्मिलित 98 विद्यार्थियों में से 11 विद्यार्थियों ने दोनों ग्रुप एक साथ उत्तीर्ण कर चार्टर्ड अकाउंटेंट ;सीएद्ध के रूप में क्वालिफाई किया।

सोना-उगले मिट्टी अब फेसबुक पर भी
sonauglemittimagzine@gmail.com

'भारत की अध्यक्षता में 'ब्रिक्स इंदौर डिक्लेरेशन', वैश्विक कृषि सहयोग का नया घोषणापत्रः केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी'

'कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में जारी हुआ ब्रिक्स देशों का ऐतिहासिक कृषि घोषणा–पत्र' अपने ओजस्वी कम्बोधन में कहा तकि मै स्वय किसान होकर किसान का दर्द जानता हू। सभी देशो के आपसी समझौते में जो तय हुआ है, जनता के सामने रख रहा हूँ।

'किसान केंद्र में, दुनिया साथ में:

'इंदौर से दुनिया को संदेशः लैब से खेत तक नवाचार, हर छोटे किसान तक पहुंचेगा लाभ, 'प्राकृतिक खेती से डिजिटल एग्रीकल्चर तक, चार नए वैश्विक नेटवर्क पर सहमत ब्रिक्स देश

'छोटे किसान, महिलाएं और युवाओं पर फोकस, इंदौर बैठक में बना व्यापक रोडमैप 'खाद्य सुरक्षा, जलवायु संकट और कृषि व्यापार पर ब्रिक्स देशों की साझा प्रतिबद्धता 'देशी बीजों की सुरक्षा से कार्बन क्रेडिट तक, इंदौर में तय हुई नई वैश्विक दिशा 'महंगी खाद के बीच भी किसानों को सस्ती उर्वरक, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा बोझ केंद्र सरकार उठा रही। 'इंदौर, भोपाल, नई दिल्ली, 13 जून 2026,' इंदौर में आयोजित ब्रिक्स (BRICS) देशों की कृषि मंत्रिस्तरीय और अधिकारी स्तरीय बैठकों का समापन आज एक सर्वसम्मत 'इंदौर डिक्लेरेशन' के साथ हुआ, जिसमें खाद्य सुरक्षा, किसान कल्याण, जलवायु–सहनीय खेती, कृषि व्यापार और डिजिटल एग्रीकल्चर को नई दिशा देने वाले कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वैश्विक संकट और अनिश्चितताओं के बीच ब्रिक्स देशों की यह बैठक पूरी दुनिया के लिए आशा, विश्वास और सामूहिक जिम्मेदारी का सशक्त संदेश लेकर आई है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने सहयोगी मंत्रियों श्री रामनाथ ठाकुर और श्री भागीरथ चौधरी तथा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में मीडिया से चर्चा में कहा कि कृषि समूह की मंत्री स्तरीय तथा उससे पहले अधिकारी स्तरीय, दोनों बैठकें सानंद, सार्थक और सफलतापूर्वक संपन्न हुई हैं। उन्होंने बताया कि सदस्य और सहयोगी देशों के लगभग 60 विदेशी प्रतिनिधियों सहित कुल लगभग 100 प्रतिनिधियों ने इस बैठक में भाग लिया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कृषि और खाद्य सुरक्षा के प्रश्न पर ब्रिक्स देशों के बीच कितना गहरा जुड़ाव और गंभीरता है।

आपने कहा कि ब्रिक्स देश दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, इनके पास वैश्विक कृषि भूमि का करीब 42 प्रतिशत हिस्सा है और विश्व के खाद्यान्न उत्पादन में भी लगभग 42 प्रतिशत योगदान इन्हीं देशों का है, इसलिए इनकी सामूहिक आवाज वैश्विक मंच पर एक प्रभावी शक्ति के रूप में उभरी है।

उन्होंने इस बात पर भी गर्व व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस बार ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है और ब्रिक्स के कृषि समूह की दोनों बैठकें– अधिकारी स्तर और मंत्री स्तर, इसी परिप्रेक्ष्य में इंदौर में संपन्न हुई हैं। जिसमें 60 विदेशी व 100 भारतीय प्रतिनिधियो ने भाग लिया

'चार मुख्य प्राथमिकताएंः किसान, खाद्य सुरक्षा पौष्टिक आहार और जलवायु'

ब्रिक्स देशों के बीच कृषि व्यापार और सहयोग को बढ़ावा, जलवायु परिवर्तन की चुनौती के बीच रीजेनेरेटिव फार्मिंग, जलवायु अनुकूल और सतत कृषि पद्धतियाँ, खाद्य प्रणालियों और कृषि क्षेत्र में नवाचार, तकनीक और साझेदारी को मजबूत करना। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि भरपूर अनाज उपलब्ध हो, साथ ही पोषणयुक्त भोजन भी सभी तक पहुंचे और जो अन्नदाता किसान दुनिया को भोजन देता है, उसकी आजीविका सुरक्षित और बेहतर हो, इन्हीं सवालों को बैठक की सोच के केंद्र में रखा गया।

श्री चौहान ने कहा कि छोटे और सीमांत किसान, जिन्हें कई देशों में फैमिली फार्मर्स भी कहा जाता है, उन पर विशेष फोकस रखते हुए एक अलग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उनकी कठिनाइयों, इनपुट्स की उपलब्धता, ऋण प्रवाह, उचित कीमत और बाजार से जुड़ाव पर विस्तार से चर्चा हुई।

''इंदौर डिक्लेरेशन': किसान–केंद्रित वैश्विक घोषणापत्र'

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बताया कि व्यापक विचार–विमर्श के बाद जो संयुक्त घोषणा पत्र तैयार हुआ, उसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया और इंदौर में अपनाए जाने के कारण इसे 'इंदौर डिक्लेरेशन' के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि इस घोषणा पत्र का केंद्र किसान है– किसान को केंद्र में रखकर खाद्य सुरक्षा, पोषण, आजीविका, कृषि व्यापार, नवाचार, निवेश, क्लाइमेट रेजिलिएंट खेती और सतत कृषि विकास को आगे बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता इस डिक्लेरेशन में दर्ज की गई है।

'चार नई संस्थागत पहलें: नेटवर्क और फोरम'

'1. सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस ऑन एग्रो–इकोलॉजी एंड रीजेनेरेटिव एग्रीकल्चर' शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि पहली बड़ी पहल BRICS Network of Centres of Excellence on Agro-Ecology and Regenerative Agriculture की स्थापना है। उन्होंने कहा कि यह नेटवर्क प्राकृतिक, जैविक और पुनर्योजी कृषि पद्धतियों पर संयुक्त रिसर्च, अनुभव–साझेदारी और क्षमता निर्माण का प्लेटफॉर्म बनेगा, जिसके माध्यम से सदस्य देश एक–दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं से सीख सकेंगे और जलवायु अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि प्रणालियों को बढ़ावा दे सकेंगे।

उन्होंने जिसमें प्राकृतिक खेती को महत्व दिया गया है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने जानकारी दी कि भारत में इस नेटवर्क के अंतर्गत प्राकृतिक खेती से जुड़े सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम (Indian Institute of Farming Systems Research) को महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है, जो संयुक्त रिसर्च, नॉलेज शेयरिंग और ट्रेनिंग में अहम योगदान देगा। दूसरी प्रमुख पहल BRICS Network on Digital Agriculture की स्थापना है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भू–स्थानिक तकनीक, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा आधारित कृषि समाधानों के क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देगा। श्री चौहान ने कहा कि यह नेटवर्क आधुनिक प्रौद्योगिकी और कृषि नवाचार के बीच एक सशक्त सेतु का काम

करेगा, जिससे विकसित हो रही तकनीकों को अधिक मजबूत बनाकर सीधे किसानों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस नेटवर्क का समन्वय भारत में IIT, दिल्ली द्वारा किया जाएगा।

3. Global Forum on Farmers 'Rights in Seed Systems'

तीसरी महत्वपूर्ण घोषणा Global Forum on Farmers' Rights in Seed Systems की स्थापना से जुड़ी है, जिसका उद्देश्य किसानों के बीज संबंधी अधिकारों, देशी बीजों की विविधता और पारंपरिक ज्ञान की रक्षा करना है। श्री चौहान ने कहा कि भारत जैसे देशों में सैकड़ों हजारों वर्षों से खेती होती आई है और कई परंपरागत बीज, जो हमारी जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं, आज अस्तित्व संकट का सामना कर रहे हैंय नई किस्में और हाइब्रिड बीज जरूरी हैं, लेकिन उनके साथदृसाथ देसी बीजों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है।

'4. BRICS Agri N – Agro Input, Genetic Resources and Information Network: चौथी बड़ी पहल BRICS Agri N (Agro Inputs] Genetic Resources and Information Network) की स्थापना है, जो सदस्य देशों के बीच कृषि आदानों, बीजों और अनुवांशिक संसाधनों के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करेगा। 'पहले से चल रही पहलों को मजबूती और व्यापार पर फोकस' BRICS Agricultural Research Platform को और सुदृढ़ करते हुए एक सशक्त 'Knowledge to Action Hub' के रूप में विकसित करने पर सहमति बनी है, ताकि अनुसंधान केवल लैब तक सीमित न रहे, बल्कि तेजी से

किसानों के खेत तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि नवाचारों का सीमित दायरे से बाहर निकलकर व्यापक प्रसार हो, अधिक से अधिक देशों और किसानों तक नई तकनीक व समाधान पहुंचें, यही इस हब का प्रमुख लक्ष्य होगा और यही असली 'स्इ जव स्दक' मॉडल है।

BRICS Grain Exchange जैसी पहल पर विचार–विमर्श को नई गति दी गई।

'जलवायु परिवर्तन, एल–नीनो, कार्बन क्रेडिट और फूड लॉस' शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब दुनिया जलवायु परिवर्तन के खतरों से जूझ रही है, ऐसे समय में रीजेनेरेटिव फार्मिंग, जलवायु अनुकूल और सतत कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना साझा जिम्मेदारी है, क्योंकि धरती केवल आज की पीढ़ी के लिए नहीं, आने वाली पीढ़ियों के लिए भी है।

अल–नीनो के संभावित प्रभावों पर प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि इसका असर भारत सहित एशिया–प्रशांत के कई देशों पर पड़ सकता है, लेकिन देश अपनी पूरी तैयारियां कर रहे हैं और ब्रिक्स देशों के बीच सूचनाओं के आदानदृप्रदान और सहयोग के माध्यम से इन चुनौतियों का सामना करने की रणनीति पर भी चर्चा हुई है।

अनाज इण्डिया के अध्यक्ष श्री गजानन शिरोलकर के कार्बन क्रेडिट समास्या पर श्री चौहान बोले कि कार्बन क्रेडिट के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इसका एक स्थापित सिस्टम है और जो किसान निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कार्बन क्रेडिट हासिल करते हैं, उन्हें लाभ मिलता हैय जलवायु अनुकूल खेती, कार्बन–संवेदनशील नीतियां और रीजेनेरेटिव एग्रीकल्चर इस दिशा में व्यावहारिक रास्ते हैं।

फूड लॉस पर तकनीकी चर्चाओं का उल्लेख करते हुए श्री चौहान ने कहा कि कटाई से लेकर बाजार तक जो खाद्य हानि होती है, उसे कैसे कम किया जाए और जो खाद्यान्न बचकर वेस्ट के रूप में कार्बन गैसों का उत्सर्जन बढ़ाता है, उसे कैसे रोका जाए वैश्विक संकट, युद्ध और कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण उर्वरकों की लागत बढ़ने और किसानों पर पड़ने वाले असर के सवाल पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने स्पष्ट कहा कि भारत सरकार ने यह निर्णय लिया है कि किसानों को सस्ती दर पर ही खाद मिलती रहेगी। उन्होंने कहा कि यूरिया की बोरी 266 रुपये और DAP की बोरी 1350 रुपये की दर से ही उपलब्ध कराई जाती रहेगी। भारत प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और रसायनों के संतुलित उपयोग पर मिशन मोड में काम कर रहा है, 'खेत बचाओ' जैसे अभियानों के जरिए जागरूकता बढ़ा रहा है। सोना उगले–मिट्टी के प्रधान सम्पादक श्री देवराज चौधरी के प्रश्नो के उत्तर में श्री शिवराज ने कहा कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और छोटे किसानों तक आधुनिक तकनीक पहुंचाने पर उन्होंने कहा कि हर किसान महंगी मशीनरी नहीं खरीद सकता, इसलिए देश भर में Custom Hiring Centres और समूह आधारित मॉडल के माध्यम से मशीनरी किराये पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे छोटे किसान भी ड्रोन, आधुनिक औजार और अन्य उपकरणों का लाभ ले सकें। Market Linkage की समझाइश भी दी जा रही है ताकि बिचौलियो को दूर कर फायदा सीधे किसान को मिले।

'युवा, महिलाएं और नवाचारः भविष्य की दिशा'

युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़े बिना कृषि क्षेत्र में दीर्घकालिक बदलाव

संभव नहीं, इसलिए बैठक में इस पर विशेष चर्चा की गई और संयुक्त घोषणा में भी इसे स्पष्ट रूप से दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि भारत में agri-startups, agri-business, agri-preneurship और टेक्नोलॉजी आधारित सेवाओं के माध्यम से युवा तेजी से कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित हो रहे हैं, कई हजार स्टार्टअप सक्रिय हैं और त्वरित सफलता के उदाहरण भी सामने आ रहे हैं।

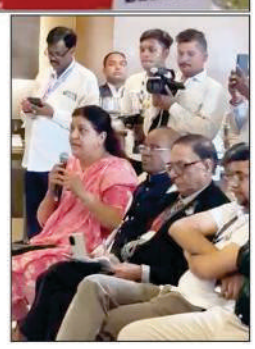

'इंदौरः वैश्विक कृषि कूटनीति का नया मंच': इंदौर की मेजबानी की विशेष प्रशंसा करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मालवा की परंपरा के अनुरूप यहां जिस आत्मीय आतिथ्य और सत्कार से प्रतिनिधियों का स्वागत हुआ, उससे सभी 'गद्गद और प्रसन्न' हैय 56 दुकान, राजवाड़ा और मांडू की सैर उनके मन में लंबे समय तक स्मृति के रूप में अंकित रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' आह्वान को आगे बढ़ाते हुए मेघदूत गार्डन में सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने वृक्षारोपण कर 'ब्रिक्स वाटिका' (वृक्षारोपण स्थल) की स्थापना की, इससे पहले यहां ग्लोबल पार्क और यूरो रशियन पार्क भी स्थापित हो चुके हैं। चौहान ने मध्य प्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री और उनकी टीम, साथ ही भारत सरकार के कृषि विदेश, पशुपालन व मत्स्य, वाणिज्य, फूड प्रोसेसिंग, नीति आयोग सहित सभी विभागों के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आयोजन 'Whole of Government Approach* और 'Team India* की सफलता का जीवंत उदाहरण है, जिसने ब्रिक्स देशों की इंदौर बैठक को अभूतपूर्व और ऐतिहासिक बना दिया। श्री चौहान ने **सोना–उगले मिट्टी के श्री देवराज चौधरी** के निवेदन पर यह आश्वासन दिया कि भविष्य में कृषि मंत्रियो व अधिकारियो के कृषि संबंधित Study Tour में कृषि प्रकाशन के सीनियर लोगो को भी शामिल किया जायेगा जिसका लाभ वे अपने कृषि पत्र/पत्रिका के माध्यम से किसानो तक पहुँचाये। **अनाज इंडिया के अध्यक्ष श्री गजान्नद गिरोलकर** व **कंसल्टेंट नरेश मूंदरे** भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

बिक्रस में **Russia, South Africa, UAE, Nigeria, Iran, China, Brazil, Europia, Indonesia, EGPT, Vietnam, Uganda, Belarus, Cuba, Uzbekistan,** देशों ने भाग लिया, भारत की ओर से **Top Ministers & Officers, ICAR, Niti Ayog, Agriculture Ministry, Fisheries, Animal Husbandry, PIB, Media Advisors, Daily News Papers, Agri Publications & News Channels (Electronic Media).**

अपेक्स बैंक प्रशासक श्री यादव ने सहकारी बैंकों की बैठक ली

ग्वालियर (ऋषक मत सहकारी बैंकों व संस्थाओं को अधिक सक्रिय, जवाबदेह एवं किसान हितैषी बनाएं साथ ही सभी अधिकारी विभागीय समन्वय बनाकर निर्धारित लक्ष्यों की समय पर पूर्ति सुनिश्चित करें। इस आशय के निर्देश अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव ने ग्वालियर व चंबल संभाग के सभी जिलों के सहकारी बैंकों के अधिकारियों की बैठक में दिए। विगत दिनों जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री यादव ने सहकारी संस्थाओं को किसानोपयोगी बनाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सदस्यता महाअभियान को और प्रभावी बनाएं।बैठक में अपैक्स बैंक भोपाल से आए वरिष्ठ अधिकारी श्री राजकुमार गंगेले एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक ग्वालियर के सीईओ श्री हिमांशु खाड़े सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के सहकारी बैंकों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में अपैक्स बैंक भोपाल से आए वरिष्ठ अधिकारी श्री राजकुमार गंगेले एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक ग्वालियर के सीईओ श्री हिमांशु खाड़े सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के सहकारी बैंकों के अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की सहकारिता विभाग की गतिविधियों की समीक्षा

पैक्स सदस्यता अभियान 30 जून तक

अगले 3 साल में सभी कमजोर जिला सहकारी बैंक होंगे सुदृढ़

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) में नवीन सदस्य बनने के लिए सदस्यता अभियान 30 जून तक चलाएं। गत 14 अप्रैल से शुरू सदस्यता अभियान के जरिए पैक्स में 10 लाख नवीन सदस्य जोड़ें। उन्होंने कहा कि वर्ष में सवा लाख नए केसीसी स्वीकृति का लक्ष्य रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में सहकारिता विभाग की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के सुदृढ़ीकरण की सराहना करते हुए कहा है कि अगले 3 साल में सभी कमजोर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक का सुदृढ़ीकरण किया जाए।

एलआईसी के दो नए सेविंग प्लान लांच

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने दो नए जॉइंट लाइफ इंश्योरेंस सेविंग्स प्लान पेश किए हैं। इनके नाम न्यू जीवन साथी सिंगल प्रीमियम और न्यू जीवन साथी लिमिटेड प्रीमियम हैं। ये प्लान खासतौर से उन पति–पत्नी के लिए हैं जो एक ही पॉलिसी में फाइनेंशियल प्रोटेक्शन और लॉन्ग टर्म सेविंग्स की तलाश में हैं। ये पॉलिसी नॉन–पार और नॉन–लिंक्ड प्लान हैं। दोनों ही योजनाओं में पॉलिसी के बदले लोन लेकर लिक्विडिटी या नकदी की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है। ग्राहक अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करके पॉलिसी में अतिरिक्त राइडर्स जोड़कर अपनासु रक्षा कवच बढ़ा सकते हैं। न्यू जीवन साथी प्रीमियम प्लार्गे उन लोगों के लिए है जो एक तय समय सीमा तक ही प्रीमियम का भुगतान करना चाहते हैं। इस प्लान की खासियत यह है कि प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान अगर पति या पत्नी में से किसी एक की भी मृत्यु हो जाती है, तो आगे के सारे प्रीमियम माफ कर दिए जाते हैं और पॉलिसी बिना किसी बाधा के चलती रहती है। पॉलिसी अवधि के दौरान भुगतान किए गए कुल वार्षिक प्रीमियम का 7 प्रतिशत सालाना गारंटीड एडिशन के रूप में जुड़ेगा। इसमें भी मृत्यु लाभ के लिए दो विकल्प मिलते हैं। पहले ऑप्शन के तहत सालाना प्रीमियम का 7 गुना या बेसिक सम एश्योर्ड (जो भी अधिक हो)। दूसरा विकल्प है कुल सिंगल प्रीमियम का 10 गुना। सिंगल प्रीमियम में आपको बार–बार प्रीमियम देने का झंझट नहीं होता, सिर्फ एक बार प्रीमियम का भुगतान करना पड़ता है। एक ही पॉलिसी के तहत पति और पत्नी दोनों को जीवन बीमा कवर मिलता है।

छादागिरी खत्म : बंगाल में भाजपा 200 पार, तामिलनाडू में सुपरस्टार विजय को 107 सीटें

"छा गए बाबूमोशाय"

ममता बेनर्जी 15 साल बाद सत्ता गई, सुवेंदु ने दीदी को 15,105 वोट से हराया अगला सीमए कौन। सुवेंदु अधिकारी समिक भट्टाचार्य दौड़ में, महिला भी संभव

पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी के विधानसभा चुनाव के नतीजे भारतीय राजनीति के इतिहास में बड़े 'पावर शिफ्ट' के तौर पर दर्ज हो गए। सबसे बड़ा ' उलटफेर बंगाल में हुआ, जहां भाजपा ने 15 साल से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी को करारी शिकस्त दी। भाजपा 206 सीटें जीतकर श्सोनार बांग्लाश में पहली सरकार बनाने जा रही है। टीएमसी 81 सीटों पर सिमट गई। भवानीपुर सीट पर सुर्वेद अधिकारी ने मर्मता को 15, 105 वोटों से हरा दिया। सुवेंदु दोनों सीटों से जीत गए हैं। सबसे चौंकाने वाले नतीजे तमिलनाडु के रहे। जहां अभिनेता से नेता बने विजय की. पार्टी टीवीके ने 234 सीटों में 107 पर जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। असम में भाजपा ष्ने भारी बहमत से जीत की हैट्रिक लगाई। पुदुचेरी में भी एनडीए ने लगातार दूसरी बार सत्ता काबिज रखी। विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को एकमात्र अच्छी खबर केरल से मिली। यहां दस साल बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की सत्ता में वापसी हुई।

जीकॉम इंडिया: किसानों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए डिजिटल सॉल्यूशन का नया साथी

ग्रामीण भारत में डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यरत जीकॉम इंडिया किसानों, एफपीओ (FPO), स्वयं सहायता समूहों (SHG) और ग्रामीण उद्यमियों के लिए सरल, किफायती और उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल सॉल्यूशन उपलब्ध करा रही है। संस्था के संस्थापक योगेश साहू के अनुसार, जीकॉम इंडिया का मुख्य उद्देश्य किसानों को बेहतर बाजार अवसरों से जोड़ना और उनकी व्यावसायिक प्रक्रियाओं को डिजिटल माध्यम से आसान बनाना है।संस्था दो प्रमुख क्षेत्रों में कार्य कर रही है। पहला, किसानों एवं किसान संगठनों को मार्केट लिंकेज समाधान प्रदान कर उनके उत्पादों और फसलों को नए खरीदारों तक पहुंचाने में सहायता करना। दूसरा, रिटेल ऑर्डरिंग, मार्केटिंग, एफपीओ प्रबंधन, रिकॉर्ड मैनेजमेंट तथा डिमांड-फुलफिलमेंट एवं सप्लाई-कॉन्सोलिडेशन जैसे डिजिटल सॉल्यूशन उपलब्ध कराना।जीकॉम इंडिया की विशेषता यह है कि इसके सभी सॉल्यूशन व्हाट्सप्प (WhatsApp) और क्यू आर (QR) कोड आधारित हैं, जिससे कम तकनीकी जानकारी रखने वाले किसान भी इन्हें आसानी से उपयोग कर सकते हैं। संस्था का दावा है कि उसके समाधान पारंपरिक विकल्पों की तुलना में तेज, कम लागत वाले और जमीनी जरूरतों पर आधारित हैं अतः आप कम पैसे में, कम समय में और कम मेहनत में हज़ारो खरीदारों तक पहुंच सकते हैं। वर्तमान में जीकॉम इंडिया विभिन्न राज्यों में किसानों और ग्रामीण संगठनों के साथ मिलकर डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रही है।

विपणन वर्ष 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विपणन सत्र 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि के लिए आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित में लगातार निर्णय लिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि को स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस निर्णय से अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार ने किसानों के हित संवर्धन के लिए ठोस कदम उठाए हैं। मध्यप्रदेश के किसान इन सभी प्रावधानों का लाभ प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में वर्ष 2026 में किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत अनेक गतिविधियों आयोजित की जा रही हैं। प्रत्येक माह किसानों के कल्याण के लिए उन्नत यंत्रों की प्रदर्शनियां, किसान हितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ ही किसानों को नई कृषि तकनीक के प्रशिक्षण का लाभ दिलवाया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा फसलों के न्यूनत समर्थन मूल्य में वृद्धि किए जाने से मध्यप्रदेश और देश के किसान प्रत्यक्ष तौर पर लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री की किसान हितैषी नीति से चौरई के 64 किसानों को मिलेंगे लगभग एक करोड़ रुपये

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की किसान हितैषी नीतियों और मंडी बोर्ड की सक्रियता का परिणाम है कि कृषि उपज मंडी समिति चौरई की अपील पर माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा 64 कृषकों को उनके द्वारा विक्रय की गई उपज की राशि 96 लाख 51 हजार 500 रुपये के भुगतान करने के आदेश प्रसारित हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश में किसान के साथ अन्याय किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कृषि उपज मंडी समिति चौरई में पंजीकृत अनुज्ञप्तिधारी फर्म ज्ञाताश्री ट्रेडर्स, चौरई के द्वारा कृषकों से खरीदी गई अधिसूचित कृषि उपज का भुगतान नहीं करने पर मंडी समिति ने त्वरित कार्रवाई की। न्यायालय तहसीलदार, चौरई द्वारा फर्म से वसूली के लिए आर.आर.सी. जारी कर 96,51,500 रुपये (छियानबे लाख इक्यावन हजार पांच सौ रुपये) की वसूली की गई और राशि मंडी समिति के खाते में जमा कराई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर म.प्र. राज्य कृषि विपणन बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री कुमार पुरुषोत्तम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए सिविल कोर्ट/जिला कोर्ट से अनुमति नहीं मिलने पर मंडी समिति की ओर से उच्च न्यायालय जबलपुर में अधिवक्ता के माध्यम से याचिका दायर की गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर में 45वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर में बुधवार को 45वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक प्रशिक्षण कक्ष में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से संपन्न हुई। इसमें कृषि विभाग, कृषि अभियांत्रिकी, कृभको, इफको, एम.पी. एग्रो, आत्मा, स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों एवं प्रगतिशील किसानों सहित 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। साथ ही मुरैना, दतिया, शिवपुरी और लहार के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं वैज्ञानिक भी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह ने अतिथियों का स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. वाय.पी. सिंह, निदेशक विस्तार सेवाएं एवं सह अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय ग्वालियर ने की। मुख्य अतिथि के प्रतिनिधि के रूप में अटारी जोन-9 जबलपुर से डॉ. रजनीश श्रीवास्तव ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से सहायक संचालक श्री भानु प्रताप शर्मा उपस्थित रहे। कृभको ग्वालियर के प्रतिनिधि श्री अभिषेक मोदी ने प्रक्षेत्र परीक्षणों में माइकोराजा एवं जैव उर्वरकों पर अध्ययन शामिल करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि बाजपेयी ने किया। अंत में डॉ. राजीव सिंह चौहान ने आभार व्यक्त किया।

तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक किया गया

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 7 लाख 48 हजार किसानों से 39 लाख 2 हजार मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने बताया है की तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि अभी तक 14 लाख 75 हजार किसानों द्वारा गेहूँ उपार्जन के लिए स्लॉट बुक कराए गए हैं। किसानों के हित में गेहूँ उपार्जन की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 तक की गई। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई। खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटा स्लॉट बुकिंग एवं उपार्जन की मॉनिटरिंग की जा रही है।

चंबल नदी से अवैध उत्खनन पर सुप्रीम कोर्ट की फअकार भी बेअसर मुरैना में राजघाट पर सख्ती

मुरैना. सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद प्रशासन का फोकस चंबल नदी के राजघाट तक सीमित नजर आ रहा है। जिले के अन्य घाटों पर अवैध रेत उत्खनन और परिवहन बेखौफ जारी है। रेत नष्ट करने के नाम पर प्रशासन कागजी दावे कर रहा है। जमीनी हकीकत उलट है। राजघाट पर रेत माफिया ने पहले ही बड़े पैमाने पर उत्खनन कर लिया है। अब गड्ढे बचे हैं। यह जेसीबी और लोडर से भरे जा रहे हैं। इन्हीं गतिविधियों के फोटो के आधार पर हजारों ट्रॉलियां रेत नष्ट करने के दावे किए जा रहे । वन विभाग का तरीका कीलों वाली प्लेट से वाहन करेगा पंक्चर. नेशनल हाईवे 44 पर रेत माफिया पर लगाम कसते हुए वन विभाग और एएसएफ ने कार्रवाई का नया तरीका अपनाया है। हाईवे पर कील वाली प्लेट फेंककर ट्रैक्टर–ट्रॉली को पकड़ा। कार्रवाई वन डिपो के सामने की गई।

पंजाब इंजीनियरिंग, इन्दौर व पंजाब इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन के बढ़ते कदम

सन 1963 में इन्दौर में सरदार विरेन्द्र सिंह जी खालसा ने नीव इसकी डाली। उनके पुत्र ने सारदर ने 1982 में अपने पिता जी के साथ कमान संभाली। आज पूरे भारत में एवं कई देशों में फूड मशीनरी के अतिरिक्त पशुपालन की संपूर्ण रेज की मशीनरी में आज पंजाब इंजीनियरिंग का नाम प्रथम स्थान पर आता है। सन् 2015 में श्री मनविंदर सिंह के सुपुत्र श्री जपलीन ने कमान संभाली इन्दौर पंजाब इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन की नींव डाली, आज संस्थान का 8 निर्माण इकाइयाँ कार्यरत है, 4 इन्दौर व 4 चण्डीगढ़ में 1 संस्थान में 200 व्यक्तियों को रोजगार दोनों स्थानों पर मिल रहा है। सरदार मनविंदर जी को धर्मपत्नि श्रीमती संदीप कौर खालसा कंपनी में डायरेक्टर के अलावा धार्मिक कार्यों एवं सेवा में अपने नाम से जानी जाती है। सभी धर्मों के कार्यक्रमों इस परिवार की उपस्थिति व सहयोग देखने को मिलता है। आप सभी प्रकार के व्यापारिक मेलों में स्वयं उपस्थित होते हैं व मिलनसार व्यक्तित्व के स्वामी हैं, ऐसी श्खसियत को सोना–उगले मिट्टी का जोरदार सलाम।

आईपीएल बायोलॉजिकल ने जैविक विनिर्माण सुविधा का किया शुभारंभ

वडोदरा। आईपीएल बायोलॉजिकल्स लिमिटेड ने विगत दिनों गुजरात के वडोदरा में अपनी अत्याधुनिक, सीजीएमपी–अनुरूप जैविक विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन किया। यह ऐतिहासिक निवेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को 50: तक कम करने, सुरक्षित, टिकाऊ और आत्मनिर्भर कृषि पद्धतियों की ओर बढ़ने की राष्ट्रीय अपील को गति देने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उद्घाटन समारोह में कंपनी के ब्रांड एंबेसडर, क्रिकेट के दिग्गज श्री युवराज सिंह, वैज्ञानिक, नीति निर्माता, प्रमुख वितरक और प्रगतिशील किसान उपस्थित थे। अध्यक्ष, आईपीएल बायोलॉजिकल्स लिमिटेड श्री हर्ष वर्धन भागचंदका ने कहा किरासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50: तक की कमी लाने का आह्वान हमारी मिट्टी, हमारे स्वास्थ्य और हमारे राष्ट्र के लिए एक सभ्यतागत अनिवार्यता है। यह सुविधा आईपीएल बायोलॉजिकल्स की इसी आह्वान के प्रति प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया है। हम भारत के अन्नदाता किसानों को उन्नत, पर्यावरण के अनुकूल जैविक समाधान प्रदान करने के लिए अपने तीन दशकों के सूक्ष्मजीव नवाचार का विस्तार कर रहे हैं, जिससे सतत कृषि एक व्यावहारिक, लाभदायक और रोजमर्रा की वास्तविकता बन सके।

सोनालिका ट्रैक्टर्स ने अप्रैल में बेचे 16223 ट्रैक्टर

नई दिल्ली। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर वन ब्रांड सोनालिका ट्रैक्टर्स ने वित्तवर्ष 2027 में अप्रैल की अब तक की सर्वाधिक 16223 कुल ट्रैक्टर बिक्री के साथ एक मजबूत और रणनीतिक शुरुआत की है और उद्योग में सबसे अधिक मार्केट शेयर में बढ़ोतरी हासिल की है। कंपनी ने जबर्दस्त 35.6 पीसदी की कुल वृद्धि दर्ज करते हुए उद्योग की 27 फीसदी वृद्धि दर को भी पीछे छोड़ दिया है। जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लि. श्री रमन मित्तल ने कहा कि सोनालिका ने अपने 30वें वर्ष में किसानों को श्जीतने का दमश देने के अपनी विचारधारा पर कायम रहते हुए अपनी उन्नत कृषि इनोवेशन द्वारा किसानों की दक्षता और आय क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है। सोनालिका 19 लाख से अधिक किसानों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में मजबूती से खड़ी है और वह सुनिश्चित करती है कि कंपनी के उच्च गुणवत्ता वाले ट्रैक्टर विभिन्न एप्लीकेशन में निर्बाध रूप से कार्य करें। विश्व के सबसे बड़े एकीकृत ट्रैक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट

और उन्नत अनुसंधान एवं विक्कास क्षमताओं द्वारा समर्थित सोनालिका दमदार और भविष्य के लिए तैयार समाधानों से भारतीय कृषि में बदलाव को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि अप्रैल की हमारी अब तक की सर्वाधिक 16223 कुल ट्रैक्टर बिक्री दर्शाती है कि किसान तेजी से तकनीक आधारित खेती की ओर बढ़ रहे हैं और हम वित्तवर्ष 2027 में किसानों को श्जीतने का दमश देने के लिए मजबूत संकल्प के साथ लगातार कदम बढ़ा रहे हैं। हमने 35.6 फीसदी की जबर्दस्त वृद्धि दर्ज की है जिससे हमने उद्योग को वृद्धि को पीछे छोड़ा है। और बाजार की हिस्सेदारी में बढ़ोतरी हासिल करने वाले ब्रांड में जगह बनाई है।

ई–टोकन से कालाबाजारी पर लगेगी रोक

सुमन प्रसाद

भोपाल। भोपाल जिले में किसानों को ई–टोकेन के माध्यम से खाद उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 15 मई में 20 मई 2026 तक विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास सुश्री सुमन प्रसाद ने बताया कि ई–विकास प्रणाली के माध्यम से किसान अब ऑनलाइन ई–टोकन प्राप्त कर निर्धारित तिथि एवं समय पर संबंधित वितरण केंद्र में उर्वग्क प्राप्त कर सकेंगे। इससे किसानों को लंबी कतारों में लगने से राहत मिलेगी तथा वितरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनेगी। सुमन प्रसाद शक बैठकउन्होंने बताया कि शिविरों में पटवारी, पंचायत सचिव एवं कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहकर किसानों को ई–विकास पोर्टल पर पंजीयन कराने तथा ई–टोंकन जारी करवाने में सहयोग करेंगे, ताकि आगामी खरीफ मौसम में किसानों को खाद प्राप्त करने में किसी प्रकार की समस्या न हैं।

बिचौलियों की भूमिका होगी खत्मः कृषि विभाग द्वारा जिले में ई–विकास प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सहकारी संस्थाओं एवं अधिकृत उर्वरक विक्रेताओं को प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है। सभी संबंधित संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं कि उर्वरक वितरण केवल ई–विकास प्रणाली के माध्यम से ही सुनिश्चित किया जाए, जिससे कालाबाजारी एवं अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। इस प्रणाली के माध्यम से किसानों को समय पर एवं निर्धारित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध होगा।

प्रगति के पद पर बड़नगर : देवराज चौधरी

सोना–उगले मिट्टी के प्रधान सम्पादक श्री देवराज चौधरी की श्री जितेन्द्र पंडया विधायक एवं एस.डी.एम. श्री धीरेन्द्र पाराषर बड़नगर से विशेष बातचीत हुई जिन्होने बताया की बड़नगर में प्रथम श्रेणी की मंडी है जहाँ 17 करोड़ का वार्षिक टैक्स भरते है। चम्बल, गंभीर, चामला नदी होने के कारण सोयाबीन, गेहूं और मटर की खेती होती है। सरकार ने प्रदेश में 09 लाख से अधिक लोगों से रजिस्ट्रेशन कराया गेहूं उपार्जन के लिये। अब जमीन का मुआवजा भी 4 गुना देगी सरकार भूमि अधिग्रहण पर। गेहू उपार्जन का पैसा 8–10 दिन में मिल रहा है। किसान क्रेडिट कार्ड, इन्वेस्टर मीट व पी.एम. पार्क बदनावर बनने से अब इन इलाके के किसान समृद्ध हो रहे है। हम कोशिश में है कि फसलों और सब्जियों आद्यारित उद्योग भी इस क्षेत्र में लगे।

अर्पित व न्यांसी बंधे दाम्पत्य सूत्र में: मनसा रिसोर्ट में सबका बेमिसाल स्वागत हुआ

विगत दिनों म.प्र. के मशहूर खाद निर्माता सुहाने परिवार में श्रीमती संगीता व श्री राजेश चौहान के सुपुत्र श्री राजकुमार व विनोद सुहाने के भतीजे श्री रिषभ सुहाने के अनुज चि. अर्पित का शुभ विवाह ग्वालियर के प्रतिष्ठित श्री केदारनाथ जी गुप्ता परिवार में श्रीमती निधि व श्री मुकेश गुप्ता की पुत्री सौ. का. न्यांसी से उज्जैन के मनसा रिसोर्ट में धूमधाम से संपन्न हुआ दूर–दराज से पधारे रिश्तेदारों व्यापारियों व ईष्ट मित्रों ने उपस्थिति हो वर वधू को सुआर्शीवाद दिया वह सुहाने व गुप्ता परिवार को बधाई प्रेषित की। सोना उगले मिट्टी के प्रधान संपादक श्री देवराज चौधरी इस दो दिवसीय कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे।

श्री संजय अरोड़ा चौथी बार अध्यक्ष निर्वाचित

इंदौर समाजसेवी संजय अरोरा का नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम 'एक शाम संबंधों के नाम' अरोरा भवन में किया गया। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, जावरा कंपाउंड निवासी संघ और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अरोरा के सराहनीय कार्यों के लिए उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पहार और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। अभिनंदन कार्यक्रम में गायक चिंतन बाकीवाल ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन केदार सारडा ने किया। संजय अरोरा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इन्दौर के अरोडवंशीय पंजाबी समाज में श्री संजय अरोड़ा जी **सोना–उगने मिट्टी** के प्रधान सम्पादक श्री देवराज चौधरी के जीजा श्री भी देवराज चौधरी के जीजा श्री भी है को चौथी बाद अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निर्विरोध रूप से सौंपी गयी है। जो अन्य सामाजिक व व धार्मिक संस्थाा में महत्वपूर्ण पदाधिकारी के रूप में सेवाएँ दे रहे हैं। जहां दूर–दराज से पधारे रिश्तेदारों इष्टमित्रों, व्यापारी बंधुओं उपस्थित होकर श्री संजय अरोडा का सम्मानित किया है। बधाई प्रेषित की। शहर के विधाायक श्री गोलू शुक्ला एवं श्री देवराज चौधरी ने आपके उदबोधन में अनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सचिव पद पर श्री नवीन जुनेजा व नरेन्द्र बत्रा को न्यास का कोषाध्यक्ष चुना गया।

अंश सोलंकी हुए 5 वर्ष के

विगत दिनों सोना–उगले मिट्टी के वरिष्ठ मैनेजर श्री सुनील सोलंकी के पोते अंश का 5वां जन्मदिन इन्दौर की कोरी धर्मशाला (महक वाटिका के पास) रोबोट चौराहा में धूम–धाम से मनाया गया। दूर–दराज से पधारे रिश्तेदारों व इष्ट मित्रों ने उपस्थित होकर अंश को आशिर्वाद व उपहार प्रेषित किये। प्रकशन के श्री देवराज चौधरी देवांशु चौधरी व ऑफिस स्टॉफ के सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मोब डिजिटल में श्री सुमित नागरा व वेदिका सम्मानित, पूरे किए 3 वर्ष, उच्च पद पर पदोन्नत।

श्री सुमित नगर व वेदिका ने अपनी लगन और कर्तव्य निष्ठा से मोब डिजिटल सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण किए श्री देवराज चौधरी के पुत्र देवांशु के विदेश में होने पर श्री चौधरी बहू गीतिका व स्टाफ मेंबर्स ने केक काटकर श्री सुमित को बधाई प्रेषित की। श्री देवांशु चौधरी ने अमेरिका से वापस आने के पश्चात् दोनो को बधाई दी व स्टॉफ को **Hotel Jardin** में पार्टी दी।

किसान कल्याण वर्ष में कैलाश चंद गुप्ता को मिली कृषि उत्पादन आयुक्त की जिम्मेदारी

मध्य प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री कैलाश चंद गुप्ता को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ–साथ कृषि उत्पादन आयुक्त (एपीसी), मध्य प्रदेश का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार वर्ष 1992 बैच के आईएएस अधिकारी श्री गुप्ता आगामी आदेश तक यह अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगे। वे वर्तमान में अतिरिक्त मुख्य सचिव, कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग विभाग के पद पर कार्यरत हैं। कृषि उत्पादन आयुक्त का पद राज्य में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता तथा किसान कल्याण से जुड़े विभागों और कार्यक्रमों के समन्वय का महत्वपूर्ण दायित्व माना जाता है। श्री गुप्ता को यह जिम्मेदारी ऐसे समय सौंपी गई है, जब मध्य प्रदेश में वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है और कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विकास के लिए अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

श्री गुप्ता मध्य प्रदेश कैडर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों में शामिल हैं। उन्होंने बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल से सिविल इंजीनियरिंग तथा आईआईटी दिल्ली से मृदा विज्ञान में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की है। तीन दशक से अधिक लंबे प्रशासनिक कार्यकाल में वे प्रदेश के अनेक जिलों में जिला कलेक्टर, संभागीय आयुक्त, प्रबंध निदेशक, प्रमुख सचिव तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। प्रशासनिक दक्षता और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण के लिए उनकी विशेष पहचान रही है।

रतलाम कृषि आदान विक्रेता संघ की वार्षिक साधारण सभा, निर्वाचन एवं पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

रतलाम। रतलाम कृषि आदान विक्रेता संघ की वार्षिक साधारण सभा, नवीन संचालक मंडल के निर्वाचन की प्रक्रिया एवं पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन हनुमान रुंडी, रतलाम पर उत्साह, सौहार्द एवं आत्मीयता पूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम के प्रारंभ में संघ अध्यक्ष श्री मनोज बोराना ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए अपने दो वर्षीय कार्यकाल की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा संघ के लिए नए एवं ऊर्जावान साथियों को संचालक मंडल में चुनने का आह्वान किया। इसके पश्चात निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित सदस्यों की सहमति से निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हुई, जिसमें संघ के 77 सदस्यों ने अपने मताधिकार का जिम्मेदारीपूर्वक प्रयोग करते हुए नवीन संचालक मंडल के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।पारिवारिक मिलन समारोह के अंतर्गत बच्चों एवं महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रतलाम जिले के उप संचालक कृषि श्री आर. के. सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी, रतलाम के उपाध्यक्ष श्री जुबिन जैन उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ अध्यक्ष श्री मनोज बोराना ने की। इस अवसर पर संघ के संरक्षक श्री हंसराज चोपड़ा एवं श्री रमेश गर्ग भी मंचासीन रहे। संघ की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन की एकता एवं कृषि आदान व्यापारियों की भूमिका पर प्रकाश डाला।मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी.ए. श्री नमन जैन एवं उनकी सहयोगी टीम ने निर्वाचन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कर परिणामों की घोषणा की। निर्वाचन दल का संघ की ओर से अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया गया।निर्वाचन उपरांत नवनिर्वाचित संचालक मंडल की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से श्री नरेन्द्र पीपाड़ा को अध्यक्ष, श्री मनीष मंडलेचा को उपाध्यक्ष, श्री सचिन संघवी को सचिव, श्री प्रवीण जैन को कोषाध्यक्ष तथा श्री नरेश पाटीदार को सहसचिव मनोनीत किया गया। पूर्व अध्यक्ष श्री मनोज बोराना मार्गदर्शक एवं पूर्व अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगे। शेष निर्वाचित सदस्य कार्यकारिणी सदस्य के रूप में टीम भावना से संगठन के कार्यों का निर्वहन करेंगे।कार्यक्रम का सफल संचालन श्री ओ. पी. पोरवाल द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन श्री मनीष मंडलेचा ने किया। आत्मीयता, संगठनात्मक एकता एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए इस आयोजन के लिए संघ की ओर से सभी सदस्यों, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

रतलाम जिले के कृषि विभाग में श्री भगवानसिंहजी अर्गल ने DDA पद का पदभार ग्रहण किया

रतलाम जिले के किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग में श्री भगवानसिंहजी अर्गल की उपसंचालक कृषि (DDA) पद पर नियुक्ति हुई है। उन्होंने अपना पदभार ग्रहण किया।इस अवसर पर रतलाम कृषि आदान विक्रेता संघ के प्रतिनिधि मंडल द्वारा उनका स्वागत कर सौजन्य भेंट की गई। इस दौरान जिले में कृषि उत्पादन की स्थिति, खाद की उपलब्धता एवं खाद के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित चर्चा कर मार्गदर्शन प्राप्त किया गया।संघ प्रतिनिधि मंडल मेंश्री नरेंद्र पीपाड़ा (अध्यक्ष, रतलाम कृषि आदान विक्रेता संघ), श्री मनोज बोराणा (संभागीय संगठन मंत्री, मध्यप्रदेश कृषि आदान विक्रेता संघ),श्री सचिन संघवी (सचिव),श्री प्रवीण पाटीदार, श्री ओ. पी. पोरवाल, श्री राजेंद्र अग्रवाल, श्री मांगीलाल मेहता,श्री नरेश पाटीदार एवं श्री मनोज मित्तल उपस्थित रहेइस अवसर पर कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी श्री भीमा वासके, श्री वसुनियाजी एवं श्री बरफाजी भी उपस्थित रहेरतलाम कृषि आदान विक्रेता संघ, रतलाम की ओर से श्री भगवानसिंहजी अर्गल को नवीन दायित्व हेतु हार्दिक शुभकामनाएं एवं सफल कार्यकाल की मंगलकामनाएं प्रदान की

डॉ सैनी ने की हरियाणा मुख्यमंत्री से भेंट

जयपुर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से डॉ राजेश कुमार सैनी एवं मनोज सैनी ने मुख्यमंत्री आवास पर की शिष्टाचार भेंट की स इस दौरान मुख्यमंत्री को गर्म जलवायु के सेव की प्रजातियों अन्ना गोल्डन डोर सेट हरमन 99 के बारे में बताया और उनकी हरियाणा में खेती की संभावनाओं के बारे में चर्चा की उल्लेखनीय है कि डॉ राजेश सैनी एवं मनोज सैनी ने हरियाणा में चल रहे इंडो इसराइल प्रोजेक्ट सेंटर फॉर सबट्रॉपिकल फ्रूट्स लाडवा कुरुक्षेत्र में हो रही गर्म जलवायु के सेब की प्रयोग खेती का जायजा लिया।

पुण्य–स्मरण

श्रीमती पूर्णिमा कौल

अवसान 10 जून

हर पल याद करते है उस ममतामयी आत्मा को जिसके लालन पालन से हम पहुंचे है इस मुकाम पर...

सादर श्रद्धांजलि करते है अर्पित

श्रद्धावत

कर्नल हर्ष कौल एवं सोना–उगले मिट्टी परिवार

पुण्य–स्मरण

स्व. श्री राजेन्द्र द्वारकादास जी नागर

श्रीजीशरणः 9 मई 2025

मध्यप्रदेश बीज एवं कीटनाशक विक्रेता संघ

सादर श्रद्धांजलि करते है अर्पित

श्रद्धावत

सोना–उगले मिट्टी एवं धरती उगले सोना परिवार

शोक संदेश

श्री चैतन्य जी व वरिष्ठजनों ने दी श्रृद्धांजली

स्व. श्री सुरेन्द्र पोरवाल

विगत् दिनों रतलाम शहर के जाने माने वरिष्ठ उद्योगपति श्री सुरेन्द्र पोलवार का निधन हो गया। उनकी श्रृद्धांजलि सभा में शहर की कई गणमान्य हस्तियां उपस्थित रही एवं उन्होंने अपने भाव व्यक्त कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्री सुरेन्द्र पोलवाल को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

पुण्य-स्मरण : विनम्र श्रद्धांजलि

हर पल आपको महसूस करते है, आपका कर्मठ व्यक्तित्व हमारे लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा यादों के फूल चढाते है प्रतिदिन।

सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते है –

स्व. डॉ. लद्धाराम चौधरी, अवसान : 12 जून

समस्त चौधरी परिवार, रिश्तेदार एवं मित्रगण

स्व. श्री ऋषिराज चौधरी, अवसान : 7 जून

प्रतिष्ठान

सोना–उगले मिट्टी
कृषि आधारित मासिक पत्रिका
देवराज चौधरी मो.: 9826055852 7224943188

राज एडवरटाइजर्स
मो. 9826055852, 7224943188

घरौंदा (कंस्ट्रक्शन व इस्टेट एजेन्ट), इन्दौर
मो. 9826055852, 7224943188

देवराज चौधरी, (लाइफ एडवाइजर)

देवराज चौधरी

धरती उगले सोना
कृषि आधारित पाक्षिक समाचार पत्र
देवांशु चौधरी मो.: 9827282091

जय देवगुरु शक्ति सामाजिक कल्याण समिति
(ग्रामिणों को शिक्षित करने हेतु एन.जी.ओ.)

देवराज चौधरी
हर्बल लाईफ एसोसिएट
मो.: 9826055852, 7224943188

शोक संदेश

स्व. श्री राहुल काशिव

विगत् दिनों श्रीमती मनोरमा काशिव के बेटे श्री राहुल काशिव का निधन हो गया। सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. राहुल काशिव को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

शोक संदेश

स्व. श्रीमती मीरा शर्मा

विगत् दिनों श्री संदीप शर्मा व प्रदीप शर्मा की माता जी श्रीमती मीरा शर्मा का निधन हो गया। सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्रीमती मीरा शर्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

शोक संदेश

स्व. श्री जी.एस. कौशल

विगत् दिनों म.प्र. को पूर्व संचालक कृषि श्री जी. एस. कौशल का निधन हो गया देश के प्रख्यात जैविक खेती विशेषज्ञ थे। सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्री जी.एस. कौशल को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

प्रोप्रा. : प्रभुदयाल पाटीदार
मो. : 9575312117

अम्बिका पाटीदार ट्रेडर्स

कन्नौद रोड, आष्टा, तह.–आष्टा, जिला–सिहोर (म.प्र.)

SHAKTIMAN
MAKING AGRICULTURE MORE ECONOMICAL

Narendra Patidar
M.: 7898297329, 9098378699
9300610163, 9770621961

PATIDAR ELECTRICALS

Jawar Jod, Teh. - Jawar, Distt. - SEHORE - 466221 (M.P.)
E-mail: patidarelectrics@gmail.com

PTC Pump Sets | SHAKTI | Supreme | SHAKTIMAN

नानूराम मेवाड़ा 9993183947 9039230283
नरेश मेवाड़ा 7389186735 7747843905
महेन्द्र मेवाड़ा 9589185894

फर्म- मेवाड़ा ट्रेडिंग कम्पनी

रासायनिक खाद, खली, पशु आहार, नमक, कवेलु आदि के विक्रेता

आई.एफ.एफ.डी.सी.

कृषक सेवा केन्द्र

अदालत के सामने, कन्नौद रोड, आष्टा जिला सीहोर (म.प्र.)

दो दशकों से अधिक किसानों के भरोसे का साथी... एग्रोफॉस

KRISHI SAMRIDDHI

किसानों की शान खेतो की जान

बोखी क्वालिटी वाजिब दाम

KRISHI GOLD SAMRIDDHI
FORTIFIED FERTILIZER
दानेदार
SINGLE SUPER PHOSPHATE (GRANULATED)
जिंक + बोरान
Mfg. & Marketed By AGRO PHOS INDIA LIMITED

अधिक उपज अधिक लाभ

निर्माता एवं विपणनकर्ता
एग्रो फॉस इंडिया लिमिटेड
इकाईयाँ - मेघनगर एवं देवास
मुख्यालयः एम. 87, ट्रेड सेन्टर, 18, साऊथ तुकोगंज, इन्दौर
मो. 97524 12001, 97524 12009 मेल : info@agrophos.com

WHY USE CHAMBAL GYPSUM?
- Corrects Soil Alkalinity (Reclaims Sodic Soils)
- Provides Direct Calcium & Sulfur Nutrients
- Improves Water Infiltration & Drainage
- Enhances Seed Germination
- Loosens Dense Clay Soils
- Reduces Soil Erosion and Runoff

TOP AGRICULTURAL BENEFITS
- Balances Soil pH: Vital for nutrient availability.
- Increases Yield & Crop Quality: Improves overall plant health.
- Breakdown Compacted Soil: Solves physical soil problems.
- Synergizes with Other Fertilizers: Makes nutrients more efficient.
- A Long-Term Soil Investment: Builds soil fertility over years.

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY

CHAMBAL™

CHAMBAL GYPSUM POWDER

NATURAL SULPHUR+ CALCIUM
$CaSo_4$ $2H_2O$

GYPSUM POWDER

Natural Gypsum
A Rajasthan Desert Product
Processed & Packed by :
SHREE SHYAM CHEMICAL & MINERAL
BIKANER ROAD, VILLAGE BHADWASI NAGAUR, RAJASTHAN 341001
CUSTOMER CARE : 94133-84498, 75973-88381

Sumer Parmar
Mob.: 9926312866

परमार मशीनरी एवं कृषि सेवा केन्द्र

समस्त कृषि सिचाई उपकरण एवं ट्रांसफार्मर, सरिया सीमेन्ट, विशाखा, विक्टस, सौरभ, शक्तिमान, नॅशनलेक आईल पेन्ट, टेक्समो रिजिड पाईप, एवं सेनेटरी समान व कीटनाशक दवाईयों के विक्रेता

कॉलोनी चौराहा, कन्नौद रोड आष्टा जि. सीहोर (म.प्र.)

।। श्री गणेशाय नमः ।। ।। ऊँ बागेश्वराय नमः ।।

श्री अर्जुन कृषि सेवा केन्द्र

सभी प्रकार के कीटनाशक, खरपतवार नाशक दवाईयाँ, हाईब्रिड बीज एवं फाउन्डेट, समृद्धि प्लास्टिक आयटम कूलर, लेनो बैग, गार्डन पाईप आदि के अधिकृत विक्रेता

SAMRIDDHI UMBREKO

पताः श्री बालाजी कॉलोनी, हनुमान मंदिर के पास, सीहोर
सूरज सिंह मेवाड़ा : 9229683362 | सुनील मेवाड़ा : 9644198171, 8989879516

प्रो.कृपाल सिंह ठाकुर
Bsc(Seedtech)
मो.9624159287

अयोध्या एग्रोटेक

समस्त प्रकार के बीज एवं कृषि दवाइयों के विक्रेता

Ayodhya Agrotech Private Limited
Add.: Shopping Complex Janpad Panchayat Shop No.09 Block Ashta Dist. Sehore-466116 (M.P.)

प्रो-प्रीतम मेवाड़ा 9981537467
SINCE - 2016
GSTIN-23GOPPF9933K1ZY
गुलाबसिंह मेवाड़ा
अरविन्द मेवाड़ा 9993898116

माँ सामल कृषि सेवा केन्द्र

PARIJAT | MEGHMANI GROUP | syngenta | KRISHNA | SWAL | DAMAN | aries agro limited

कीटनाशक ,खरपतवारनाशक एवं बीज के विक्रेता

कृषक समर्थ एग्री क्लीनिक सेन्टर

बीज का भण्डार

समस्त प्रकार के कीटनाशक एवं समस्त प्रकार के बीज के विक्रेता

ADAMA | FMC | SUMITOMO CHEMICAL INDIA LTD.

सुरेश सिंह दांगी
M.Sc. Agriculture
R.A.K. College of Agriculture Sehore
Mo. 9303715615, 7987068403

Kalash

BREEDING TODAY FOR YOUR BETTER FUTURE TOMORROW

किसानो की पसंद की जोड़ी
कलश सीड्स की केंडी-मेलोडी

F1 WATERMELON CANDY
F1 WATERMELON KSP 1358 MELODY

King | Don | Prasiddhi | KSP-135 | KSP 1826 Supreme | Daroga | Sugar Man | Meera | Golden glory | Red Passion KSP -258 | KSP-1395 | Talwar | Sitara | KSP-1780 | Pragati | Speed | Fighter | KSP 1942 Alfa | Agastya | Samurai

Kalash Seeds Pvt. Ltd.
Head Office : P.O.Box. 77, Mantha Road, Jalna - 431203
Call : +91 2482 24 40 00 | Email : info@kalashseeds.com | website : www.kalashseeds.com

अभिषेक जैन 'भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद' (ICFA) की कृषि नीति परिषद के लिए नामांकित

भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद (ICFA) की 'कृषि नीति परिषद' में इंदौर के श्री अभिषेक जैन नामांकितय देश की कृषि नीतियों को आकार देने में ICF। की भूमिका सर्वोपरि

इंदौरः मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि अरिहंत फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स इंडिया लिमिटेड के डायरेक्टर, श्री अभिषेक जैन को देश की प्रतिष्ठित संस्था 'भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद' (Indian Chamber of Food and Agriculture & ICFA) द्वारा उसकी महत्वपूर्ण 'कृषि नीति परिषद' (Agriculture Policy Council) के लिए नामांकित किया गया है । इस प्रतिष्ठित मनोनयन का आधिकारिक प्रमाण पत्र प्प्। के महानिदेशक डॉ. तरुण श्रीधर और कार्यकारी निदेशक अश्वनी द्वारा जारी किया गया है!

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर देश की प्रमुख कृषि पत्रिका 'सोना उगले मिट्टी' के प्रधान संपादक श्री देवराज चौधरी ने श्री अभिषेक जैन से सौजन्य भेंट कर उन्हें अपनी और संपूर्ण कृषि जगत की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की हैं । क्यों खास है भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद (ICFA) और इसकी 'कृषि नीति परिषद'?

'भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद' (ICFA) देश में कृषि नीतियों, खाद्य सुरक्षा और कृषि व्यापार को एक नई दिशा देने वाली भारत की सर्वोच्च और प्रमुख संस्था (Apex Body) के रूप में कार्य करती है । यह परिषद देश के नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों और किसानों के बीच एक मजबूत सेतु का काम करती है।

ICFA की 'कृषि नीति परिषद' (Agriculture Policy Council) एक ऐसा थिंक–टैंक (Think&Tank) है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत के खाद्य और कृषि क्षेत्र के लिए प्रगतिशील, अनुसंधान–आधारित और भविष्य के अनुकूल नीतियों का खाका तैयार करना है। यह परिषद देश में: खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ करने, टिकाऊ और उन्नत कृषि (Sustainable Agriculture) को बढ़ावा देने, और किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों (Agritech & Digital Farming) को लागू करने के लिए सरकार और उद्योग जगत को नीतिगत सलाह देती है।

अनुभव और कर्मठता को मिला सम्मान

कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों के अनुसार, इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परिषद में श्री अभिषेक जैन का नामांकन कृषि उद्योग में उनके व्यापक व्यावहारिक अनुभव, गहरी समझ और उर्वरक एवं कृषि–रसायन क्षेत्र के प्रति उनके निरंतर समर्पण को रेखांकित करता है । श्री जैन अपनी मिलनसार छवि, कर्मठ व्यक्तित्व और किसानों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं ।

श्री जैन का यह नामांकन न केवल व्यक्तिगत रूप से उनके नेतृत्व कौशल की पुष्टि करता है, बल्कि मध्य प्रदेश के कृषि–व्यवसाय (Agribusiness) जगत को भी राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत आवाज प्रदान करता है ।

श्री अभिषेक जैन का वक्तव्यः ''भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद (ICFA) जैसी शीर्ष संस्था की 'कृषि नीति परिषद' में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है । मेरा प्रयास रहेगा कि मैं अपने जमीनी और औद्योगिक अनुभवों के आधार पर ऐसी नीतियों को बढ़ावा देने में सहयोग कर सकूं जो हमारे देश के अन्नदाताओं (किसानों) को समृद्ध बनाएं, कृषि की लागत कम करें और देश को खाद्य सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बनाए रखें! इस महत्वपूर्ण परिषद में श्री जैन का नामांकन कृषि क्षेत्र में उनके अनुभव और उद्योग के प्रति उनके निरंतर समर्पण को रेखांकित करता है। आप एक मिलनसार एवं कर्मठ व्यक्तित्व के स्वामी हैं। **सोना उगले मिट्टी के प्रधान संपादक श्री देवराज चौधरी** ने **श्री अभिषेक जैन** से सौजन्य भेंट पर अपनी बधाई प्रेषित की।

संतोष कुमार सिंह पदोन्नत होकर जनरल मैनेजर बने

Unisem

इन्दौर यूनिसेम एग्रीटेक लिमिटेड, बैंगलोर के सीनियर जोनल मैनेजर श्री संतोष कुमार सिंह को स्पेशल प्रमोशन देकर कंपनी ने जनरल मैनेजर नार्थ जोन (उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार एवं नेपाल) का प्रभार दिया है। एग्रीकल्चर इंडस्ट्रीज के वरिष्ठजनों की ओर से उन्हें बहुत–बहुत बधाई दी गई। सोना–उगले मिट्टी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्रभावी प्लांट ग्रोथ प्रमोटर–पोषक सुपर स्टार

इन्दौर। 'पोषक सुपर स्टार' पौधों की तेज वृद्धि बेहतर विकास और अधिक उपज के लिए बनाया गया उन्नत प्लांट ग्रोथ प्रमोटर है। यह पौधों के चयापचय को सक्रिय करता है और प्रकाश संश्लेषण की क्षमता बढ़ाता है, जिससे फसल मजबूत बनती है, गुणवत्ता सुधरती है और शेल्फ लाइफ भी बढ़ती है। पोषक सुपर स्टार के मुख्य फायदे इस प्रकार हैं–पौधों की तेज वृद्धि पौधों की ऊँचाई और फैलाव में तेजी, अधिक शाखाएं निकलने में मदद, तना, पत्तियां और जड़ें मजबूत बनती है, फूल और फल में बढोत्तरी, फूलों और फलों की संख्या बढ़ती है। 'पोषक सुपर स्टार' जड़ो की संख्या और लंबाई बढ़ाता है, पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार, तनाव व रोग प्रतिरोध, सूखा, गर्मी और अन्य अजैविक तनाव से सुरक्षा, कीटों और रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है। 'पोषक सुपर स्टार' को अनाज में गेहू, धान, मक्का, दालों में मूंग, उड़द, चना, तिलहन में सोयाबीन, सरसों, सब्जियों में मिर्च, टमाटर, खीरा, लौकी तथा बागवानी फसलों में प्रयोग कर सकते है।

अक्षय कुमार बने क्रिस्टल कॉप प्रोटेक्शन लि. के ब्रांड एंबेसडर

CRYSTAL

'देश का किसान, देश का असली हीरो' कैपेंन लॉन्च

नई दिल्ली। किस्टल कॉप प्रोटेक्शन लि. ने अक्षय कुमार को अपना 'ब्रांड एंबेसडर' नियुक्त किया है। इस सांझेदारी के अवसर पर, कंपनी ने अक्षय के साथ अपना पहला राष्ट्रीय ब्रांड कैपेंन 'देश का किसान देश का असली हीरो' भी लॉच किया। इसके माध्मय से किस्टल का उद्धेश्य किसानों के साथ अपने संबंधों को और सुदृढ़ करना उन्हें उन्नत समाधानों के लिए प्रेरित करना और खेती की लाभप्रदता बढ़ाने में सहायता करना है। किस्टल के एग्जक्यूटिव चैयमरैन और मैनजिंग डायरेक्टर, श्री कुंवर अग्रवाल ने कहा, अक्षय कुमार दृढ़ता अनुशासन की भावना का प्रतिनिधित्व करते हुए, ऐसे मूल्य जो कियस्टल के सिद्वांतों से पुरी तरह मेल खाते है। यह सझादारी एक राष्ट्रीय आइकन की देश के अन्नदाता, हमारे किसानें में जोड़ने का सशक्त माध्यम है। देश का किसान देश का असली हीरो कैंपेन टेलीविजन डिजिटल प्लेटफार्म और असली हीरों कैंपेन टेलीविजन डिजिटल प्लेटफॉर्म और जमीनी स्तर के अलग–अलग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रसार होगा। ब्रांड एंबेसडर अक्षय कुमार ने कहा 'क्रिस्टल' के साथ यह जुड़ाव अपने सही अर्थों में एक स्वाभाविक साझेदारी है भारत के किसानों के साथ सिर्फ शब्दों में नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने वाले ब्रांड में जुड़वा मेरे लिए गर्व की बात है। क्रिस्टल के चीफ बिज़नेश ऑफिस ऑफिसर श्री सोहित सत्यावली ने कहा यह सहयोग उन्नत फसल समाधानो को सिकानों तक पहुंचाने के हमारे प्रयासों को और सशक्त करेगा तथा उन्हें अधिक लाभदायक खेती की ओर अग्रसर होने में सहायता देगा।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लि. ने एफएमसी कॉर्पोरेशन के भारत के वाणिज्यिक कारोबार का किया अधिग्रहण

CRYSTAL

08 मई 2026, इंदौरः क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लि. ने एफएमसी कॉर्पोरेशन के भारत के वाणिज्यिक कारोबार का किया अधिग्रहण द क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड ने एफएमसी कॉर्पोरेशन के भारत स्थित संपूर्ण वाणिज्यिक कारोबार के अधिग्रहण की घोषणा की है। यह सौदा 252 मिलियन अमेरिकी डॉलर में किया गया है। इस अधिग्रहण के बाद भारत में एफएमसी के कई प्रमुख फसल सुरक्षा ब्रांडों का व्यवसाय, विपणन एवं वितरण अब क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन द्वारा संचालित किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार एफएमसी इंडिया का भारत में वार्षिक कारोबार लगभग 1800 करोड़ रुपये का माना जाता है।

कृषि रसायन क्षेत्र में कंपनी की मजबूत उपस्थिति तथा प्रीमियम फसल सुरक्षा उत्पादों के कारण भारतीय बाजार में एफएमसी की विशेष पहचान रही है।इस समझौते के अंतर्गत एफएमसी इंडिया के फसल सुरक्षा व्यवसाय से जुड़े वाणिज्यिक परिचालन, बिक्री एवं विपणन गतिविधियां, ब्रांड लाइसेंसिंग अधिकार, भविष्य की वैश्विक पाइपलाइन तक पहुंच तथा विशेष सक्रिय अवयवों एवं उत्पादों के लिए आपूर्ति समझौते शामिल हैं।एफएमसी इंडिया के लोकप्रिय उत्पादों में कोराजन, बेनीविया, टुवेन्टा, वेरिमार्क, मार्शल, रोगोर, वेल्जो एवं लीजेंड शामिल हैं। वहीं भविष्य की उत्पाद पाइपलाइन में रेजोनेक्स, जेडेलिस, वाइटग्रिस बोला तथा राइम जैसे उत्पाद शामिल बताए जा रहे हैं। कंपनी ने बताया कि वर्ष 2018 में क्रिस्टल ने एफएमसी कॉर्पोरेशन से केवल चार ब्रांडों का अधिग्रहण किया था, जबकि वर्ष 2026 के इस नए समझौते के तहत भारत का संपूर्ण वाणिज्यिक कारोबार शामिल किया गया है।क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के अनुसार यह अधिग्रहण भारत में कंपनी की स्थिति को और मजबूत करेगा, साथ ही किसानों को उन्नत फसल सुरक्षा समाधान एवं नई तकनीकों तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराने में मदद करेगा।

धनेशा क्रॉप साइंस की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा का हुआ शुभारंभ

Dhanesha WHERE GROWTH BEGINS

नई दिल्ली। धनेशा क्रॉप साईंस प्राइवेट लि.ने उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित कॉसी औद्योगिक क्षेत्र में अपनी अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा का शुभारंभ किया। इस सुविधा का उद्घाटन भारत रसायन लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री एस.एन.गुप्ता और धनेशा क्रॉप साइंस प्रा.लि. के प्रबंध निदेशक श्री धर्मेश गुप्ता ने संपूर्ण विक्रय दल और प्रिय परिवार के सदस्यों की गरिमाय उपस्थिति में किया। यह अवसर कंपनी के विकास पथ में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और भारतीय कृषि के प्रति नवाचार, उत्कृष्टता और प्रतिबद्धता के साझा दृष्टिकोण को दर्शाया है यह विकास कंपनी की घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करता है और विश्व स्तरीय कृषि रसायन समाधानों की आपूर्ति की सूक्ष्म बनाता है, जो कंपनी के 'मेक इन इंडिया' प्रतिबद्धता ओर नवाचार और आत्मनिर्भरता के माध्यम से भारतीय कृषि को आगे बढ़ाने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि इस नई विनिर्माण सुविधा में 80,000 वर्ग फुट के कवर्ड एरिया और 28,500 मीट्रिक टन प्रति वर्ष की स्थापित उत्पादन क्षमता के साथ जिसमे 12,000 किलोमीटर प्रति वर्ष (KLPA) तरल फॉर्मूलेशन (EC,SC,CS,ZC, OD, EW,FS आदि) और 14,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष (MTPA) गेन्यूल फॉर्मूलेशन (GR,WDG,SG, आदि) शामिल है, यह सुविधा उच्च गुण्वत्ता वाले कृषि पैमाने पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई है।

इफको ने बताए मिट्टी परीक्षण के फायदे

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा ब्लॉक के ग्राम धामनिया में इफको ने मृदा परीक्षण अभियान के तहत मिट्टी परीक्षण पर जानकारी साक्षा की। किसानों को मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं रासायनिक उर्वरक के संतुलित उपयोग वैज्ञानिक खेती को प्रोत्साहित किया। अभियान के तहत इफको द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामों के कृषकों के खेत से लगभग 200 मिट्टी के नमूने एकत्रित किए जाएंगे। नमूनों की निःशुल्क जांच कराई जाएगी तथा जांच उपरांत किसानों को मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट दी जाएगी। जिसमें व फसल के अनुसार उर्वरकों को संतुलित उपयोग कर सकें। मृदा नमूना लेने की विधि, नमूना लेते समय बरतने वाली आवश्यक सावधानियों, खाद या उर्वरक डालने के तुरंत बाद नमूना न लेने अत्याधिक गीली या बहुत सूखी मिट्टी से बचने तथा नमूना लेने के लिए साफ उपकरण का उपयोग करने आदि पर मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान इफको के क्षेत्रीय अधिकारी श्री अर्पित रघुवंशी मौजूद थे।

सीएनएच इंडिया ने 8 लाख वा ट्रैक्टर तैयार किया

CNH INDUSTRIAL

निर्माण उपकरणों के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक कंपनी सीएनएच इंडिया ने ग्रेटर नोएडा स्थित अपने विनिर्माण संयंत्र से 8 लाख वें ट्रैक्टर के उत्पादन के साथ विनिर्माण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह, उपलब्धि भारत के कृषि विकास के प्रति सीएनएच की मजबूत प्रतिबद्धता और से उन्नत और विश्वसनीय बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। संयंत्र, जो 1999 से निर्यात बाजारों के लिए आईएच ब्रांडों के तहत करता है। संयंत्र ने हाल ही लाख ट्रैक्टरों के उत्पादन पत्थर पार किया है

कंपनी के तकनीकी रूप उत्पादों में किसानों के ग्रेटर नोएडा स्थित यह कार्यरत है, घरेलू और न्यू हॉलैंड और केस ट्रैक्टरों का निर्माण में स्थापना के बाद से 8 का महत्वपूर्ण मील का

सीएनएच इंडिया के कृषि विनिर्माण निदेशक श्री रवि कुंद्रा ने कहा- 'सीएनएच के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में ग्रेटर नोएडा संयंत्र से 18 लाख वें ट्रैक्टर का निर्माण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।'

KAEROS
Harvesting Goodness

आगाज में डॉ. दादा की धमाकेदार गूंज : देवराज चौधरी

विगत दिनों इन्दौर के मैरियेट होटल में इन्सेक्टीसाइड (इंडिया) लिमिटेड की सहयोगी कंपनी Kaeros का लॉच कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न हुआ। म.प्र. के कोने–कोने से पधारे डीलर्स व डिस्टीब्यूटर्स ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलन व सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। ZSM श्री हेमराज पाटीदार ने सभी डीलर्स का स्वागत करते हुए बताया कि प्रदेश में अभी 180 डीलर्स बन चुके है। GM Sales श्री संजय सिंह ने कहा कि बहुत ही कम समय में IIL की Subsidiary Co. Kaeros बडी तेजी से उभर कर आगे आयी है। जैसे हम IIL में Agri Solution की Complete Range दे रहे हैं, शीघ्र ही Kaeros में भी देंगे। September 2025 में मार्केट में आयी कंपनी ने शीघ्र ही Pan India Presence बनाकर दिखाई है क्योंकि हमारा Vision साफ है और Mission बहुत अच्छा है। जैसे Tractor Brand IIL को वैसे ही Dr. Dada अब Kaeros को दर्शायेगा! The Company is driven by IIL Excellence जिसमें हम Herbicides/Insecticides एवं Fungicides की Range के अलावा PGR दे रहे हैं। Kaeros अभी Soyaben, Maize, Paddy के अलावा Onion & Chilly के Products दे रही है। कंपनी के प्रतिभाशाली Managing Director जो Crop care Federation of India के Vice Chairman भी है ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि आपका पहला कदम बहुत मजबूत होना चाहिए। बड़े–बड़े पेड तूफान में टूट जाते है पर छोटी सी घास मजबूती से खड़ी रहती है। 2026 IIL का 25वां (सिल्वर जुबली) साल है। हम अपनी नयी कंपनी Kaeros में अभी जल्द मजबूत Collaborations ला रहे है और इसे एक Trusted Brand की तरह Establish करेंगे। आपने कहा कि खुद से मत डरों, आज अगर आगे बढ़ गये तो दुनिया की कोई ताकत हमें रोक नहीं सकती। यह साल इरान–इराक युद्व और अलनीनो के कारण मुश्किल का साल है। पेट्रोलियम उत्पाद की कीमते अछाल पर है एवं उनकी बाजार में कमी है तो सभी कृषि उत्पादों की कीमते बढ़ेंगी। आपके पिता श्री हरिबाबू अग्रवाल ने 2001 में पारिवारिक बंटवारे के पश्चात् एक कमरे से व्यापार आरंभ कर आज आकाश की उंचाई पर पहुचांया है। आज कंपनी की देश में 8 निर्माण इकाईयाँ 4 रिसर्च यूनिट, 2 टेकनिकल यूनिट (60 टेकनिकल बनाये) कई फार्मूलेशन्स है। क्वालिटी प्रोडक्टस व पैकेजिंग के कारण आज देश की प्रथम 10 में IIL का नाम है। हम कई प्रतिष्ठित कंपनियों को भी टेकनिकल दे रहे है। इस वर्ष हम Kaeros में 50 नये उत्पाद भी देंगे। अगले 5 साल में IIL को 2200से 5000 करोड़ टर्न ओवर की कंपनी बनाने का लक्ष्य है। आपने एक शेर याद करते हुए कहा कि में अकेला चला था मंजिल की ओर, लोग जुड़ते गये और कारवां बन गया तत्पश्चात् व्हायस प्रेसिडेंट श्री एम.के. सिंघल ने सभी का अभिनन्दन करते हुए कहा कि उनका अग्रवाल परिवार से 32 साल का रिश्ता है और IIL से 25 वर्ष का उन्होंने डीलर्स व डिस्ट्रब्यूटर्स का एक परिवार के समान रिश्ता है एवं हमें एक दूसरे के विश्वास को कायम रख Kaeros को भी उंचाई तक ले जाना है। सदन को भी शिशिर चन्द्रा (GM, Marketing) व श्री एन.बी. देशमुख जो Maharashtra के Head एवं Senior sales Manager है ने Dr. Dada की Business Strategy पर प्रकाश डाला एवं Long Term Relations पर जोर दिया एवं कहा कि नयी कंपनी के लिये हमारा Slogan है **एक वादा–डॉ. दादा,** आपने सही डोज, सही समय व पानी का सही उपयोग का सुझाव दिया। आपने कहा कि हम है एक साथ, रहेंगे साथ–साथ और बढ़ेंगे साथ–साथ। आपने सभी व्यापारियों को वार्षिक स्कीम से भी अवगत कराया और बढ़िया प्रेसेन्टेशन व वीडियों बनाने हेतु श्री शिशिर को धन्यवाद भी दिया अंत में श्री रमेश राठौर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सोना–उगले मिट्टी के प्रधान संपादक श्री देवराज चौधरी एवं मोब डिजीटल के श्री देवांशु चौधरी अपनी टीम के साथ विशेष रूप से उपस्थित थे।

इंसेक्टीसाइड इण्डिया लि. की डीलर्स मीट उज्जैन में सम्पन्न।

insecticides (INDIA) LIMITED

TRACTOR BRAND IIL

विगत 8 जून को उज्जैन के चिंतामण गणेश मार्ग स्थित होटल के चिंतामण गणेश मार्ग स्थित होटल अर्थव में इन्सेटीसाइड इण्डिया लि. की डीलर्स मीट धूमधाम से सम्पन्न हुई जिसमें मुख्य अतिथि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट श्री एम.के. सिंघल, विशिष्ट अतिथि जोनल मैनेजर (सेल्स) श्री सुनील पाटीदार व जोनल मैनेजर (मार्केटिंग) श्री साजन पाठक इंदौर ब्रांच मैनेजर श्री राजेश सोलंकी थ। दीप प्रजवल्लन के पश्चात सभी का स्वागत करते हुए कंपनी के टेरिटरी मैनेजर श्री नारायण सिंह पंवार व अन्य वक्ताओं ने कंपनी की ग्रोथ इस वित्तीय वर्ष की स्कीम व प्रोडक्टस के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में उज्जैन संभाग के कई डीलर्स व डिस्ट्रीब्यूटर्स उपस्थित थे।

विपिन कुमार भटेवरा
Mob. 99260 39517
रमेशचंद्र भटेवरा
Mob. 97531 87000
भटेवरा ट्रेडर्स
उन्नत कृषि बीज के विक्रेता
गेबीलाल चुन्नीलाल
कृषि दवाईयों, महुआ फुल के विक्रेता
वी. के. इंटरप्राईजेस
कृषि उपकरण के विक्रेता
झाबुआ चौराहा, रायपुरिया,
जिला–झाबुआ, (म.प्र.)
फो. 07391–261145

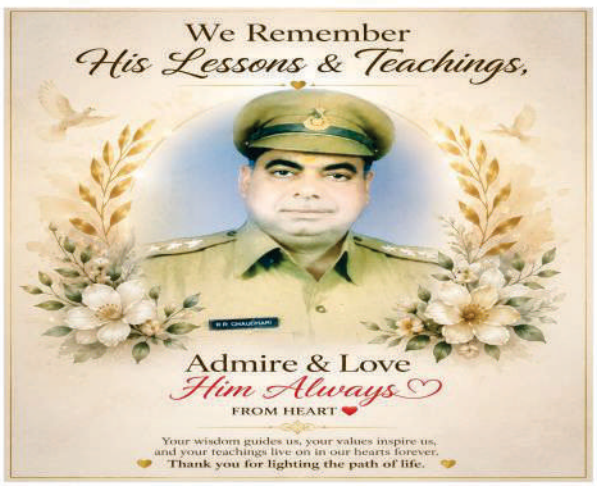

यशराज कांठेड़
90399 55633
रोनक कांठेड़
7415581722
राजेन्द्र कांठेड़
94253 14705
TRUCK-PAL
तिरपाल फैक्ट्री आउटलेट
सभी साइजों में केनवास PVC एवं HDPE तिरपालें, रस्सी,
लेचिंग बेल्ट एवं हाइड्रोलिक जैक मिलने का विश्वसनीय स्थान
सहयोग संस्थान : के. के. सेल्स कॉर्पोरेशन
सभी प्रकार की तिरपालें, प्लास्टीक, बरसाती,
जम्बो पालें, ग्रीन नेट, बर्ड नेट, मलचिंग फिल्म,
पौंड लाइनर, वर्मी बेग, ग्रो बेग, पी.पी. बेग्स,
पाइप एवं स्प्रे पम्पस मिलने का विश्वसनीय
Email: ronakkanthed25@gmail.com
102/1, एस. आर. कंपाउन्ड, देवास नाका, भरत लाईफ़ स्टाईल के पास,
इन्दौर (म.प्र.)

श्री रघुवंशी पुनः राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त

ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन की राष्ट्रीय जनरल बॉडी मीटिंग में नए पदाधिकारियों के चुनाव हुए विगत दिनों दिल्ली में सम्पन्न हुए जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मनमोहन कलन्त्री ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए मध्य प्रदेश कृषि आदान विक्रेता संघ भोपाल के सचिव श्री संजय कुमार रघुवंशी को पुनः राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में नियुक्त किया है। श्री रघुवंशी के पिछले 10 वर्ष की सक्रियता को देखते हुए मंच पर उन्हें सम्मानित किया गया। श्री रघुवंशी के पुनः राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर नियुक्त होने पर मध्य प्रदेश संगठन के अध्यक्ष श्री मानसिंह राजपूत भोपाल, राजेश मलैया सागर, प्रकाश जैन बैतूल, विनोद जैन खरगोन, उज्जैन जिला अध्यक्ष श्री लेखराज खत्री, मोहन राचवानी आदि ने हर्ष प्रकट करते हुए बधाई दी है।